वर्ष-14 - अंक 119
पृष्ट-08 मूल्य : 02 रुपया

सीतापुर
शुक्रवार ,07 अगस्त 2026

RNI.No. UHIN/2012/43078

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

swatantraprabhat.com

epaper.swatantraprabhat.com

जो लिखेगा, वही टिकेगा

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून गाज़ियाबाद , दिल्ली ,पंजाब , हरियाणा ,चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

कांग्रेस कार्यालय 15 दिन में खाली करने का आदेश 3

अब शिवाजी, चंद्रशेखर आज़ाद, भगत सिंह जैसे लोग 4

जर्जर मकान की छत गिरने से एक परिवार के छः लोगों 08

छात्राओं की साइकिल खरीद पर घमासान

'आप' ने लगाया 90 करोड़ रुपये के घोटाले का आरोप

नई दिल्ली(एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में छात्राओं को नि:शुल्क वितरित की जा रही साइकिलों को लेकर राजनीतिक विवाद गहरा गया है। आम आदमी पार्टी (आप) ने साइकिल खरीद में बड़े पैमाने पर अनियमितता का आरोप लगाते हुए रेखा गुप्ता सरकार पर करीब 90 करोड़ रुपये के कथित घोटाले का आरोप लगाया है। पार्टी का दावा है कि सरकार ने जिस मॉडल की साइकिल खरीदने का दावा किया, वास्तव में छात्राओं को उससे अलग और कम कीमत वाला मॉडल वितरित किया जा रहा है। वहीं सरकार की ओर से इन आरोपों पर अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने गुरुवार को आयोजित प्रेस वार्ता में कहा कि सरकार द्वारा जारी वर्क ऑर्डर में स्पष्ट रूप से हीरो स्काइलर 26टी मॉडल की साइकिल खरीदने का उल्लेख किया गया है। उनके अनुसार, यह मॉडल कई वर्षों पहले बाजार में उपलब्ध था, लेकिन कंपनी ने इसका उत्पादन काफी पहले बंद कर दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि छात्राओं को जो साइकिलें दी जा रही हैं, वे वास्तव में हीरो बोनफायर मॉडल हैं, जिन पर केवल स्काइलर का स्टीकर लगाकर उन्हें दूसरे मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया गया है। सौरभ भारद्वाज ने दावा किया कि स्काइलर मॉडल में सात गियर, डिस्क

ब्रेक और फ्रंट सस्पेंशन जैसी आधुनिक सुविधाएं होती हैं, जबकि वितरित की जा रही साइकिलों में इनमें से कोई भी सुविधा मौजूद नहीं है। उनका कहना है कि यदि सरकार ने स्काइलर मॉडल के नाम पर किसी अन्य मॉडल की साइकिल खरीदी है, तो यह केवल कीमत का अंतर नहीं बल्कि मॉडल के स्तर पर भी गंभीर अनियमितता का मामला है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार लगातार वास्तविक मॉडल की जानकारी देने से बच रही है। उनका कहना है कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और संबंधित विभाग के मंत्री से कई बार सार्वजनिक रूप से यह पूछा गया कि छात्राओं को किस मॉडल की साइकिल वितरित की जा रही है, लेकिन अब तक कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया गया। उन्होंने यह भी दावा किया कि हीरो साइकिल के डीलरों और थोक विक्रेताओं से मिली जानकारी के अनुसार स्काइलर मॉडल का निर्माण काफी पहले बंद हो चुका है। 'आप' का आरोप है कि हीरो बोनफायर मॉडल की थोक कीमत चार हजार रुपये से भी कम है, जबकि सरकार ने प्रत्येक साइकिल की खरीद पर लगभग 6,957 रुपये का भुगतान किया है। पार्टी का कहना है कि करीब 1 लाख 30 हजार साइकिलों की खरीद में प्रति साइकिल लगभग 3 हजार रुपये अतिरिक्त खर्च किए गए, जिससे सरकारी खजाने को करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ। इसी आधार पर पार्टी ने पूरे मामले को लगभग 90 करोड़ रुपये के कथित घोटाले से जोड़ते हुए इसकी निष्पक्ष जांच की मांग की है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि यदि सरकार के दावे सही हैं तो उसे खरीद से जुड़े सभी दस्तावेज सार्वजनिक करने चाहिए। उन्होंने टेंडर प्रक्रिया, मॉडल चयन, कंपनी के साथ हुए अनुबंध, भुगतान संबंधी रिकॉर्ड और तकनीकी स्वीकृति से जुड़े दस्तावेज सार्वजनिक करने की मांग की। उनका कहना है कि इससे पूरे मामले की सच्चाई सामने आ जाएगी और जनता को यह पता चल सकेगा कि छात्राओं के लिए किस मॉडल की साइकिल खरीदी गई है। आम आदमी पार्टी ने कहा कि गरीब और जरूरतमंद छात्राओं के लिए चलाई जा रही योजनाओं में पारदर्शिता सबसे महत्वपूर्ण है। यदि खरीद प्रक्रिया में किसी प्रकार की अनियमितता हुई है तो इसकी निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। फिलहाल यह मामला राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का विषय बना हुआ है। सरकार की ओर से इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि या खंडन अभी तक नहीं किया गया है। ऐसे में पूरे मामले की सच्चाई जांच और सरकारी पक्ष सामने आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

औषधि नियमों में बड़ा बदलाव, फर्जी आंकड़े देने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

नई दिल्ली(एजेंसी)। देश की औषधि विनियामक व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और विश्वसनीय बनाने के उद्देश्य से केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने औषधि नियम, 1945 में महत्वपूर्ण संशोधन किया है। नए प्रावधानों के तहत अब यदि कोई संस्था या आवेदक औषधियों से संबंधित लाइसेंस या अन्य स्वीकृतियों के लिए आवेदन करते समय फर्जी, मनगढ़ंत या भ्रामक आंकड़े एवं दस्तावेज प्रस्तुत करता है, तो उसके खिलाफ केवल आवेदन निरस्त करने या लाइसेंस रद्द करने तक ही कार्रवाई सीमित नहीं रहेगी, बल्कि उसे निर्धारित अवधि तक नया आवेदन करने से भी रोका जा सकेगा। मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार यह संशोधन 16 अक्टूबर, 2025 को जीएसआर संख्या 756 (ई) के माध्यम से अधिसूचित किया गया है। यह प्रावधान औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 के अंतर्गत लागू होगा और औषधि नियम, 1945 के विभिन्न प्रावधानों के तहत दायर किए जाने वाले सभी प्रकार के आवेदनों पर समान रूप से लागू रहेगा। संशोधित नियमों के तहत राज्य और केंद्र स्तर के लाइसेंसिंग प्राधिकरणों को अतिरिक्त अधिकार प्रदान किए गए हैं। यदि जांच में यह पाया जाता है कि किसी संस्था ने आवेदन के समर्थन में फर्जी, भ्रामक या मनगढ़ंत वैज्ञानिक आंकड़े अथवा दस्तावेज

प्रस्तुत किए हैं, तो संबंधित प्राधिकरण उस संस्था के भविष्य के आवेदन निर्धारित समय तक स्वीकार नहीं करेगा। इससे औषधि स्वीकृति प्रक्रिया में धोखाधड़ी करने वाले संस्थानों पर प्रभावी अंकुश लगाने में मदद मिलेगी। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि किसी भी संस्था के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई करने से पहले प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन किया जाएगा। संबंधित संस्था को पहले कारण बताओ नोटिस जारी किया जाएगा और अपना पक्ष रखने का पूरा अवसर दिया जाएगा। यदि संस्था कार्रवाई से असंतुष्ट होती है, तो उसके लिए अपील करने का भी प्रावधान रखा गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि औषधियों की गुणवत्ता, सुरक्षा और प्रभावकारिता का मूल्यांकन पूरी तरह वैज्ञानिक और प्रमाणित आंकड़ों पर आधारित होता है। यदि कोई संस्था गलत या मनगढ़ंत आंकड़े प्रस्तुत करती है, तो इससे न केवल नियामक प्रक्रिया की विश्वसनीयता प्रभावित होती है, बल्कि मरीजों तक पहुंचने वाली दवाओं की गुणवत्ता पर भी गंभीर सवाल खड़े हो सकते हैं। ऐसी स्थिति जन-स्वास्थ्य के लिए बड़ा खतरा पैदा कर सकती है। मंत्रालय के अनुसार यह संशोधन ऐसे कदाचार को रोकने, आवेदकों की जवाबदेही बढ़ाने और यह सुनिश्चित करने के लिए किया गया है कि देश में केवल वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित और विश्वसनीय साक्ष्यों के आधार पर ही औषधियों को मंजूरी मिले। सरकार का कहना है कि यह कदम भारत की औषधि विनियामक प्रणाली को वैश्विक सर्वोत्तम मानकों के अनुरूप मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इससे नियमों का पालन करने वाले औषधि निर्माता और वितरक प्रोत्साहित होंगे, जबकि अनियमितता और फर्जीवाड़ा करने वाली संस्थाओं के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सकेगी।

पंजाब खेल में पिछड़ रहा, दूसरे राज्य बढ़ रहे : हरभजन सिंह

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ऑफ स्पिनर और राज्य सभा सांसद हरभजन सिंह ने गुरुवार को कहा कि पंजाब खेल के क्षेत्र में लगातार पिछड़ रहा है, जबकि दूसरे राज्य आगे बढ़ रहे हैं। हरभजन सिंह ने संसद परिसर में आईएएनएस से कहा, 'खेल एक ऐसा क्षेत्र है जिसे मैं समझता हूं क्योंकि मैंने खेला है। मुझे उम्मीद है कि पंजाब के खेल से जुड़ी संरचनाओं को बेहतर बनाने के लिए काम किया जाएगा। मैं सालों से कह रहा हूं कि पंजाब खेल के क्षेत्र में लगातार पिछड़ रहा है, जबकि दूसरे राज्य आगे बढ़ गए हैं। वे राज्य भी भारत का हिस्सा हैं, लेकिन एक पंजाबी होने के नाते, मुझे लगता है कि पंजाब, जो कभी खेल में सबसे आगे था, अब मुख्य रूप से संसाधन और संरचना की कमी और बहुत से युवाओं के विदेश चले जाने की वजह से पिछड़ गया है।' उन्होंने कहा कि अगर पंजाब के युवाओं पर ध्यान दिया जाए, उन्हें खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया जाए और संसाधन उपलब्ध कराए जाएं तो राज्य देश को बेहतरीन एथलीट दे सकता है और फिर से देश में खेलों के मामले में शीर्ष राज्य बन सकता है।

दलमा में बड़ी नक्सली साजिश नाकाम

सरायकेला। झारखंड के दलमा जंगल क्षेत्र में माओवादियों की नई गतिविधियों को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। सरायकेला-खरसावां के पुलिस अधीक्षक मनोज स्वर्गियारी ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में दावा किया कि सारंडा क्षेत्र में सुरक्षा बलों की लगातार कार्रवाई के बाद माओवादी संगठन दलमा इलाके में फिर से अपना नेटवर्क खड़ा करने और किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की तैयारी में था। संयुक्त अभियान चलाकर इस साजिश को नाकाम कर दिया गया है। इस दौरान तीन इनामी नक्सलियों की गिरफ्तारी की गई है और उनकी निशानदेही पर दलमा पहाड़ से हथियारों का जखीरा भी बरामद किया गया है। बरामद सामान में पुलिस बल से लूटी गई इंसास, एकेएम-47 की बड़ी संख्या में जिंदा गोलियां, 9 एमएम पिस्तौल, मैगजीन, वॉकी-टॉकी, कोडेक्स वायर, मोटरसाइकिल और अन्य सामग्री शामिल है। एसपी ने बताया कि चार अगस्त को गुप्त सूचना मिली थी कि कांड्रा थाना क्षेत्र के उदयपुर गांव में भाकपा (माओवादी) के सक्रिय सदस्य छिपे हुए हैं। इसके बाद जिला पुलिस, 203 कोबरा, सीआरपीएफ की 134वीं बटालियन और एसएसबी की 26वीं वाहिनी की संयुक्त टीम ने छापेमारी की।

राष्ट्रीय विस्तार की तैयारी में सीजेपी, पहली कार्यकारिणी घोषित

छत्रपति संभाजीनगर(एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने अपनी पहली राष्ट्रीय कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए संगठन के शीर्ष पदाधिकारियों के नामों का औपचारिक ऐलान किया है। पार्टी ने कहा कि नए नेतृत्व के माध्यम से संगठन को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत किया जाएगा और अगले छह महीनों में देशभर में संगठनात्मक विस्तार का अभियान चलाया जाएगा। पार्टी की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 30 वर्षीय अभिजीत दिपके को संस्थापक एवं राष्ट्रीय संयोजक नियुक्त किया गया है। वहीं आशुतोष रांका और सौरव दास को राष्ट्रीय सह-संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी गई है। संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने के लिए अजिंक्य शिंदे को राष्ट्रीय संगठन

प्रभारी तथा दीपक बलियान को संगठन सह-प्रभारी बनाया गया है। इसके अलावा आफरीन नवाज को राष्ट्रीय सचिव नियुक्त किया गया है। पार्टी ने विभिन्न विभागों के लिए भी पदाधिकारियों की घोषणा की है। विजय रेड्डी मल्लांगी को मीडिया प्रमुख, रत्ना सिंह को विधिक मामलों की प्रमुख, वैष्णवी गौर को अनुसंधान एवं नीति प्रमुख, रोहन देशपांडे को प्रौद्योगिकी प्रमुख तथा योगेश इंगले को वित्त प्रमुख की जिम्मेदारी दी गई है। संगठन के क्षेत्रीय विस्तार को ध्यान में रखते हुए चार जोनल प्रभारियों की भी नियुक्ति की गई है। उत्तर क्षेत्र का प्रभार दीपक बलियान, दक्षिण क्षेत्र का विजय रेड्डी मल्लांगी, पूर्व एवं उत्तर-पूर्व क्षेत्र का अंकित भारद्वाज तथा पश्चिम क्षेत्र का दायित्व योगेश इंगले को सौंपा गया है। पार्टी ने अपनी योजना साझा करते हुए बताया कि अगले छह महीनों में सभी राज्यों में राज्य समन्वय समितियों, लोकसभा स्तर और शहर स्तर की समन्वय इकाइयों का गठन किया जाएगा। इसके माध्यम से संगठन को जमीनी स्तर तक विस्तार देने और पार्टी की नीतियों को व्यापक स्तर पर पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। प्रेस विज्ञप्ति में पार्टी ने यह भी स्पष्ट किया कि वर्तमान में घोषित सूची ही आधिकारिक है और इसके अतिरिक्त किसी अन्य व्यक्ति को पार्टी का पदाधिकारी नियुक्त नहीं किया गया है। पार्टी ने कहा कि भविष्य में किसी भी नई नियुक्ति की जानकारी आधिकारिक रूप से जारी की जाएगी।

भारत-रूस रक्षा साझेदारी, नई दिल्ली में दोनों देशों के सैन्य अधिकारियों की अहम बैठक

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत और रूस के बीच रक्षा सहयोग को नई मजबूती देने के लिए नई दिल्ली में एक अहम बैठक हो रही है। 4 से अगस्त से हुई यह वार्ता 7 अगस्त तक जारी रहेगी। यह भारत-रूस आर्मी 'लैंड सिस्टम सब ग्रुप मीटिंग' है। दोनों देशों के बीच इस व्यवस्था के तहत यह पांचवीं बैठक है। दिल्ली में हो रही इस बैठक में दोनों देशों के वरिष्ठ सैन्य अधिकारी भविष्य के सहयोग पर मंथन कर रहे हैं। इस बैठक में दोनों देशों ने रक्षा संबंधों को और मजबूत बनाने का संकल्प दोहराया। रक्षा उत्पादन बढ़ाने पर जोर दिया गया। नई सैन्य तकनीकों में सहयोग बढ़ाने पर भी सहमति बनी। दोनों पक्षों ने संयुक्त विकास और औद्योगिक सहयोग को आगे बढ़ाने पर चर्चा की। यहां भारतीय

प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व उप सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर. सिंह कर रहे हैं। वहीं, रूसी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व रूसी रक्षा मंत्रालय के मुख्य बख्तरबंद निदेशालय के उप प्रमुख मेजर जनरल अलेक्जेंडर तुफेकची कर रहे हैं। भारतीय सेना ने बताया कि यह बैठक भारत-रूस सैन्य एवं सैन्य-तकनीकी सहयोग तंत्र के तहत आयोजित की जा रही है। यह मंच दोनों देशों के बीच रक्षा परियोजनाओं और सैन्य आधुनिकीकरण से जुड़े मुद्दों पर नियमित संवाद का माध्यम है।

नाराज कर्नाटक विधान परिषद अध्यक्ष होरट्टी 14 अगस्त को पद से इस्तीफा देंगे

बेंगलुरु(एजेंसी)। बेंगलुरु कर्नाटक विधान परिषद अध्यक्ष बसवराज होरट्टी ने अपने पद से इस्तीफा देने की घोषणा की है। उन्होंने बताया है कि वे 14 अगस्त को आधिकारिक तौर पर अपना इस्तीफा सौंपेंगे। गौरतलब है कि कांग्रेस पार्टी ने नए मंत्रियों की सूची जारी करते हुए वरिष्ठ नेता सलीम अहमद का नाम इस पद के लिए घोषित किया है। इस कदम से विवाद खड़ा हो गया है। भाजपा ने आलोचना करते हुए कहा है कि अध्यक्ष पद पर रहते हुए उम्मीदवार का नाम घोषित करना परंपरा के विरुद्ध है। पार्टी का कहना है कि अध्यक्ष पद संवैधानिक

रूप से पवित्र है और इसे पार्टी की राजनीति से ऊपर रखा जाना चाहिए। इस बीच, केपीसीसी अध्यक्ष बीके हरिप्रसाद ने गुरुवार को कर्नाटक विधान परिषद अध्यक्ष बसवराज होरट्टी से उनके सरकारी आवास पर मुलाकात की और विचार-विमर्श किया।

ईडी की बैंक फ्रॉड मामले में बड़ी कार्रवाई

50 करोड़ रुपए से ज्यादा की संपत्ति जत की

बेंगलुरु(एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के बेंगलुरु क्षेत्रीय कार्यालय ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत लगभग 51.28 करोड़ रुपए (बाजार मूल्य लगभग 150 करोड़ रुपए या उससे अधिक) की अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से जब्त कर लिया है। यह कार्रवाई दीपक केबल (इंडिया) लिमिटेड (डीसीआईएल), इसके प्रबंध निदेशक के. वेंकटेश्वर राव, निदेशक सत्यवती बॉल और उनसे संबंधित संस्थाओं

द्वारा बैंक धोखाधड़ी, ऋण निधि के गबन और हेराफेरी से संबंधित एक मामले में की गई है। ईडी ने सीबीआई, बीएस एंड एफबी, बेंगलुरु द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर मनी लॉन्ड्रिंग की जांच शुरू की। अनुसूचित अपराध आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी, जालसाजी, जाली दस्तावेजों का उपयोग और आपराधिक कदाचार से संबंधित हैं, जिसके परिणामस्वरूप कंसोर्टियम बैंकों को गलत तरीके से नुकसान हुआ है। पीएमएलए के तहत जांच में पता चला कि मेसर्स डीसीआईएल और उसके प्रवर्तकों ने हेरफेर किए गए वित्तीय विवरण, बढ़ा-चढ़ाकर पेश किए गए स्टॉक विवरण और झूठे देनदार विवरण प्रस्तुत करके कंसोर्टियम बैंकों से धोखाधड़ी से विभिन्न ऋण सुविधाएं प्राप्त कीं और उनका लाभ उठाया।

जांच में आगे यह भी स्थापित हुआ कि आरोपियों ने मेसर्स सूर्या ट्रांसमिशन लिमिटेड, मेसर्स आधुनिक पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड, मेसर्स दांडेली फेरो प्राइवेट लिमिटेड और मेसर्स शरावती कंडक्टर्स प्राइवेट लिमिटेड सहित संबंधित कंपनियों के एक नेटवर्क के माध्यम से बैंक ऋण निधि का गबन और हेराफेरी की।

गोवर्धन परियोजना देश की स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है : पीएम मोदी

नई दिल्ली(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 23,731 करोड़ रुपए के कुल परिव्यय वाली राष्ट्रीय चक्रीय जैव ऊर्जा योजना, गोवर्धन को मंजूरी दे दी है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर इसको लेकर जानकारी भी साझा की। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि स्वच्छ ऊर्जा, ग्रामीण समृद्धि और आत्मनिर्भर भारत के हमारे सामूहिक सपने को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम! उन्होंने कहा कि कैबिनेट ने गोवर्धन योजना को मंजूरी दे दी है, जिससे संपीड़ित बायोगैस को बड़ा बढ़ावा मिलेगा और घरेलू उत्पादन को लगभग दस गुना बढ़ाने का लक्ष्य है। यह योजना निवेश और नवाचार के लिए एक मजबूत और स्थिर पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करेगी। इससे हमारे किसानों, सहकारी समितियों, लघु एवं मध्यम उद्यमों, महिला उद्यमियों और ग्रामीण उद्यमों को

लाभ होगा, साथ ही ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी, आयातित जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम होगी और वैज्ञानिक अपशिष्ट प्रबंधन को बढ़ावा मिलेगा। गोवर्धन परियोजना देश की स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह देश के प्रचुर मात्रा में उपलब्ध कृषि अवशेषों, गोबर, प्रेस मड (गन्ने की 'मैली'), नगरपालिका के जैविक कचरे और अन्य जैव-द्रव्यमान संसाधनों को स्वच्छ ईंधन, जैविक खाद, ग्रामीण आय और राष्ट्रीय आर्थिक मूल्य में परिवर्तित करेगी। यह योजना वित्त वर्ष 2026-27 से वित्त वर्ष 2035-36 तक लागू की जाएगी और संपीड़ित बायोगैस को देश के भविष्य के ऊर्जा मिश्रण का एक प्रमुख आधार स्थापित करेगी। सुनिश्चित मांग, लाभकारी और स्थिर मूल्य निर्धारण, पूंजी सहायता, पाइपलाइन अवसंरचना, ऋण समर्थन और प्रौद्योगिकी विकास के माध्यम से, गोवर्धन देश के बायोगैस (सीबीजी) क्षेत्र को राष्ट्रीय स्तर पर ले जाने के लिए आवश्यक मजबूत और पूर्वानुमानित ढांचा प्रदान करेगा। इस योजना का उद्देश्य घरेलू संपीड़ित बायोगैस (सीबीजी) उत्पादन को लगभग दस गुना बढ़ाना, बड़े पैमाने पर निजी निवेश को आकर्षित करना और पूरे देश में एक जीवंत चक्रीय जैव-अर्थव्यवस्था का निर्माण करना है। पिछले कई वर्षों में, सरकार ने सतत वैकल्पिक किफायती परिवहन (सतत) पहल, जैविक खाद के लिए बाजार विकास सहायता (एमडीए) योजना, बायोमास एकत्रीकरण मशीनरी (बीएएम) योजना, पाइपलाइन अवसंरचना विकास (डीपीआई) योजना और राष्ट्रीय जैव ऊर्जा कार्यक्रम के तहत संपीड़ित बायोगैस संयंत्रों के लिए केंद्रीय वित्तीय सहायता (सीएफए) के माध्यम से संपीड़ित बायोगैस क्षेत्र की नींव को व्यवस्थित रूप से मजबूत किया है। इन सभी पहलों के सामूहिक प्रयास से 200 से अधिक संपीड़ित बायोगैस संयंत्रों की स्थापना संभव हो पाई है, उत्पादन और निकासी प्रणालियां स्थापित हुई हैं, जैविक खाद मूल्य श्रृंखला मजबूत हुई है और विभिन्न फीडस्टॉक और भौगोलिक क्षेत्रों में सीबीजी की क्षमता का प्रदर्शन हुआ है। अब गोवर्धन इस प्रगति को अगले स्तर पर ले जा रहा है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा प्रशासित यह योजना संपूर्ण सीबीजी मूल्य श्रृंखला में एक एकीकृत मंच तैयार करती है।

हरियाणा: चरखी दादरी में पुलिस स्टेशन के बाहर गैंगवार, सात लोग घायल

चरखी दादरी(एजेंसी)। हरियाणा के चरखी दादरी शहर से एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है, जहां गुरुवार को पुलिस स्टेशन के सामने दिनदहाड़े अंधाधुंध गोलीबारी हुई, जिसमें एक कार में सवार सात लोग घायल हो गए। शुरुआत में पुलिस को लगा कि यह अपराध गैंगवार से जुड़ा है। हमलावरों की पहचान अभी नहीं हो पाई है, जिन्होंने कम से कम 30 राउंड फायरिंग की थी। यहां चौंकाने वाली बात यह है कि गोलीबारी के बाद तीन हमलावर रिवॉल्वर लहराते हुए पैदल ही भाग गए। इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें घायल लोग गोलियों से छलनी एसयूवी कार में बैठे दिख रहे हैं। घायलों को गंभीर हालत में रोहतक के पीजीआई रेफर कर दिया गया है। वहीं, अपराध की वजह का अभी पता नहीं चल पाया है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, फायरिंग

इतनी अचानक हुई कि राहगीरों में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। घटना के दौरान गोलियों की आवाज से इलाके में दहशत फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिए चरखी दादरी के सिविल अस्पताल ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद, सभी सात घायलों को गंभीर हालत में पीजीआई रोहतक रेफर कर दिया गया। घायलों की पहचान चरखी दादरी के अंकित, हिसार के कीर्तिमान, भिवानी के सूरज और अंकित, हिसार के सनी, महेंद्रगढ़ के कृष्ण और फतेहगढ़ के अमित के तौर पर हुई है।

संक्षिप्त खबरें

विद्युत उपकरणों से रहे सावधान, खंभों में न बांधे मवेशी

अम्बेडकर नगर। विद्युत विभाग ने जिले वासियों के लिए जनहित में सूचना जारी करके अनुरोध किया है कि वर्षा ऋतु एवं कांवड़ पर्व में विभाग द्वारा जारी की गई सूचनाओं एवं दिशा निर्देशों का पालन करें तथा सुरक्षा को प्राथमिकता प्रदान करें। बिजली लाइनों के नीचे पांडाल या टेन्ट न लगाएं, ऊंची कांवड़ लेकर न चलें तथा विद्युत लाइनों से पर्याप्त दूरी बना कर रखें, ताकि किसी भी दुर्घटना से बचा जा सके। अधीक्षण अभियंता रजनीश श्रीवास्तव ने कहा है कि विद्युत विभाग द्वारा पर्याप्त सावधानी बरती जा रही है तथापि वर्षा ऋतु में जलभराव और नमी के कारण विद्युत उपकरणों में करेन्ट उतरने की सम्भावना बन सकती है। इसलिए आम नागरिकों से अनुरोध है कि बिजली के खंभों (पोल), स्टे-वायर और ट्रांसफार्मर से उचित दूरी बनाकर रखें एवं मवेशियों को बिजली के पोल या ट्रांसफार्मर के पास न बांधें। विद्युत विभाग अम्बेडकर नगर के अधीक्षण अभियंता रजनीश श्रीवास्तव ने सभी सम्मानित नागरिकों और कांवड़ यात्रियों से अपील किया है कि वे सुरक्षा नियमों का पालन करें और विभाग को सहयोग प्रदान करें।

नई रजिस्ट्री व्यवस्था के विरोध में मंत्री व विधायक को भेजा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ। उत्तर प्रदेश शासन की नई रजिस्ट्री व्यवस्था के विरोध में मोहनलालगंज में विरोध तेज हो गया है। अखिल भारतीय पंचायत परिषद उत्तर प्रदेश एवं प्रधान संघ लखनऊ के जिलाध्यक्ष देवेन्द्र कुमार सिंह ने स्टाम्प एवं पंजीयन मंत्री रवीन्द्र जायसवाल तथा मोहनलालगंज विधायक अमरेश कुमार रावत को ज्ञापन भेजकर चार अगस्त 2026 की अधिसूचना तत्काल वापस लेने की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया है कि नई व्यवस्था के तहत मोहनलालगंज उपनिबंधक कार्यालय के अधिकार क्षेत्र में आने वाले गांवों की संपत्तियों की रजिस्ट्री अब लखनऊ सदर के विभिन्न उपनिबंधक कार्यालयों में भी कराई जा सकेगी। इससे भूमि संबंधी फर्जीवाड़े और धोखाधड़ी की आशंका बढ़ने के साथ ही क्षेत्रीय किसानों, भूमिधरों एवं आम नागरिकों को अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। देवेन्द्र कुमार सिंह ने कहा कि पहले से ही जमीनों से जुड़े विवाद और फर्जीवाड़े के मामले सामने आते रहते हैं। ऐसे में अधिकार क्षेत्र का विस्तार जनहित के विपरीत है। उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था से मोहनलालगंज के अधिवक्ताओं, स्टाम्प वेंडरों तथा रजिस्ट्री कार्य से जुड़े अन्य लोगों के रोजगार पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। ज्ञापन में मुख्यमंत्री की मंशा का उल्लेख करते हुए कहा गया कि न्यायिक एवं राजस्व सेवाओं को स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराना शासन की प्राथमिकता रही है। ऐसे में मोहनलालगंज क्षेत्र की संपत्तियों की रजिस्ट्री स्थानीय उपनिबंधक कार्यालय में ही कराए जाने की व्यवस्था अधिक पारदर्शी और जनहितकारी होगी। जिलाध्यक्ष ने मांग की कि शासन चार अगस्त 2026 की अधिसूचना को तत्काल निरस्त करते हुए मोहनलालगंज तहसील क्षेत्र की सभी संपत्तियों की रजिस्ट्री पूर्व की भांति उपनिबंधक कार्यालय मोहनलालगंज में ही कराने की व्यवस्था बहाल करे। यह ज्ञापन उपजिलाधिकारी मोहनलालगंज के माध्यम से स्टाम्प एवं पंजीयन मंत्री को भेजा गया, जबकि इसी आशय का एक अन्य ज्ञापन स्थानीय विधायक अमरेश कुमार रावत को सौंपकर शासन स्तर पर हस्तक्षेप की मांग की गई।

दिव्यांगजनों के लिए 10 अगस्त को रोजगार मेला, विभिन्न कंपनियां करेंगी भर्ती

उन्नाव। जिले के दिव्यांग युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कौशल विकास मिशन की ओर से 10 अगस्त को रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। मेले में विभिन्न निजी कंपनियां साक्षात्कार के माध्यम से अभ्यर्थियों का चयन कर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएंगी। कौशल विकास मिशन के जिला प्रभारी आशीष कुमार ने बताया कि रोजगार मेले का आयोजन राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) परिसर में किया जाएगा। इसमें बेरोजगार दिव्यांग अभ्यर्थी अपने शैक्षिक एवं अन्य आवश्यक प्रमाणपत्रों के साथ प्रतिभाग कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि मेले में शामिल होने वाली कंपनियां विभिन्न पदों के लिए साक्षात्कार लेंगी और पात्र अभ्यर्थियों का चयन करेंगी। यह रोजगार मेला दिव्यांग युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। जिला प्रभारी ने इच्छुक अभ्यर्थियों से समय पर पहुंचकर मेले में भाग लेने की अपील की है। अधिक जानकारी के लिए कौशल विकास मिशन के लखनऊ मुख्यालय के दूरभाष नंबर 0522-3619292 पर संपर्क किया जा सकता है।

5 दिन बाद सकुशल मिला लापता छात्र

.... घरवालों से नाराज़ होकर माता वैष्णो देवी के दर्शन करने जम्मू चला गया था।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद, लखनऊ। मलिहाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम अटौरा से रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हुआ 14 वर्षीय छात्र आखिरकार पांच दिन बाद सकुशल मिल गया। छात्र के सुरक्षित मिलने से परिवार ने राहत की सांस ली। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार छात्र घरवालों से नाराज़ होकर बिना किसी को बताए घर से निकल गया था और मलिहाबाद रेलवे स्टेशन से ट्रेन पकड़कर जम्मू पहुंच गया, जहां उसने माता वैष्णो देवी के दर्शन किए। बताया जाता है कि छात्र राज (14 वर्ष), पुत्र राजकुमार, 29 जुलाई को स्कूल जाने के लिए घर से निकला था, लेकिन स्कूल नहीं पहुंचा। जब काफी देर तक उसका कोई पता नहीं चला तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। रिश्तेदारों, परिचितों और आसपास के क्षेत्रों में खोजबीन के बाद भी सफलता नहीं मिली, जिसके बाद परिजनों ने मलिहाबाद थाने में गुमशुदगी दर्ज कराते हुए बच्चे की सकुशल बरामदगी की गुहार लगाई थी। करीब पांच दिन बाद छात्र हरदोई रेलवे स्टेशन पर मिला, जहां रेलवे पुलिस (GRP) की नजर उस पर पड़ी। पूछताछ में उसकी पहचान होने के बाद रेलवे पुलिस ने परिजनों से संपर्क किया और आवश्यक सूचना दी। इसके बाद परिजन हरदोई पहुंचे और कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद छात्र को अपने साथ लेकर मलिहाबाद आए। जानकारी के अनुसार छात्र ने बताया कि वह घरवालों से नाराज़ होकर घर से चला गया था। मलिहाबाद स्टेशन से ट्रेन पकड़कर जम्मू पहुंचा और वहां माता वैष्णो देवी के दर्शन किए। दर्शन करने के बाद वह वापस लौट रहा था, तभी हरदोई रेलवे स्टेशन पर रेलवे पुलिस ने उसे सुरक्षित अपने संरक्षण में ले लिया। इसके बाद परिजनों ने छात्र को लेकर मलिहाबाद थाने पहुंचकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की।

जीडीएस एबीपीएम अवधेश शुक्ला हुए सेवानिवृत्त

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शुकुल बाजार डाकघर पर भावभीनी विदाई समारोह का हुआ आयोजन

शुकुल बाजार, अमेठी। डाक विभाग में लंबे समय तक ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण के साथ सेवाएं देने वाले जीडीएस एबीपीएम (ग्रामीण डाक सेवक सहायक शाखा डाकपाल) अवधेश शुक्ला के सेवानिवृत्त होने पर शुकुल बाजार डाकघर परिसर में भावभीनी विदाई समारोह आयोजित किया गया। समारोह में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उनके उत्कृष्ट सेवाकाल की सराहना करते हुए उज्ज्वल, स्वस्थ एवं सुखद भविष्य की कामना की।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डाक सर्वेक्षक मुसाफिरखाना मोहम्मद ईदू ने कहा कि अवधेश शुक्ला ने अपने सेवाकाल में पूरी निष्ठा, ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ कार्य करते हुए विभाग की गरिमा को बढ़ाया। उनकी कार्यशैली, अनुशासन और व्यवहार हमेशा अन्य कर्मचारियों के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा।

उप डाकपाल शुकुल बाजार राघवेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि सेवानिवृत्ति किसी भी कर्मचारी के जीवन का महत्वपूर्ण पड़ाव होता है। वर्षों तक विभाग और आमजन की सेवा करने के बाद अब उनके अनुभव समाज और परिवार के लिए उपयोगी सिद्ध होंगे। उन्होंने अवधेश शुक्ला के उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु जीवन की कामना की।इस अवसर पर सहकर्मियों ने उन्हें अंगवस्त्र, स्मृति-चिह्न एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया।

कर्मचारियों ने उनके साथ बिताए कार्यकाल की मधुर स्मृतियों को साझा करते हुए कहा कि उनका सहज, सरल और सहयोगी स्वभाव हमेशा याद किया जाएगा।विदाई समारोह में आलोक शुक्ला, आशुतोष शुक्ला, आयुष शुक्ला, रमेश यादव, अमित शुक्ला, अनूप शुक्ला, राम मनोहर यादव सहित अनेक डाक कर्मचारियों ने भाग लिया। सभी ने अवधेश शुक्ला के सुखमय एवं स्वस्थ जीवन की कामना करते हुए उन्हें भावभीनी विदाई दी। कार्यक्रम का समापन सम्मान समारोह एवं सामूहिक शुभकामनाओं के साथ सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुआ।

रजिस्ट्री व्यवस्था पर बवाल, दूसरे दिन भी ठप रही रजिस्ट्रियां

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज, संवाददाता। नई रजिस्ट्री व्यवस्था के विरोध में मोहनलालगंज तहसील में दूसरे दिन भी अधिवक्ताओं का आक्रोश देखने को मिला। मोहनलालगंज बार एसोसिएशन के आह्वान पर अधिवक्ताओं ने अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार जारी रखा, जिससे तहसील परिसर में रजिस्ट्री का काम प्रभावित रहा। अधिवक्ताओं ने शासन की नई अधिसूचना को जनविरोधी बताते हुए कहा कि इससे ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले लोगों को अनावश्यक भागदौड़ और आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा। उनका कहना है कि वर्षों से स्थानीय उप-निबंधक कार्यालय में सुचारु रूप से रजिस्ट्री का कार्य होता रहा है, ऐसे में नई व्यवस्था से आम जनता की मुश्किलें बढ़ेंगी। बार एसोसिएशन ने सरकार से तत्काल अधिसूचना वापस लेकर पुरानी व्यवस्था बहाल करने की मांग की। अधिवक्ताओं ने साफ कहा कि जब तक मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक कार्य बहिष्कार जारी रहेगा। जरूरत पड़ने पर आंदोलन को और व्यापक बनाया जाएगा। कार्य बहिष्कार में वरिष्ठ अधिवक्ता एवं पूर्व महामंत्री देवेश सिंह, विनय कुमार मिश्रा, नितिन तिवारी, अंकित यादव, विपिन कुमार पाल सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता शामिल रहे।

झोपड़ी ढहने से छात्रा की मौत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ। बुधवार और गुरुवार की मध्यरात्रि आई तेज आंधी और मूसलाधार बारिश ने मोहनलालगंज क्षेत्र के एक गरीब परिवार पर दुखों का पहाड़ तोड़ दिया। गदियाना गांव में कच्ची झोपड़ी भरभराकर गिरने से उसमें सो रही 18 वर्षीय 11वीं की छात्रा रिंकी की मलबे में दबकर मौत हो गई। हादसे के बाद गांव में शोक की लहर दौड़ गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार गदियाना गांव निवासी गोकुल पुत्र स्व. शिवनाथ आर्थिक रूप से बेहद कमजोर हैं और परिवार के साथ छप्परनुमा झोपड़ी में रहते हैं। बुधवार रात करीब 11:30 बजे तेज आंधी के साथ मूसलाधार बारिश शुरू हुई। तेज हवाओं का दबाव झोपड़ी नहीं झेल सकी और अचानक ढह गई। उस समय पूरा परिवार अंदर सो रहा था। झोपड़ी गिरने की आवाज और परिवार की चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद मलबे में दबे लोगों को बाहर निकाला, लेकिन झोपड़ी का भारी हिस्सा रिंकी के ऊपर गिरने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना की सूचना ग्राम प्रधान प्रतिनिधि रामकुमार ने लेखपाल और मोहनलालगंज पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा भरने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए केजीएमयू की मोर्चरी भेज दिया। साथ ही राजस्व विभाग को भी घटना की जानकारी दी गई। ग्रामीणों का कहना है कि गोकुल का परिवार वर्षों से कच्ची झोपड़ी में रहने को मजबूर है। लगातार बारिश और तेज हवाओं के कारण यह हादसा हुआ। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को तत्काल आर्थिक सहायता देने और प्रधानमंत्री आवास योजना अथवा अन्य सरकारी योजना के तहत पक्का मकान उपलब्ध कराने की मांग की है। मोहनलालगंज इंस्पेक्टर रामबाबू सिंह ने बताया कि अत्यधिक वर्षा के दौरान गदियाना गांव में झोपड़ी गिरने से गोकुल की पुत्री रिंकी की मलबे में दबकर मृत्यु हो गई। पुलिस ने शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है तथा राजस्व विभाग को भी अग्रिम कार्रवाई के लिए अवगत करा दिया गया है।

नगर बाजार-कप्तानगंज संपर्क मार्ग बदहाल, गड्ढों और कीचड़ से राहगीरों का चलना हुआ मुश्किल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के नगर पंचायत नगर बाजार से कप्तानगंज को जोड़ने वाला प्रमुख संपर्क मार्ग इन दिनों बदहाली का शिकार है। लगभग 11 किलोमीटर लंबी इस सड़क पर जगह-जगह बड़े गड्ढे हो गए हैं, जिनमें बारिश का पानी और कीचड़ भर जाने से आवागमन बेहद कठिन हो गया है। सबसे अधिक परेशानी दोपहिया वाहन चालकों, साइकिल सवारों और पैदल राहगीरों को उठानी पड़ रही है। कई स्थानों पर वाहन फिसलने का खतरा बना रहता है, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका भी बढ़ गई है।

टू-लेन स्वीकृति के बाद मरम्मत का काम ठप

यहां बताते चलें कि महादेवा विधानसभा क्षेत्र के विधायक दूधराम के प्रयासों से इस सड़क के टू-लेन निर्माण को स्वीकृति मिल चुकी है। लोगों का कहना है कि इसी कारण फिलहाल सड़क की मरम्मत कराने की दिशा में कोई पहल नहीं की जा रही है। क्षेत्र में इस मुद्दे को लेकर राजनीति भी तेज है, जबकि आम जनता को रोजाना जर्जर सड़क का खामियाजा भुगतना पड़ रहा है।

दो प्रमुख मार्गों को जोड़ने वाली महत्वपूर्ण सड़क

नगर बाजार से कप्तानगंज तक जाने वाला यह मार्ग लुम्बिनी-दुद्धी मार्ग और बस्ती-अयोध्या हाईवे को जोड़ने का महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है। इस कारण इस सड़क पर दिनभर छोटे-बड़े वाहनों का लगातार आवागमन बना रहता है। सड़क की खराब स्थिति न केवल लोगों की यात्रा को कठिन बना रही है, बल्कि क्षेत्र के व्यापार और आवागमन पर भी प्रतिकूल असर डाल रही है।

स्थानीय लोगों ने शीघ्र मरम्मत की उठाई मांग

क्षेत्रवासियों ने प्रशासन और संबंधित विभाग से मांग की है कि टू-लेन निर्माण कार्य शुरू होने तक कम से कम सड़क के गड्ढों को भरकर आवागमन सुचारु बनाया जाए, ताकि लोगों को रोजाना होने वाली परेशानी और संभावित दुर्घटनाओं से राहत मिल।

फाइनेंस पर खरीदी बाइक रहस्यमय ढंग से लापता, पुलिस जांच में जुटी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ। मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के गौरा में फाइनेंस पर खरीदी गई एक बाइक रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हो गई। पीड़ित युवक ने कोतवाली पहुंचकर बाइक बरामद कराने और मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। पुलिस ने मामले को प्रथम दृष्टया संदिग्ध मानते हुए जांच शुरू कर दी है। गौरा स्थित धनक सिंह ढाबा के पास रहने वाले लवकुश पुत्र इन्द्रपाल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी होंडा मोटरसाइकिल (यूपी-32 पीएम-5631) संदिग्ध परिस्थितियों में गायब हो गई। उसने बताया कि बाइक फाइनेंस पर खरीदी थी और उसकी किस्तें अभी भी चल रही हैं। पीड़ित केले का ठेला लगाकर परिवार का भरण-पोषण करता है। उसका कहना है कि बाइक ही उसके रोजगार का प्रमुख साधन थी। वाहन गायब होने से उसकी आजीविका प्रभावित हो गई है और परिवार के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। उसने पुलिस से जल्द से जल्द बाइक बरामद कर कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की है। थाना प्रभारी रामबाबू सिंह ने बताया कि वाहन फाइनेंस पर होने के कारण मामला प्रथम दृष्टया संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। पूरे प्रकरण की जांच की जा रही है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी तथा जरूरत पड़ने पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

शराब तस्करी का भांडाफोड़, पीजीआई पुलिस ने जब्त की लाखों की शराब

पीजीआई, संवाददाता। राजधानी के पीजीआई थाना की पुलिस ने अवैध शराब तस्करी के विरुद्ध बड़ी सफलता हासिल की है। कार्यवाही में शातिर तस्कर भी पुलिस के हत्थे चढ़ा है।पकड़े गये आरोपी के पास से अलग अलग ब्रांडों की 1346 बोतल अवैध अंग्रेजी शराब बरामद की गयी है। पुलिस के मुताबिक इस अवैध शराब को बिहार सहित अन्य राज्यों में खपाने की तैयारी थी।पीजीआई इंस्पेक्टर सुनील कुमार सिंह ने बताया कि बीते बुधवार को मुखबिर की सूचना पर सक्षम अधिकारियों के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित हुई और सेक्टर-10 सी वृंदावन योजना स्थित एक मकान में छापेमारी की गई,जहां से तलाशी के दौरान भारी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब, खाली कार्टन और पैकिंग सामग्री बरामद हुई।पुलिस ने इस गोरखधंधे में संलिप्त अनिल वर्मा को भी गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस पूछताछ में आरोपी अनिल वर्मा ने बताया कि वह नकली ब्रांड लेबल लगाकर अवैध शराब तैयार कर उसकी आपूर्ति विभिन्न राज्यों में करता था। पुलिस के अनुसार आरोपी के विरुद्ध पूर्व में भी आबकारी अधिनियम, धोखाधड़ी और गैंगस्टर एक्ट समेत कई गंभीर मुकदमे दर्ज हैं।

सिंचाई व्यवस्था पर सवाल, सूखी माइनर में लाखों का घोटाले का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले नहर का जाल सरकार बिछा कर किसान की खेतों अधि ग्रहण कर जमीन तो ले लिया लेकिन आज तक उसने अपनी बुंद घर नहीं आया अधिकारियों द्वारा हर साल नहर की सफाई के नाम पर कई लाखों खर्च हो रहे हैं लेकिन पानी के लिए, किस तरस रहा है जिम्मेदार अधिकारी अपनाहिस्सालेकर बगल हो जाते है बूँद पानी के लिए किसान के खेत तरस रहे विभाग के अधिकारियों द्वारा कभी नहीं ध्यान दिया नहरों में पानी की पानी भर गया हो वर्तमान समय में सूखे की स्थिति देखते हुए फिर भी पानी नहीं छोड़ा गया किसन की समस्याएं बरकरार विभाग के अधिकारी बाबू सफाई के नाम पर लूट मचाई हुए है जिले के जिम्मेदार अधिकारी या जनप्रतिनिधि कभी नहीं ध्यान दिया की नहरे बनवाई गई है किसान की समस्याओं के सुख से निपटने के लिए लेकिन किसानों को पानी बूंद भर नहीं मिला इसलिए ग्रामीणों द्वारा इसकी जांच करने की मांग की गई लिएअयोध्या सरयू नहर चार परियोजना की माइनर हरैया विकास खंड में पिछले करीब 10 वर्षों से सूखी पड़े बेडाले शुक्ल से हरदिया,रेवरादास काशीपुर होते हुए रामरेखा नदी तक जाने वाली माइनर में आज तक पानी नहीं छोड़ा गया लेकिन हर साल सफाई के नाम पर लाखों रुपये खर्च दिखाकर सरकारी धन का भुगतान..

ग्रामीणों का कहना माइनर की सफाई सिर्फ दिखावे के लिए की जाती कई स्थानों पर भयंकर झाड़ियां आज भी ज्यों की त्यों पड़ी हैं जबकि अभिलेखों में कार्य पूरा जब माइनर में 10 वर्षो से पानी ही नहीं तो हर साल सफाई पर खर्च होने वाला सरकारी पैसा आखिर किस काम आया ग्रामीणों ने पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कर सफाई कार्यों भुगतान जिम्मेदार अधिकारियों की जवाब देही तय करने की मांग किसानों के नाम पर सरकारी योजनाएं तो बन रही लेकिन धरातल पर भ्रष्टाचार लापरवाही के कारण माइनर केवल कागजों में ही बह रही जिले पर बैठे जिम्मेदार अधिकारी को नहीं दिखाई देता है किसानों को सिचाई नहो हो पा रही है दूसरी नहर शाखा हसीनाबाद से निकलकर भदावल होते हुए ओझा गंज जगदीशपुर गई है जिस पर कागज में सफाई हो रहे की बन्दर बांट कर लेते हैं नहरों में जंगली पेड़ उग आए किसान 10 साल सेबूंद बूंद पानी के लिए तरस रहा है लेकिन ना तो जिला प्रशासन ध्यान दे रहा है और ना ही जनप्रतिनिधि इस बात को लेकर ग्रामीण जनता सरकार नाराज है लेकिन कुछ कर्मचारियों द्वारा मनमानी कर सफाई के नाम पर लूट मचा दी है सूखे की स्थिति देखते हुए किस शर्शकित की नजर आ रहे है।

706.81 करोड़ की 194 विकास परियोजनाओं की सौगात देंगे सीएम योगी, आज अम्बेडकरनगर दौरा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अम्बेडकरनगर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को जनपद अम्बेडकरनगर का दौरा करेंगे। अम्बेडकरनगर की तहसील आलापुर अंतर्गत विकासखंड रामनगर स्थित पूर्वांचल के सुप्रसिद्ध धार्मिक एवं आध्यात्मिक पर्यटन स्थल गोविंद साहब में उनका दौरा प्रस्तावित है। इस दौरान वह विधानसभा टांडा, आलापुर और जलालपुर क्षेत्रों में कुल 706.81 करोड़ रुपये की लागत वाली 194 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण तथा शिलान्यास करेंगे। मुख्यमंत्री के इस कार्यक्रम में तीनों विधानसभा क्षेत्रों में सड़क, पेयजल, बिजली, पर्यटन, लोक निर्माण और कौशल विकास सहित अनेक विभागों की महत्वपूर्ण योजनाओं को नई गति मिलेगी। इन परियोजनाओं से स्थानीय लोगों को बेहतर सड़कें, स्वच्छ पेयजल, बिजली आपूर्ति और रोजगार के नए अवसर उपलब्ध होंगे। टांडा विधानसभा क्षेत्र में 69 परियोजनाओं पर 217.69 करोड़ रुपये, आलापुर में 75 परियोजनाओं पर 312.18 करोड़ रुपये तथा जलालपुर में 50 परियोजनाओं पर 176.93 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इनमें से शिलान्यास कार्यों की संख्या 36 और लागत 145.98 करोड़ रुपये है, जबकि लोकार्पण कार्यों की संख्या 158 और लागत 560.83 करोड़ रुपये है। इस दौरे से अम्बेडकरनगर में विकास का नया अध्याय शुरू होने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार लगातार पिछड़े और विकास की प्रतीक्षा कर रहे क्षेत्रों में तेज गति से कार्य कर रही है। टांडा, आलापुर और जलालपुर जैसे क्षेत्रों में इन परियोजनाओं के पूरा होने से जनजीवन सुगम बनेगा और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में आम नागरिक शामिल होने वाले हैं। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जनसभा को संबोधित करेंगे तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के पात्र लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र एवं प्रमाणपत्र भी वितरित करेंगे। यह दौरा न केवल भौतिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करेगा बल्कि कौशल विकास और पर्यटन जैसे क्षेत्रों को भी नई रफ्तार देगा। अम्बेडकरनगर के निवासी लंबे समय से इन विकास कार्यों की प्रतीक्षा कर रहे थे। मुख्यमंत्री के आगमन से क्षेत्रवासियों में उत्साह का माहौल है। सरकार का लक्ष्य है कि प्रदेश के हर कोने तक विकास की किरण पहुंचे। इस कार्यक्रम के माध्यम से न केवल निर्माण से लेकर कौशल विकास तक अनेक जनहित कार्यों की एक साथ शुरुआत होगी, जो अम्बेडकरनगर को प्रगति के पथ पर और आगे ले जाएगा।

विधानसभा आलापुर में लोकार्पित होने वाले कुछ कार्य

ओझागंज मार्ग बड़ी पण्डौली पिच से कठवत कोल गांव तक सम्पर्क मार्ग, एनएच0-233 के किमी0-162 से दाएं कनकपुर होते हुए रुस्तमपुर तक सम्पर्क मार्ग, मंझरिया सम्पर्क मार्ग चकमसेना हरिजन बस्ती सम्पर्क मार्ग, बधईपुर खास सम्पर्क मार्ग, रन्नूपुर बगिया खास सम्पर्क मार्ग, समैसा सोनहू सम्पर्क मार्ग, जैती हरिजन बस्ती सम्पर्क मार्ग,गंगासागर खास सम्पर्क मार्ग, नसीरपुर छितौना हरिजन बस्ती, किन्नूपुर हरिजन बस्ती सम्पर्क मार्ग, जोलहापुर हरिजन बस्ती सम्पर्क मार्ग आदि।

विधानसभा टाण्डा के लोकार्पित होने वाले कार्य

राजस्व ग्राम सेमरा नसीरपुर के डिहवा सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य। राजस्व ग्राम लखनपुर के पण्डौलिया सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य। राजस्व ग्राम वाहिद पट्टी के खास सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य। राजस्व ग्राम नौरहनी रामपुर बिहारी का पुरवा सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य। राजस्व बीबीपुर के उसरा भरौटी सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य आदि।

विधानसभा जलालपुर में लोकार्पित होने वाले कार्य

बन्दीपुर रोड से जैतपुर दक्षिण पुरवा मार्ग के पुनर्निर्माण का कार्य। नेवादा अमोला से उदया सम्पर्क मार्ग के पुनर्निर्माण का कार्य। आजनपारा से चकिया सम्पर्क मार्ग, जमालपुर चमरौट सम्पर्क मार्ग,मालीपुर धमरुआ नेमपुर घाट मार्ग, मालीपुर जलालपुर रामगढ़ मार्ग आदि हैं।

आधे घंटे इंतजार के बाद भी नहीं पहुंचे बीडीओ; अधिवक्ता ने डाक से भेजी जन सूचना

बलरामपुर। विकासखंड बलरामपुर कार्यालय में सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम-2005 के पालन को लेकर सवाल उठे हैं। एडवोकेट, लखनऊ के अधिवक्ता महेंद्र तिवारी ने आरोप लगाया है कि छह बिंदुओं पर मांगी गई जन सूचना का आवेदन जमा कराने पहुंचे तो कार्यालय में मौजूद लिपिक ने आवेदन लेने से इनकार कर दिया। अधिवक्ता का कहना है कि इसके बाद उन्होंने खंड विकास अधिकारी संजय कुमार से दूरभाष पर संपर्क किया। उनके अनुसार, बीडीओ ने 10 मिनट में कार्यालय पहुंचने का आश्वासन दिया, लेकिन करीब आधे घंटे तक इंतजार करने के बावजूद वह नहीं पहुंचे। इस दौरान कार्यालय कर्मियों ने भी आवेदन स्वीकार नहीं किया। महेंद्र तिवारी ने बताया कि आवेदन जमा न होने पर उन्होंने सूचना का अधिकार अधिनियम-2005 के तहत अपना आवेदन डाक के माध्यम से जन सूचना अधिकारी को भेज दिया, ताकि सूचना प्राप्त करने की प्रक्रिया प्रभावित न हो। अधिवक्ता का कहना है कि सूचना का अधिकार अधिनियम प्रत्येक नागरिक को सूचना प्राप्त करने का वैधानिक अधिकार देता है। ऐसे में जन सूचना आवेदन स्वीकार करने से इनकार करना अधिनियम की भावना के विपरीत है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार कर्मचारियों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की मांग की है।

बिजली व्यवस्था में लापरवाही पर सख्त हुए ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश में बिजली व्यवस्था को लेकर ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने गुरुवार को उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में अधिकारियों को कड़ी चेतावनी देते हुए स्पष्ट किया कि जनता को निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि बिजली व्यवस्था में किसी भी स्तर की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। बैठक में जले हुए ट्रांसफार्मरों के समय पर प्रतिस्थापन, शिकायतों के निस्तारण, कांवड़ यात्रा के दौरान विद्युत सुरक्षा तथा प्रदेश की समग्र बिजली व्यवस्था की समीक्षा की गई। मंत्री ने देवरिया, गाजीपुर, श्रावस्ती, बहराइच, फतेहपुर समेत कई जनपदों में जले ट्रांसफार्मरों को समय पर न बदले जाने और बिजली आपूर्ति

संबंधी शिकायतों पर गहरी नाराजगी जताई। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि जनता को अनावश्यक परेशानी पहुंचाने वाले अधिकारियों की जवाबदेही हर हाल में तय की जाएगी। उन्होंने संबंधित अधिशासी अभियंताओं से जवाब-तलब करते हुए निर्देश दिए कि शिकायतों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए। समीक्षा बैठक में गाजीपुर जिले के गहमर क्षेत्र में 12 दिनों से जला ट्रांसफार्मर नहीं बदले जाने और बैठक में अनुपस्थित रहने पर संबंधित अधिशासी अभियंता को निलंबित करने के निर्देश दिए गए। वहीं संबंधित अधीक्षण अभियंता को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा गया कि भविष्य में ऐसी लापरवाही दोहराए जाने पर उनके खिलाफ भी कठोर कार्रवाई की जाएगी। इसी प्रकार देवरिया जिले के लार थाना क्षेत्र में पिछले 10 दिनों से जले ट्रांसफार्मर को न बदले जाने पर संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर मुख्य अभियंता, गोरखपुर (द्वितीय) को प्रतिकूल प्रविष्टि (एडवर्स एंट्री) देने के निर्देश दिए गए। ऊर्जा मंत्री ने पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक को निर्देश दिए कि पूर्वांचल क्षेत्र में बिजली संबंधी शिकायतों के निस्तारण में तेजी लाई जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जो अधिकारी अपने दायित्वों का ईमानदारी और गंभीरता से निर्वहन नहीं कर रहे हैं, उन्हें तत्काल हटाया जाए। उन्होंने कहा कि जनता के हितों से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। बैठक में कांवड़ यात्रा की तैयारियों की भी समीक्षा की गई। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कांवड़ मार्गों पर विद्युत सुरक्षा के विशेष प्रबंध किए जाएं। ढीले बिजली के तार, झुके हुए खंभे, खुले विद्युत उपकरण तथा अन्य संभावित खतरों को तत्काल दूर किया जाए। साथ ही यात्रा मार्गों पर निर्बाध बिजली आपूर्ति बनाए रखने और लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा या दुर्घटना का सामना न करना पड़े। बैठक में अपर मुख्य सचिव ऊर्जा आशीष गोयल, पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के प्रबंध निदेशक नितीश कुमार, मयूर माहेश्वरी सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे, जबकि प्रदेश के विभिन्न जिलों के अधिकारी वर्चुअल माध्यम से समीक्षा बैठक में शामिल हुए।

कांग्रेस कार्यालय 15 दिन में खाली करने का आदेश नजूल भूमि पर अवैध कब्जा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर। जनपद सीतापुर में शहर कांग्रेस कमेटी के कार्यालय को लेकर नगर पालिका परिषद ने बड़ा प्रशासनिक फैसला सुनाया है। तामसेनगंज स्थित ऐतिहासिक घंटाघर भवन की पहली मंजिल पर संचालित कांग्रेस कार्यालय को 15 दिनों के भीतर खाली करने का आदेश दिया गया है। नगर पालिका परिषद की अधिशासी अधिकारी एवं न्यायिक उपजिलाधिकारी सीमा सिंह ने कांग्रेस कमेटी की ओर से दाखिल आपत्तियों को निराधार बताते हुए खारिज कर दिया और भवन का कब्जा नगर पालिका को सौंपने के निर्देश दिए हैं। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि यदि निर्धारित 15 दिनों के भीतर परिसर खाली नहीं किया गया तो प्रशासन बलपूर्वक कब्जा लेगा। इसके लिए होने वाली पूरी कार्रवाई का खर्च भी संबंधित पक्ष से ही वसूला जाएगा। मामले की शुरुआत जिलाधिकारी के स्थलीय निरीक्षण के बाद हुई। निरीक्षण के दौरान नजूल भूखंड संख्या 244/1 पर बने ऐतिहासिक घंटाघर भवन के प्रथम तल

पर कांग्रेस कार्यालय संचालित मिलता पाया गया इसके बाद जिलाधिकारी ने नजूल मैनुअल के नियम-74 के तहत कार्रवाई के निर्देश दिए। साथ ही अभिलेखों से कांग्रेस पार्टी का नाम हटाने और अवैध कब्जा समाप्त कराने की प्रक्रिया शुरू की गई। 1972 से किरायेदारी का दावा, लेकिन नहीं मिले दस्तावेज सुनवाई के दौरान कांग्रेस कमेटी ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से दावा किया कि वर्ष 1972 से भवन उनके कब्जे में है और तत्कालीन सरकार द्वारा उन्हें यह परिसर आवंटित किया गया था। हालांकि नगर पालिका की जांच में इस दावे के समर्थन में कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया जा सका। नगर पालिका के रिकॉर्ड के अनुसार कांग्रेस ने इस भवन का अंतिम किराया 6 फरवरी 1971 को 320 रुपये जमा किया था। इसके बाद करीब 55 वर्षों तक कोई किराया जमा नहीं किया गया जांच के दौरान कांग्रेस की ओर से न तो कोई वैध पट्टा, लीज डीड और न ही कोई इकरारनामा प्रस्तुत किया जा सका। इन्हीं तथ्यों के आधार पर नगर पालिका ने कांग्रेस को डिफॉल्टर मानते हुए भवन पर कब्जे को अवैध घोषित कर दिया नगर पालिका ने अपने आदेश में इलाहाबाद हाईकोर्ट और सर्वोच्च न्यायालय के विभिन्न निर्णयों का उल्लेख करते हुए कहा कि नजूल भूमि का स्वामित्व राज्य सरकार के पास रहता है सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के बिना ऐसी भूमि पर किसी भी प्रकार का कब्जा, हस्तांतरण या उपयोग वैध नहीं माना जा सकता। इसी आधार पर कांग्रेस कमेटी की सभी आपत्तियों को खारिज करते हुए भवन खाली कराने का आदेश पारित किया गया। 15 दिन बाद होगी बलपूर्वक कार्रवाई आदेश में कहा गया है कि कांग्रेस कमेटी को 15 दिनों के भीतर स्वेच्छा से भवन खाली कर नगर पालिका को कब्जा सौंपना होगा। यदि ऐसा नहीं किया गया तो प्रशासन पुलिस बल की मौजूदगी में परिसर खाली कराएगा। इस कार्रवाई में आने वाला पूरा खर्च भी संबंधित पक्ष से वसूला जाएगा!!

गोमती नगर रेलवे स्टेशन आवंटियों का आरएलडीए के खिलाफ प्रदर्शन का ऐलान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के गोमती नगर रेलवे स्टेशन से जुड़ी आर1 - आर2 कमर्शियल कॉम्प्लेक्स व्यापारी वेलफेयर एसोसिएशन ने रेलवे भूमि विकास प्राधिकरण (आरएलडीए) पर परियोजना में अत्यधिक विलंब का आरोप लगाते हुए आवंटियों की समस्याओं को लेकर कड़ी नाराजगी जताई है।

एसोसिएशन का कहना है कि वर्ष 2020-21 में निर्माण आधारित भुगतान योजना के तहत आवंटित इस प्रीमियम वाणिज्यिक परियोजना में अधिकांश आवंटी लगभग 95 प्रतिशत भुगतान कर चुके हैं, लेकिन निर्धारित समय के बावजूद अब तक न तो निर्माण पूरा हुआ है और न ही दुकानों का कब्जा दिया गया है। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बताया कि परियोजना का कब्जा 30 सितंबर 2023 तक दिया जाना था, लेकिन आज तक कोई स्पष्ट अंतिम तिथि घोषित नहीं की गई। इस देरी के कारण कई आवंटी बैंक ऋण, ईएमआई, किराया और अन्य वित्तीय दायित्वों के बोझ तले दब

गए हैं। कई लोगों ने अपनी जीवनभर की जमा-पूंजी इस परियोजना में निवेश की थी, जिससे उन्हें आर्थिक और मानसिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। व्यापारी वेलफेयर एसोसिएशन का आरोप है कि शिकायतों के समाधान के लिए नई दिल्ली स्थित परियोजना कार्यालय से कई बार संपर्क किया गया, लेकिन केवल आश्वासन ही मिले। मामले को उच्च न्यायालय तक ले जाया गया, जहां निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश भी दिए गए, फिर भी स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ। एसोसिएशन ने यह भी दावा किया कि लगातार तनाव के कारण कुछ आवंटी मधुमेह, उच्च रक्तचाप और हृदय संबंधी बीमारियों का शिकार हो चुके हैं। उनका कहना है कि यदि किसी आवंटी के साथ कोई अप्रिय घटना होती है तो इसकी जिम्मेदारी संबंधित अधिकारियों की होगी। व्यापारी संगठन ने आरएलडीए से मांग की है कि परियोजना का शेष निर्माण कार्य युद्धस्तर पर पूरा किया जाए, कब्जा देने की निश्चित तिथि घोषित की जाए तथा देरी से हुए आर्थिक नुकसान की भरपाई के लिए पिछले तीन वर्षों का 18 प्रतिशत वार्षिक ब्याज आवंटियों को दिया जाए, ताकि वे सम्मानपूर्वक अपना व्यवसाय शुरू कर सकें।

जांच में दोषी पाए जाने पर मिले कड़ी से कड़ी सजा : ज्ञान तिवारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ/सीतापुर। महाराष्ट्र समेत विभिन्न राज्यों में महिलाओं से कथित रूप से शादी कर ठगी करने के आरोपों में गिरफ्तार अनूज त्रिवेदी का मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। इस बीच सेवता विधानसभा से भाजपा विधायक ज्ञान तिवारी ने पहली बार सोशल मीडिया पर लाइव आकर पूरे घटनाक्रम पर अपनी चुप्पी तोड़ी। उनके साथ उनकी पुत्री डॉ. प्रज्ञा तिवारी भी मौजूद रहीं। लाइव प्रसारण के दौरान विधायक ज्ञान तिवारी ने कहा कि इस विषय पर वह किसी राजनीतिक व्यक्ति के रूप में नहीं, बल्कि एक दुखी और पीड़ित पिता के रूप में अपनी बात रख रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि जांच में अनूज त्रिवेदी के खिलाफ लगे आरोप प्रमाणित होते हैं तो उसे कानून के तहत सबसे कठोर दंड मिलना चाहिए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उनकी बेटी अब हमेशा अपने मायके में ही रहेगी। ज्ञान तिवारी ने बताया कि वर्ष 2024 में उन्होंने अपनी बेटी डॉ. प्रज्ञा तिवारी का विवाह मिश्रिख निवासी प्रखर त्रिवेदी के साथ पूरे सामाजिक रीति-रिवाजों के अनुसार कराया था। प्रखर, अनूज त्रिवेदी

का पुत्र है। विधायक के अनुसार विवाह के समय उन्हें इस बात की कोई जानकारी नहीं थी कि उनके समधी पर अलग-अलग राज्यों में महिलाओं से कथित धोखाधड़ी, फर्जी पहचान अपनाने और कई शादियां करने जैसे गंभीर आरोप लगे हुए हैं। उन्होंने कहा कि जब एक-एक कर अनूज त्रिवेदी से जुड़े मामले सामने आने लगे तो पूरा परिवार हैरान रह गया। उन्हें लगा कि केवल उनकी बेटी ही नहीं, बल्कि उनका पूरा परिवार विश्वासघात का शिकार हुआ है।

जांच निष्पक्ष हो, किसी को न मिले संरक्षण

विधायक ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति अलग-अलग पहचान बनाकर महिलाओं के साथ धोखाधड़ी करता है तो यह अत्यंत गंभीर अपराध है। जांच एजेंसियां यदि आरोपों की पुष्टि करती हैं तो आरोपी को कानून के अनुसार कठोरतम सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी दोषी को बचाने की कोशिश नहीं होनी चाहिए।

ज्ञान तिवारी ने यह भी कहा कि यदि जांच के दौरान उनके दामाद प्रखर त्रिवेदी की किसी भी प्रकार की संलिप्तता सामने आती है तो उनके विरुद्ध भी बिना किसी दबाव के निष्पक्ष और सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। कानून सभी के लिए समान है और किसी के साथ पक्षपात नहीं होना चाहिए।

बेटी का भविष्य सुरक्षित करना पहली प्राथमिकता

भावुक होते हुए विधायक ने कहा कि उनकी बेटी एक शिक्षित डॉक्टर है और अब वह अपने मायके में ही रहेगी। परिवार ने अनूज त्रिवेदी और उसके परिवार से सभी रिश्ते समाप्त करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि जिस परिवार पर भरोसा कर उन्होंने अपनी बेटी का विवाह किया, उसी परिवार से इतना बड़ा धोखा मिलने की उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की थी। अब उनकी सबसे बड़ी जिम्मेदारी बेटी को न्याय दिलाना और उसका भविष्य सुरक्षित करना है।

कई राज्यों में दर्ज हैं मुकदमे

अनूज त्रिवेदी के खिलाफ महाराष्ट्र, प्रयागराज सहित कई राज्यों में महिलाओं से कथित तौर पर शादी कर ठगी करने, फर्जी पहचान अपनाने और अन्य आरोपों में मुकदमे दर्ज बताए जा रहे हैं। कई महिलाएं भी सामने आकर शिकायत दर्ज करा चुकी हैं। गिरफ्तारी के बाद यह मामला और अधिक चर्चा में आ गया है।

अंत में विधायक ज्ञान तिवारी ने कहा कि उनका परिवार जांच एजेंसियों को हर संभव सहयोग देगा। उन्हें विश्वास है कि निष्पक्ष जांच के बाद जो भी व्यक्ति दोषी पाया जाएगा, उसके विरुद्ध कानून के अनुसार उचित कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह केवल उनके परिवार का मामला नहीं, बल्कि उन सभी महिलाओं के न्याय का प्रश्न है, जो कथित रूप से इस तरह की धोखाधड़ी का शिकार हुई हैं।

महमूदाबाद में परंपरागत जुलूस-ए-अरबाईन अकीदत और गमगीन माहौल में संपन्न

महमूदबाद-सीतापुर। आज के दिन 6 अगस्त को कर्बला के शहीदों की याद में परंपरागत जुलूस-ए-चेहल्लुम वक्फ महाराजा साहब के तत्वावधान में मुवल्ली प्रोफेसर अली खान साहब (राजा महमूदाबाद) के नेतृत्व में दोपहर को किला महमूदाबाद से बरामद हुआ। इस जुलूस में

ऊँट, दुलदुल, अलम, ताबूत व ताज़िये शाही साज-सज्जा से सुसज्जित थे। जुलूस में सोज़ख्वानी व नौहाख्वानी अन्जुमन हैदरी, अन्जुमन सज्जादिया व अन्जुमन अब्बासिया कर रही थीं।अकीदतमंद स्याह लिबास में जुलूस में शामिल रहे। सफर और समापन जुलूस अपने निर्धारित मार्गों से होता हुआ अपराह्न 3 बजे अमीरगंज स्थित कर्बला पहुँचा, जहाँ पर हज़ारों सोगवारों ने गम के माहौल में सरों पर हसीन बलन्द किया और ताबूत व ताज़िये सुपुर्द-ए-खाक किये।

प्रशासन का सहयोग एवं धन्यवाद

स्थानीय पुलिस प्रशासन जुलूस को सम्पन्न कराने में अपने कर्तव्यों का निर्वाहन करते रहे। इस जुलूस के समापन पर मुवल्ली वक्फ महाराजा साहब और तमाम गाज़ियादारों ने स्थानीय पुलिस प्रशासन को धन्यवाद ज्ञापित किया।

महमूदाबाद में किसानों का विशाल धरना प्रदर्शन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महमूदाबाद-सीतापुर। महमूदाबाद क्षेत्र में यूरिया खाद की बढ़ती कीमतों, डीएपी की किल्लत और जटिल ई-केवाईसी व स्मार्टफोन आधारित प्रक्रियाओं के विरोध में किसानों ने एक विशाल धरना प्रदर्शन किया। पूर्व नगरपालिका चेयरमैन प्रतिनिधि अमरीश गुप्ता के नेतृत्व में उनके आवास से लेकर तहसील मुख्यालय तक एक भव्य और रोषपूर्ण रैली निकाली गई।

हाथों में तिरंगा झंडे थामे और किसानों की एक ही मांग, यूरिया की आपूर्ति हो सुचारू, किसान का हक हो पूरा लिखी तख्तियां लेकर 'मोदी देउवा यूरिया दै देव भूखन मर जॉब' के नारे लगाते हुए सैकड़ों किसान और ग्रामीण सड़कों पर उतरे। प्रदर्शन के दौरान सरकार विरोधी नारों से पूरा इलाका गूंज उठा। अमरीश गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि मौजूदा समय में किसानों को खेती के लिए जरूरी यूरिया और डीएपी समय पर नहीं मिल रही है, और जो मिल रही है उसके दाम आसमान छू रहे हैं। इसके अलावा, खेती-किसानी से जुड़ी ई-केवाईसी और स्मार्टफोन आधारित जटिल प्रक्रियाओं से ग्रामीण इलाकों के किसानों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए किसानों का यह जत्था तहसील पहुंचा, जहां प्रदर्शन के पश्चात मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन उपजिलाधिकारी को सौंपा गया। किसानों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी समस्याओं का समाधान जल्द नहीं हुआ, तो वे बड़े स्तर पर आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे।

बच्चों के भोजन में लापरवाही, दो पर दर्ज हुआ मुकदमा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर। महमूदाबाद विकासखंड के प्राथमिक विद्यालय छंगापुर में मिड-डे मील (एमडीएम) की बदहाल व्यवस्था का मामला अब विभागीय कार्रवाई से आगे बढ़कर पुलिस तक पहुंच गया है। सोशल मीडिया पर बच्चों को पानी जैसी सब्जी और जली हुई रोटियां परोसने का वीडियो वायरल होने के बाद जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया। पहले प्रधानाध्यापिका को निलंबित किया गया, रसोइया की सेवा समाप्त की गई और अब दोनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करा दी गई है। जिला प्रशासन का कहना है कि बच्चों के भोजन और पोषण से जुड़ी योजनाओं में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पूरा मामला सोमवार को सामने आया, जब सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हुआ। वीडियो में बच्चों को बेहद पतली, पानी जैसी सब्जी और जली हुई रोटियां परोसी जाती दिखीं। इतना ही नहीं, रोटियां बच्चों की थाली में रखने के बजाय फेंकी जा रही थीं। कुछ रोटियां जमीन पर गिरी सब्जी में गिरने के बाद भी उठाकर बच्चों को परोस दी गईं। वीडियो वायरल होने के बाद जिलाधिकारी ने तत्काल जांच के निर्देश दिए। बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) गोरखनाथ पटेल और एबीएसए की टीम विद्यालय पहुंची। जांच के दौरान बच्चों ने भी वीडियो में दिख रही बातों की पुष्टि की और बताया कि उन्हें अक्सर खराब गुणवत्ता का भोजन दिया जाता है। 63 बच्चों के स्कूल में मानकों की अनदेखी जांच में सामने आया कि विद्यालय में कक्षा एक से पांच तक कुल 63 छात्र-छात्राएं पढ़ते हैं। सोमवार के मेन्यू के अनुसार बच्चों को सब्जी और रोटी दी जानी थी, लेकिन उन्हें अत्यधिक पानी वाली आलू-तरोई की सब्जी और जली हुई रोटियां परोसी गई। अधिकारियों ने पाया कि भोजन तय मानकों के अनुसार नहीं बनाया गया था। दूध वितरण में भी अनियमितता मिली। बच्चों को व्यवस्थित तरीके से बैठाकर भोजन नहीं कराया जा रहा था, जो शासन के स्पष्ट दिशा-निर्देशों का उल्लंघन है। ग्रामीणों की शिकायत और वायरल वीडियो ने पूरे मामले को गंभीर बना दिया। बीएसए की जांच रिपोर्ट के आधार पर जिला प्रशासन ने बुधवार को प्रधानाध्यापिका कल्पना वर्मा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर प्राथमिक विद्यालय नंदवा से संबद्ध कर दिया। वहीं विद्यालय की रसोइया अनीता की सेवा भी समाप्त कर दी गई। संबंधित खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। गुरुवार सुबह कार्रवाई का दायरा और बढ़ा। बीएसए की रिपोर्ट के आधार पर प्रधानाध्यापिका और रसोइया के खिलाफ महमूदाबाद कोतवाली में संबंधित धाराओं

वीडियो में बच्चों को बेहद पतली, पानी जैसी सजी और जली हुई रोटियां परोसी जाती दिखीं। इतना ही नहीं, रोटियां बच्चों की थाली में रखने के बजाय फेंकी जा रही थीं। कुछ रोटियां जमीन पर गिरी सजी में गिरने के बाद भी उठाकर बच्चों को परोस दी गईं। वीडियो वायरल होने के बाद जिलाधिकारी ने तत्काल जांच के निर्देश दिए।

में एफआईआर दर्ज करा दी गई। विभागीय जांच की जिम्मेदारी प्रथम विकासखंड के बीईओ पुष्पराज सिंह को सौंपी गई है, जिन्हें एक महीने के भीतर रिपोर्ट देने के निर्देश दिए गए हैं। बच्चों के भोजन से समझौता नहीं इस कार्रवाई को जिला प्रशासन ने साफ संदेश के तौर पर देखा है कि स्कूलों में बच्चों को मिलने वाले भोजन की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। अधिकारियों का कहना है कि मिड-डे मील योजना बच्चों के पोषण और शिक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण योजना है। यदि कहीं भी लापरवाही या नियमों की अनदेखी मिलेगी तो जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई के साथ कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। वायरल वीडियो के बाद हुई इस कार्रवाई से जिले के अन्य सरकारी स्कूलों में भी मिड-डे मील व्यवस्था को लेकर सतर्कता बढ़ गई है। अब प्रशासन की नजर इस बात पर है कि बच्चों को तय मानकों के अनुसार गुणवत्तापूर्ण भोजन मिले और ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो!!

ई-रिक्शा चालक से मारपीट, लोहे की रॉड से हमला किए जाने का आरोप सिर में आई गंभीर चोट, पुलिस से कार्रवाई की मांग

महमूदाबाद, सीतापुर। कोतवाली महमूदाबाद क्षेत्र में एक ई-रिक्शा चालक के साथ किराए के विवाद को लेकर मारपीट और जानलेवा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने पुलिस को लिखित तहरीर देकर आरोपियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, थाना रामपुर कलां क्षेत्र के सैर गांव निवासी हरिश चन्द्र पुत्र तुलसी राम ई-रिक्शा चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। पीड़ित के अनुसार, बुधवार की शाम करीब 7 बजे वह महमूदाबाद से अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान सिरौली पुलिस चौकी से आगे कांसा मोड़ चौराहे पर तीन युवक एक गैस सिलेंडर के साथ उनके ई-रिक्शा में सवार हुए और कांसा चलने को कहा। पीड़ित का आरोप है कि कांसा पहुंचने के बाद जब उन्होंने किराया मांगा तो खुशी राम पुत्र अज्ञात तथा उसके दो अन्य अज्ञात साथियों ने अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि हमलावरों ने ईंट और लोहे की रॉड से उनके सिर पर हमला कर दिया, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। इतना ही नहीं, आरोपियों ने ई-रिक्शा को भी कांसा मोड़ चौराहे पर पलट दिया, जिससे वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। घटना के बाद घायल चालक किसी तरह कोतवाली महमूदाबाद पहुंचा और पूरी घटना की जानकारी पुलिस को लिखित तहरीर के माध्यम से दी।

बीडीओ ने प्राथमिक विद्यालय जाफरपुर का किया औचक निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महमूदाबाद-सीतापुर। आज ग्राम पंचायत जाफरपुर स्थित प्राथमिक विद्यालय का खंड विकास अधिकारी सुमित सिंह द्वारा औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय में संचालित मध्याह्न भोजन (मिड-डे मील) योजना का गहन अवलोकन किया तथा बच्चों के साथ बैठकर स्वयं भोजन ग्रहण कर भोजन की गुणवत्ता, स्वाद एवं स्वच्छता का निरीक्षण किया। इस अवसर पर खंड विकास अधिकारी ने बच्चों से संवाद कर नियमित रूप से मिलने वाले भोजन, उसकी गुणवत्ता एवं विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। बच्चों ने बताया कि

उन्हें प्रतिदिन स्वच्छ एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराया जाता है। विद्यालय प्रबंधन एवं ग्राम प्रधान द्वारा अवगत कराया गया कि शासन के निर्धारित मेन्यू के अनुसार बच्चों को नियत दिवस पर दूध एवं केला सहित अन्य खाद्य सामग्री नियमित रूप से उपलब्ध कराई जाती है। निरीक्षण के दौरान रसोइयों से भी उनके कार्य एवं मानदेय से संबंधित जानकारी प्राप्त की गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। खंड विकास अधिकारी ने विद्यालय परिसर की स्वच्छता, भोजन की गुणवत्ता एवं व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं विद्यालय परिवार को गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए। इस अवसर पर सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) कृष्ण पाल सिंह, ग्राम पंचायत अधिकारी सत्यार्थ वर्मा, प्रधान संघ अध्यक्ष बृजेश वर्मा, प्रधानाध्यापक, विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं, रसोइयां एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान सभी ने शासन की मंशा के अनुरूप बच्चों को गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने एवं शिक्षा के साथ-साथ उनके समग्र विकास के लिए निरंतर प्रयासरत रहने का संकल्प व्यक्त किया।

गुमटी में चोरी का प्रयास करते पकड़ा गया चोर

महमूदाबाद-सीतापुर। महमूदाबाद कस्बा क्षेत्र में देर रात एक परचून की गुमटी का ताला तोड़ते समय स्थानीय लोगों ने एक चोर को रंगे हाथों पकड़ लिया। सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने महमूदाबाद निवासी आरोपी अखिलेश उर्फ नेता पुत्र पुत्तीलाल को हिरासत में लिया।

तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से चोरी किए गए 16 क्लिनिक प्लस शैंपू पाउच और ताला तोड़ने में इस्तेमाल की गई एक हथौड़ी बरामद हुई। पीड़ित दुकानदार की तहरीर पर महमूदाबाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया। कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक गंभीर घायल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महमूदाबाद, सीतापुर। कोतवाली महमूदाबाद क्षेत्र की सिरौली पुलिस चौकी अंतर्गत विश्वकर्मा पेट्रोलियम, भेथरा माधव के पास महमूदाबाद-सिधौली मुख्य मार्ग पर बुधवार को देर रात में एक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, थाना क्षेत्र के महमदपुर मजरा तुरसेना गांव निवासी अनिल कुमार पुत्र सत्यवान अपनी मोटरसाइकिल (यूपी 32 सीई 3386) से किसी निजी कार्य से घर लौट रहे थे। इसी दौरान विश्वकर्मा पेट्रोलियम के पास तेज रफ्तार एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि अनिल कुमार

सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना स्थानीय लोगों ने तत्काल सिरौली पुलिस चौकी और 108 एंबुलेंस सेवा को दी। सूचना मिलते ही सिरौली पुलिस चौकी प्रभारी फूल चंद्र सरोज तथा कांस्टेबल आशीष कुमार मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घायल को तत्काल एंबुलेंस की सहायता से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) महमूदाबाद भिजवाया। सीएचसी में चिकित्सकों ने घायल का प्राथमिक उपचार किया, लेकिन हालत गंभीर होने के कारण उन्हें बेहतर इलाज के लिए उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर कर दिया।

संपादकीय

जिंदगियां बचाने के लिए

हाल ही में लोकसभा में सड़क दुर्घटनाओं से जुड़े जो आंकड़े पेश किए गए वे विचलित करने वाले हैं। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार देश में बीते साल सड़क दुर्घटनाओं में 5.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इस दौरान अप्रत्याशित रूप से हुए 5.13 लाख से अधिक सड़क हादसों में 1.83 लाख लोगों की मृत्यु हो गई। इन हादसों में घायल होने वालों का आंकड़ा कितना बड़ा होगा, निष्कर्ष निकालना कठिन न होगा। निश्चिय ही यह बेहद चिंताजनक विरोधाभास है कि जिस देश में हर दिन सड़क हादसों में पांच सौ से अधिक निर्दोष लोगों की मृत्यु हो जाती है, वहां आधे से अधिक पंजीकृत मोटर वाहन बिना जरूरी बीमा के चल रहे हैं। यह प्रतिशत 56 बताया जाता है। नागरिक स्तर पर तो यह एक आपराधिक लापरवाही है ही, बीमा न कराने का स्तर मोटर वाहन अधिनियम को लागू करने में बड़ी खामी को भी दर्शाता है। यह सुखद है कि सुप्रीम कोर्ट ने इस समस्या को बेहद गंभीरता से लिया है। कोर्ट ने केंद्र सरकार को एक पायलट प्रोजेक्ट आजमाने को कहा है, जिसके तहत वैध बीमा न होने वाले वाहन चालक को पेट्रोल पंपों पर ईंधन देने से मना किया जा सकता है। बहुत संभव है इस योजना के क्रियान्वयन से बहुत सारे वाहन चालक वाहन बीमा कराने को बाध्य हो जाएं। निश्चित रूप से थर्ड-पार्टी इंश्योरेंस सिर्फ एक कानूनी जरूरत भर नहीं है। वास्तव में यह नागरिकों की सामाजिक सुरक्षा भी सुनिश्चित करती है। इसका उद्देश्य यह निश्चित करना है कि सड़क दुर्घटना के शिकार लोगों और उनके परिवारों को सालों तक अदालतों के चक्कर काटे बिना समय पर जरूरी मुआवजा मिल सके। यह सर्वविदित सत्य है कि जब लाखों गाड़ियां बिना बीमे के चलती हैं तो इन दुर्घटनाओं का बोझ हादसे के पीड़ितों और उनके परिजनों पर पड़ता है। जिसके चलते इनमें से कई लोग सड़क दुर्घटनाओं के शारीरिक और आर्थिक प्रभावों से उबरने के लिए संघर्ष करते रहते हैं। दरअसल, हाल ही में कोर्ट ने अपने एक फैसले में एक सड़क दुर्घटना में स्थायी से रूप से विकलांग हुए एक बच्चे को मिलने वाले मुआवजे की रकम को लगभग दुगुना कर दिया था। कोर्ट की संवेदनशील पहल नीति-नियंताओं के लिये आंख खोलने वाली साबित होनी चाहिए। इस दिशा में कोर्ट का सरकार को यह सुझाव कि ईंधन की खरीद को इंश्योरेंस कराने से जोड़ा जाए, एक असरदार तरीका साबित हो सकता है। सही मायने में पेट्रोल पंप असल चेकपॉइंट का काम करते हैं। लोग अपने वाहनों में पेट्रोल व डीजल डलवाने के लिये नियमित रूप से फ्यूल स्टेशनों पर जाते हैं। वाहन डेटाबेस और इंश्योरेंस रिकॉर्ड से जुड़े ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन यानी एएनपीआर कैमरों का प्रस्तावित इस्तेमाल भी प्रशासन में तकनीक की बढ़ती भूमिका को दर्शाता है। यदि इस व्यवस्था को सही ढंग से लागू किया जाए तो यह सिस्टम बिना बीमे वाले तथा बिना पंजीकृत वाहनों की पहचान करके उन पर अंकुश लगा सकता है। जो मैन्युअल जांच और इससे जुड़े भ्रष्टाचार को भी कम कर सकता है। वैसे इस कोशिश की भी अपनी कुछ सीमाएं हैं। तकनीकी व्यवधान, पुराने डेटाबेस और हाल ही में रिन्यू की गई इंश्योरेंस पॉलिसी को अपडेट करने में देरी से भी कानून का पालन करने वाले नागरिकों को परेशानी हो सकती है। इसके लिये जहां नागरिकों को जागरूक करने की जरूरत है, वहीं पेट्रोल पंप ऑपरेटरों के संगठनों को साथ लेना भी बहुत जरूरी है। इस योजना को लागू करने से पहले पायलट प्रोजेक्ट की अच्छी तरह से जांच करने की भी जरूरत होगी। ताकि कानून का पालन करने वाले नागरिकों को किसी तरह की परेशानी न हो। लोगों को बताना होगा कि वाहन का बीमा कराना चालक के भी हित में है। वहीं यह नागरिकों का सामाजिक दायित्व भी है क्योंकि इसका मकसद लोगों की जान बचाना है। साथ ही दुर्घटना के शिकार लोगों को समय रहते न्याय दिलाना भी है। देशभर में स्वयंसेवी संगठनों व स्थानीय निकायों की मदद से चलाए जाने वाले जागरूकता अभियान इस पुनीत कार्य में मददगार हो सकते हैं।

अब शिवाजी, चंद्रशेखर आज़ाद, भगत सिंह जैसे लोग क्यों नहीं मिलते?

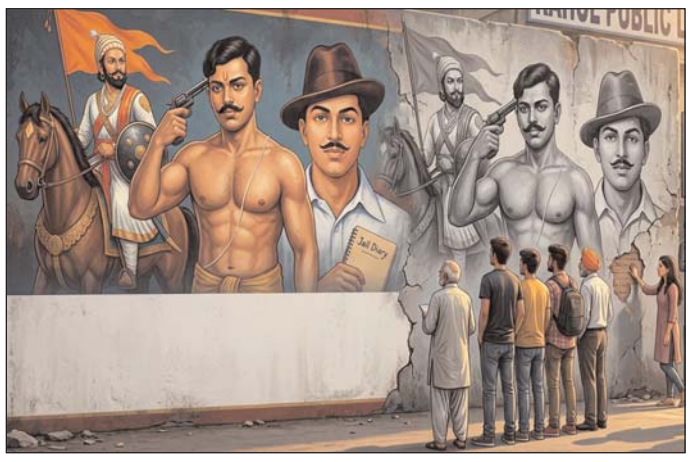

आज के एक-दूसरे पर निर्भर समाज में युवाओं, खासकर जेनरेशन जेड (जेन ज़ी) का व्यवहार समाज के लिए बहुत चिंता का विषय बनता जा रहा है। उन्हें अक्सर बेसब्री, बिना सोचे-समझे सोचने की आदत और कुछ मामलों में, बुरे बर्ताव वाला माना जाता है। यह सोच, हालांकि आम हो सकती है, और हर व्यक्ति में अलग-अलग भी हो सकती है। लेकिन यह इसके अंदरूनी कारणों और समाज की संभावित प्रतिक्रियाओं की एक ज़रूरी जांच को बढ़ावा देती है। इन उभरते हुए पैटर्न को समझने के लिए एक बहुआयामी नज़रिए की ज़रूरत है, जिसमें टेक्नोलॉजी में तरक्की, पढ़ाई के बदलते तरीकों, पेरेंटिंग स्टाइल में बदलाव और बड़े सामाजिक-सांस्कृतिक माहौल के गहरे असर को माना जाए। यह आवश्यक है कि जेन ज़ी में इन आदतों के पीछे के संभावित कारणों पर गहराई से चर्चा हो, जिसमें डिजिटल इमर्शन, तुरंत मिलने वाले फ़ायदे का असर, जानकारी लेने का बदलता तरीका और उनके विकास को आकार देने वाले बदलते सामाजिक ढाँचों पर विचार किया जाए। तदनुसार, समाज ऐसे सुधार करें जिनसे इस पीढ़ी में ज़्यादा सब्र रखने, ज़्यादा तार्किक सोच विकसित करने और सम्मानजनक बातचीत को बढ़ावा मिलें।जेन ज़ी को बनाने वाले सबसे बड़े और असरदार कारणों में से एक है, हाइपर-कनेक्टेड डिजिटल दुनिया में उनकी परवरिश। कम उम्र से ही, यह पीढ़ी ऐसे माहौल में रही है जहाँ जानकारी, मनोरंजन और बातचीत उनकी उंगलियों पर आसानी से मिल जाती है। स्मार्टफ़ोन, सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म और हाई-स्पीड इंटरनेट ने तुरंत मिलने वाले फ़ायदे का एक इकोसिस्टम बनाया है। अपडेट के साथ नोटिफ़िकेशन आते हैं, न्यूज़ साइकिल मिनटों में रिफ़्रेश हो जाती हैं, और मनोरंजन ऑन डिमांड उपलब्ध होता है। तुरंत फ़ीडबैक और आसानी से मिलने वाले कंटेंट की यह लगातार स्ट्रीम अनजाने में ही डेवलप हो रहे दिमाग को जल्दी नतीजे और तुरंत इनाम की उम्मीद करने के लिए ट्रेन कर सकती है। इसलिए, जिन हालात में सब्र की ज़रूरत होती है, जैसे जवाब का इंतज़ार करना, कोई लंबा काम पूरा करना, या धीरे-धीरे, सोच-समझकर सीखना, वे फ्रस्ट्रेटिंग और अनचाही लग सकती हैं। ऑनलाइन बातचीत का तेज़ नेचर, जहाँ छोटे मैसेज और थोड़ी देर का कंटेंट ज़्यादा होता है, लगातार ध्यान और गहरी बातचीत के लिए कम टॉलरेंस में भी योगदान दे सकता है, जिससे बेसब्री का कल्चर बढ़ता है। उदाहरण के लिए, मैसेजिंग ऐप पर तुरंत जवाब की उम्मीद या सोशल मीडिया फ़ीड पर तेज़ी से स्क्रॉल करने से लोग तुरंत संतुष्टि की उम्मीद करने लगते हैं, जिससे असल दुनिया की बातचीत की धीमी रफ़्तार मुश्किल लगने लगती है। नई चीज़ों और तेज़ी से जानकारी के इस लगातार संपर्क से बोरियत की क्षमता भी कम हो सकती है, एक ऐसी स्थिति जो अक्सर सोचने और क्रिएटिव प्रॉब्लम-सॉल्विंग स्किल्स के विकास को बढ़ावा देती है। जब डिजिटल ध्यान भटकाने वाली चीज़ों से बोरियत तुरंत दूर हो जाती है, तो सब्र और सेल्फ-रेगुलेशन विकसित करने के मौके कम हो जाते हैं।इन्फॉर्मेशन ओवरलोड और लॉजिकल रीजनिंग का खत्म होना डिजिटल युग ने जानकारी को डेमोक्रेटाइज़ कर दिया है, जिससे यह पहले से कहीं ज़्यादा आसानी से मिलने वाली हो गई है। लेकिन, इस एक्सेसिबिलिटी के साथ एक बड़ी चुनौती आती है: उपलब्ध जानकारी की बहुत ज़्यादा मात्रा और अक्सर अनवेरिफाइड नेचर। जेन ज़ी, जो इस बहुतायत के साथ बड़ा हुआ है, अक्सर शॉर्ट-फॉर्म कंटेंट, सोशल मीडिया फीड्स और वायरल ट्रेंड्स के ज़रिए जानकारी लेता है। इस्तेमाल का यह तरीका क्रिटिकल इवैल्यूएशन और लॉजिकल एनालिसिस के बजाय इमोशनल रेजोनेंस और तुरंत एंगेजमेंट को प्रायोरिटी दे सकता है। कई डिजिटल प्लेटफॉर्म को कंट्रोल करने वाले एल्गोरिदम यूज़र्स को एंगेज रखने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, अक्सर ऐसा कंटेंट दिखाकर जो उनके मौजूदा बायस से मेल खाता है या मज़बूत इमोशनल रिस्पॉन्स को उकसाता है। इससे इको चैंबर बन सकते हैं, जहाँ लोग मुख्य रूप से उन नज़रियों के संपर्क में आते हैं जो उनके अपने नज़रियों को कन्फर्म करती हैं, जिससे अलग-अलग नज़रियों से जुड़ने और बारीक समझ डेवलप करने की उनकी क्षमता में रुकावट आती है। नतीजतन, भरोसेमंद सोर्स और गलत जानकारी के बीच अंतर करना एक मुश्किल काम बन जाता है। 'फेक न्यूज़' और सेंसेशनलाइज्ड कंटेंट के फैलने से युवाओं के लिए मज़बूत क्रिटिकल थिंकिंग स्किल्स डेवलप करना मुश्किल हो सकता है। इसके अलावा, कम जानकारी के आधार पर जल्दी से राय बनाने का दबाव, जो अक्सर ऑनलाइन बहस और तेज़ी से की जाने वाली कमेंट्री से और बढ़ जाता है, बेतुके तर्कों को अपनाने या बिना सबूत वाले दावों को मानने की ओर ले जा सकता है। उदाहरण के लिए, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कॉन्सपिरेसी थ्योरी की लोकप्रियता, जिनमें अक्सर अनुभव के सबूत नहीं होते लेकिन वे भावनात्मक रूप से मज़बूत होती हैं, यह दिखाती है कि बिना वेरिफ़ाई की गई जानकारी कैसे लोगों का ध्यान खींच सकती है और तर्क पर असर डाल सकती है। उन्हें कैसे जांचा जाए, इस बारे में पूरी गाइडेंस के बिना विभिन्न नज़रिया के लगातार संपर्क में रहने से कन्फ्यूजन हो सकता है और सिस्टमैटिक, लॉजिकल तरीकों के बजाय ह्यूरिस्टिक्स या भावनात्मक अपील पर भरोसा हो सकता है। 'मैनर्स' की परिभाषा खुद एक जैसी नहीं है; यह सोशल नॉर्म्स और टेक्नोलॉजी में बदलाव के साथ बदलती रहती है। जेन ज़ी की बातचीत काफी हद तक डिजिटल कम्युनिकेशन पर निर्भर करती है। टेक्स्टिंग, डायरेक्ट मैसेजिंग और ऑनलाइन कमेंट्स में अक्सर बिना बोले इशारे, आवाज़ का टोन और सोशल कॉन्टेक्स्ट की कमी होती है जो आमने-सामने की बातचीत के लिए ज़रूरी हैं। उदाहरण के लिए, एक साफ-साफ टेक्स्ट मैसेज भेजने वाले के लिए एक अच्छी बातचीत हो सकती है, लेकिन पाने वाला इसे खारिज करने वाला या बदतमीज़ी समझ सकता है, खासकर अगर उसमें ग्रीटिंग या आखिर में बात करने जैसी आम तमीज़ न हो। इसके अलावा, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से मिलने वाली गुमनामी या दूरी से हिचकिचाहट कम हो सकती है, जिससे ज़्यादा गुस्सैल या बेपरवाह व्यवहार हो सकता है जो शायद सीधे, आमने-सामने की मुलाकातों में न हो। इसके अलावा, पेरेंटिंग स्टाइल में बदलाव, कुछ स्टडीज़ में ज़्यादा छूट देने वाली पेरेंटिंग का ट्रेंड बताया गया है, अनजाने में बच्चों के लिए ज़रूरी सोशल दक्षता, जैसे हमदर्दी, झगड़े सुलझाना, और अथॉरिटी वाले लोगों या अलग राय का सम्मान करने के मौके कम कर सकता है। जब बच्चों को नतीजों से बचाया जाता है या सही सोशल बिहेवियर के लिए लगातार गाइड नहीं किया जाता है, तो उन्हें तमीज़ से बातचीत के लिए ज़रूरी सेल्फ-डिसिप्लिन और दूसरों के लिए सोच-विचार डेवलप करने में मुश्किल हो सकती है। आज शिवाजी, चंद्रशेखर आज़ाद और भगत सिंह जैसे लोग क्यों नहीं मिलते? क्योंकि जीजाबाई (शिवाजी की माँ) जैसी माँ नहीं हैं। एक बच्चे की अच्छी परवरिश उसे देशभक्त और भविष्य का नागरिक बनाने के लिए बहुत ज़रूरी है। जेन ज़ी में कही जा रही अनुशासनहीनता को ठीक करने के लिए पूरे समाज को एक साथ और कई तरह के तरीके अपनाने की ज़रूरत है। सिर्फ़ बुराई करने से आगे बढ़कर ऐसे रचनात्मक दखल पर ध्यान देना ज़रूरी है जो सकारात्मक विकास को बढ़ावा दें। इन चुनौतियों से निपटने का एक तरीका डिजिटल साक्षरता और क्रिटिकल सोचने-समझने के कौशल को बढ़ाना है। एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन्स को स्टूडेंट्स को डिजिटल दुनिया में ज़िम्मेदारी से संचालन करना सिखाने को प्राथमिकता देनी चाहिए। इसमें गलत जानकारी की पहचान करने, एल्गोरिदमिक बायस को समझने और ऑनलाइन सोर्स की क्रेडिबिलिटी को एवैल्यूएट करने के बारे में साफ इंस्ट्रक्शन शामिल हैं। क्रिटिकल थिंकिंग स्किल्स को डेवलप करना सिर्फ़ एक एकेडमिक कोशिश नहीं है; इसके लिए अलग-अलग कॉन्टेक्स्ट में लगातार प्रैक्टिस की ज़रूरत होती है। डिबेट्स, रिसर्च प्रोजेक्ट्स जिनमें कई सोर्स से जानकारी को सिंथेसाइज़ करने की ज़रूरत होती है, और ऐसी डिस्कशन्स जिनमें कॉम्प्लेक्स एथिकल डिलेमाज़ को एक्सप्लोर किया जाता है, ये सभी ज़्यादा लॉजिकल रीज़निंग डेवलप करने में मदद कर सकते हैं। माता-पिता और शिक्षक खुलकर इस पर चर्चा करके क्रिटिकल थिंकिंग का मॉडल बना सकते हैं कि वे जानकारी को कैसे एवैल्यूएट करते हैं और राय कैसे बनाते हैं। पेशेंस को बढ़ावा देने के लिए ऐसा एनवायरनमेंट बनाने के लिए सोच-समझकर कोशिश करने की ज़रूरत होती है जो इसे बढ़ावा दे। यह घर और स्कूल दोनों जगह से शुरू हो सकता है।

पेट की समस्या और मोटापे से छुटकारा दिलाएगा नावासन

आज की आधुनिक और व्यस्त जीवनशैली में पेट संबंधित शारीरिक और मानसिक समस्या होना आम हो गया है। ऐसी स्थिति में नावासन उन आसनों में से एक है, जो पेट और शरीर के संतुलन दोनों के लिए फायदेमंद माना जाता है। नावासन, नौकासन भी कहा जाता है। यह दो शब्दों से मिलकर बना है, 'नावा' का अर्थ है 'बोट' और 'आसन' का अर्थ है 'मुद्रा'। इस आसन को करते समय शरीर का आकार नाव जैसा बन जाता है, इसलिए इसे नावासन कहा जाता है। आयुष मंत्रालय के अनुसार, नौकासन एक प्रभावी योगासन है, जो शरीर को मजबूत और संतुलित बनाने में मदद करता है। इसे करते समय पेट, पीठ और जांघों की मांसपेशियों पर सीधा असर पड़ता है, जिससे शरीर की चर्बी कम होती है। यही नहीं, रीढ़ की हड्डी को मजबूत करने में भी यह सहायक होता है। यह आसन न सिर्फ शारीरिक ताकत बढ़ाता है, बल्कि मानसिक एकाग्रता और संतुलन बनाए रखने में भी मदद करता है। नावासन एब्स बनाने के लिए प्रभावी माना जाता है। इसके नियमित अभ्यास से एब्स बहुत मजबूत होते हैं। नौकासन का अभ्यास करने के लिए सबसे पहले पीठ के बल सीधे लेट जाएं और अपने दोनों पैरों को आपस में जोड़ लें। हाथों को शरीर के बगल में सीधा रखें। अब एक गहरी सांस लें, और सांस छोड़ते हुए धीरे-धीरे अपने पैरों और सीने को ऊपर उठाएं। साथ ही, हाथों को आगे की तरफ खींचें ताकि वे पैरों की ओर बढ़ें। इस दौरान आपकी नजरें पैरों पर होनी चाहिए, वहीं हाथ और पैर एक सीध में दिखाई दें। पेट की मांसपेशियों में खिंचाव महसूस करें और कुछ देर इसी स्थिति में रहें। फिर धीरे-धीरे वापस पहली जैसी स्थिति में आ जाएं। आयुष मंत्रालय ने दिल की कोई गंभीर बीमारी या अस्थमा से जूझ रहे लोगों को नौकासन न करने की सलाह दी है। साथ ही अगर आपको माइग्रेन, तेज सिरदर्द या लो ब्लड प्रेशर है, तो आप इसका अभ्यास न करें, क्योंकि इससे तकलीफ और बढ़ सकती है। गर्भावस्था के दौरान नौकासन से परहेज करना चाहिए, क्योंकि यह पेट पर दबाव डालता है।

परमाणु हथियारों के प्रतिबंध की वकालत करती है हिरोशिमा त्रासदी

सुबह करीब 8:15 बजे अमेरिका ने हिरोशिमा पर अपने 'बी-29 'एनाला गे' विमान द्वारा आसमान से परिमाणु बमों की बारिश करके पूरा शहर जिंदा जला दिया था। घटना के वत ज्यादातर लोग सोए हुए थे, परमाणु बम ने उन्हें सोता ही मार दिया। हिरोशिमा में जब परमाणु बम फोड़ा गया, तो जापानियों को लगा कि सूरज फटा है। जबकि, वह सूरज नहीं, बल्कि तथाकथित विकसित, सय और मुट्ठी भर लोगों का निर्णय तथा एक महाशति द्वारा निर्मित कृत्रिम सूरज था जिसकी आग में लाखों निर्दोष लोग भाप बनकर चंद मिनटों में उड़ गए। घटना का सामूहिक हत्यारा अमेरिका था।अगस्त माह की जब 6 तारीख आती है या फिर परमाणु हथियारों की बढ़ती तादात पर वैश्विक मंचों पर विमर्श होता है, तो जापान की दिल दहला देने वाली यह घटना आंखों के सामने अनायास उमड़ पड़ती हैं। घटना को श्रृधालजि के तौर पर ही सालाना 6 अगस्त को 'हिरोशिमा दिवस' के रूप में विश्व मनाता है।

मानव इतिहास में '6 अगस्त 1945' की मनहूस तारीख को शायद ही कोई भूल पाए। 'हिरोशिमा दिवस' के रूप में मनाई जाती है ये तारीख। इस तारीख में सिर्फ तबाही लिखी थी। तारीख में ऐसा मुकर्रर वक्त था जिसने मात्र 16 मिनट के भीतर 1,30,000 लोगों की सांसें एक साथ रोकी थी। हताहतों का आकंड़ा फिलहाल सरकारी है, पर वास्तिवक संख्या इससे कहीं अधिक बताई जाती है। हिरोशिमा पर किए परमाणु हमले में मरने वालों में बूढ़े, बच्चे, नौजवान, औरतें भी थीं। सुबह करीब 8:15 बजे अमेरिका ने हिरोशिमा पर अपने 'बी-29 'एनाला गे' विमान द्वारा आसमान से परिमाणु बमों की बारिश करके पूरा शहर जिंदा जला दिया था। घटना के वक्त ज्यादातर लोग सोए हुए थे, परमाणु बम ने उन्हें सोता ही मार दिया। हिरोशिमा में जब परमाणु बम फोड़ा गया, तो जापानियों को लगा कि सूरज फटा है। जबकि, वह सूरज नहीं, बल्कि तथाकथित विकसित, सभ्य और मुट्ठी भर लोगों का निर्णय तथा एक महाशक्ति द्वारा निर्मित कृत्रिम सूरज था जिसकी आग में लाखों निर्दोष लोग भाप बनकर चंद मिनटों में उड़ गए। घटना का सामूहिक हत्यारा अमेरिका था।अगस्त माह की जब 6 तारीख आती है या फिर परमाणु हथियारों की बढ़ती तादात पर वैश्विक मंचों पर विमर्श होता है, तो जापान की दिल दहला देने वाली यह घटना आंखों के सामने अनायास उमड़ पड़ती हैं। घटना को श्रृधालजि के तौर पर ही सालाना 6 अगस्त को 'हिरोशिमा दिवस' के रूप में विश्व मनाता है। यह दिन उन मुल्कों को संकल्पित होने को आहवान भी करवाता है, जो परमाणु बम फोड़ने की अनाअवश्यक धमकी दिया करते हैं। साथ ही अहिंसा, त्रासदी, को छोड़कर भाईचारा अपनाने और शांति के पथ पर चलने को जागरूश्क भी करता है। 1945 में अमेरिका द्वारा जापान के दो शहरों पर गिराए गए अलग-अलग तारीखों पर परमाणु बम की यह कहानी काले अध्याय के रूप में तबतक दर्ज रहेगी, जबतक दुनिया इस धरती पर वास करेगी। 6 अगस्त को गिराए पहले बम का नाम 'एनाला गे' था। वहीं, 9 अगस्त वाले बम का नाम 'लिटिल बॉय' यानी यूरेनियम-आधारित परमाणु बम था।जापान का जब तक अस्तित्व रहेगा, उनके लोग अमेरिका को माफ नहीं करेंगे। जापान के अलावा पूरे विश्व में इस मानव त्रासदी की निंदा प्रत्येक 6 अगस्त को की जाती है। नागासाकी पर गिराए बम से भी लाखों की संख्या में बेकसूर नागरिक मरे थे। हिरोशिमा दिवस वैश्विक स्तरीय पर परमाणु हथियारों के विरुद्ध एकजुट होने एवं समूचे संसार में अमन-शांति की वकालत के लिए भी याद किया जाता है। साथ ही भविष्य में ऐसे विनाशकारी युद्धों को रोकने के लिए परमाणु हथियारों को नष्ट करने की पुरजोर अपील भी करता है। हिरोशिमा पर गिराए गए परमाणु बम को अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति फ्रैंकलिन 'डेलानो रूजवेल्ट' के सन्दर्भ में 'लिटिल ब्वाय' और नागासाकी के बम को विन्सटन चर्चिल के सन्दर्भ में 'फैट मैन' भी कहा जाता है। फ्रैंकलिन डेलानो रूजवेल्ट अमेरिका के 32वें राष्ट्रपति हुआ करते थे। वह द्वितीय विश्वयुद्ध और वैश्विक आर्थिक मंदी के दौरान बीसवीं सदी के सबसे क्रूर व्यक्तियों में गिने जाते रहे। यह त्रासदी उनकी ही देन थी। पाकिस्तान, अमरिका जैसे मुल्क आज भी परमाणु बमों को फोड़ने की धमकी देते हैं। इसलिए हिरोशिमा दिवस उनके लिए चेतावनी के अलावा सीख जैसा भी है। हिरोशिमा की घटना को आज 81 वर्ष हो गए, लेकिन दुर्भाग्य संसार आज भी युद्ध-हिंसा में संलग्न है। यूं कहें कि परमाणु हथियारों के ढेर पर बैठा है। हाल में, अमेरिका द्वारा ईराक पर परमाणु हमले की धमकी देना, दुनिया भर में बढ़ती हिंसा की घटनाएं और हथियारों को इकट्ठा करने की होड़ के बीच हमारे सामने यह प्रश्न खड़ा होता है कि हम हिरोशिमा और नागासाकी की घटनाओं से क्या कुछ सबक सीख पाए या नहीं? 81 साल पहले 2,50,000 हजार लोगों को मारकर भी अमेरिका को शांति नहीं मिली? अमेरिका की दादागिरी को जवाब देने का वक्त आ चुका है इसके लिए वैश्विक स्तर पर सभी मुल्कों को एकजुट होना होगा। साथ ही परमाणु हथियारों के निर्माणों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाए जाने की दिशा में सभी देशों को सामूहिक पहल करने की जरूरत है।

मेष-मेष राशि के जातकों के लिए आज का दिन उपलब्धियों से भरा रह सकता है। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत की सराहना होगी और नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। आर्थिक मामलों में अतिरिक्त लाभ के संकेत हैं।

वृषभ-वृषभ राशि वालों के लिए आज परिवार के साथ सामंजस्य बनाए रखना महत्वपूर्ण रहेगा। किसी पुराने मतभेद को बातचीत से सुलझाने का अवसर मिल सकता है।

मिथुन-मिथुन राशि के जातकों के लिए आज नए अवसरों का दिन है। व्यापार और नौकरी में लाभदायक योजनाओं से जुड़ने का अवसर मिल सकता है। किसी नए व्यक्ति पर भरोसा करने से पहले पूरी जानकारी अवश्य लें।

कर्क-कर्क राशि वालों के लिए संपत्ति और निवेश से जुड़े मामलों में सकारात्मक संकेत मिल सकते हैं। यदि किसी नई योजना पर विचार कर रहे हैं तो सोच-समझकर निर्णय लें।

सिंह-सिंह राशि के जातकों को आज कार्यक्षेत्र में सम्मान और अधिकार मिल सकते हैं। लंबे समय से रुका हुआ कोई कार्य पूरा होने की संभावना है।

कन्या-कन्या राशि वालों को आज परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को ढालने की आवश्यकता होगी। कार्यस्थल पर विरोधियों की गतिविधियों पर नजर रखें, लेकिन विवाद से बचें।

तुला-तुला राशि के लिए आज का दिन रचनात्मक कार्यों में सफलता दिलाने वाला हो सकता है। कला, साहित्य, शिक्षा और सृजनात्मक क्षेत्रों से जुड़े लोगों को सम्मान मिलने की संभावना है। प्रेम संबंधों में मधुरता बनी रहेगी और विद्यार्थियों को पढ़ाई में अच्छे परिणाम मिल सकते हैं।

वृश्चिक-वृश्चिक राशि वालों को आज संपत्ति और वित्तीय मामलों में विशेष सतर्कता बरतनी होगी। किसी भी दस्तावेज पर हस्ताक्षर करने से पहले अच्छी तरह जांच कर लें।

धनु-धनु राशि के जातकों के लिए आज मेहनत का उचित परिणाम मिलने के संकेत हैं। कार्यक्षेत्र में आपकी योग्यता की सराहना होगी। परिवार के वरिष्ठ सदस्यों के साथ बातचीत में विनम्रता बनाए रखें।

मकर-मकर राशि वालों के लिए आज का दिन परिश्रम और उपलब्धियों का संतुलन लेकर आएगा। सामाजिक दायरा बढ़ेगा और नए लोगों से संपर्क भविष्य में लाभदायक साबित हो सकते हैं।

कुंभ-कुंभ राशि के जातकों के लिए आज ज्ञान और अनुभव का लाभ मिलेगा। आपकी सलाह से दूसरे लोग प्रभावित हो सकते हैं। शिक्षा, प्रबंधन और प्रशासन से जुड़े लोगों के लिए दिन अनुकूल रहेगा।

मीन-मीन राशि वालों को आज किसी भी नए कार्य की शुरुआत पूरी तैयारी के साथ करनी चाहिए। जल्दबाजी नुकसान पहुंचा सकती है। पुराने निवेश से लाभ मिलने के संकेत हैं। लंबी दूरी की यात्रा यदि टाली जा सके तो बेहतर रहेगा।

हवाई सेवा संचालन की जमीनी जिम्मेदारी

आज के दौर में विमानन (एविएशन) उद्योग दुनिया के सबसे तेजी से विकसित होने वाले क्षेत्रों में से एक है। हवाई यात्रा करने वाले यात्रियों की बढ़ती संख्या के साथ एयरपोर्ट पर कुशल ग्राउंड स्टाफ की मांग भी लगातार बढ़ रही है। अगर आपने अपने सपनों के कैरियर को उड़ान देनी है तो एविएशन ग्राउंड ऑपरेशंस स्पेशलिस्ट आपके लिए अच्छा विकल्प हो सकता है। वह ऐसा महत्वपूर्ण पेशेवर है, जो विमान के सुरक्षित, समयबद्ध और सुचारु संचालन में केंद्रीय भूमिका निभाता है। यदि आप सीधे विमान उड़ाने के बजाय एयरपोर्ट संचालन का हिस्सा बनना चाहते हैं, तो यह एक बेहतरीन चुनाव हो सकता है।एविएशन ग्राउंड ऑपरेशंस स्पेशलिस्ट का मुख्य दायित्व विमान के उड़ान भरने से पहले और उतरने के बाद होने वाली सभी जमीनी गतिविधियों का समन्वय करना होता है। इसके अंतर्गत यात्रियों की चेक-इन प्रक्रिया, बोर्डिंग, सामान (बैगेज) की लोडिंग एवं अनलोडिंग, कार्गो प्रबंधन, विमान की सफाई, ईंधन भरवाने की व्यवस्था, सुरक्षा नियमों का पालन, रैंप संचालन, विमान को पार्किंग बे तक सुरक्षित पहुंचाना तथा उड़ान के समय का समन्वय जैसे अनेक कार्य शामिल हैं। यह विशेषज्ञ एयरलाइन, एयरपोर्ट प्रबंधन, सुरक्षा एजेंसियों और तकनीकी टीमों के बीच समन्वय स्थापित करता है ताकि उड़ानें बिना किसी बाधा के संचालित हो सकें।भारत में एविएशन ग्राउंड ऑपरेशंस से संबंधित अनेक डिप्लोमा, सर्टिफिकेट तथा डिग्री कार्यक्रम संचालित किए जाते हैं। उनमें प्रमुख कोर्स हैं—डिप्लोमा इन एविएशन ग्राउंड ऑपरेशंस, डिप्लोमा इन एयरपोर्ट मैनेजमेंट, डिप्लोमा इन एविएशन, हॉस्पिटैलिटी एंड ट्रैवल मैनेजमेंट, बीबीए इन एयरपोर्ट मैनेजमेंट, बीएससी इन एविएशन, सर्टिफिकेट कोर्स इन ग्राउंड स्टाफ ऑपरेशंस, एयरलाइन एंड एयरपोर्ट मैनेजमेंट कार्यक्रम। इन पाठ्यक्रमों में एयरपोर्ट संचालन, विमानन सुरक्षा, ग्राहक सेवा, कार्गो प्रबंधन, एयरलाइन नियम, संचार कौशल तथा व्यक्तित्व विकास का प्रशिक्षण दिया जाता है। अधिकांश डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट कोर्स में प्रवेश के लिए किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12वीं उत्तीर्ण होना आवश्यक है। कुछ संस्थानों में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक निर्धारित किए जाते हैं। बीबीए अथवा बीएससी जैसे स्नातक पाठ्यक्रमों में भी 12वीं उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। अंग्रेजी भाषा का अच्छा ज्ञान, प्रभावी संचार कौशल तथा व्यक्तित्व को भी महत्व दिया जाता है। कुछ संस्थान लिखित परीक्षा के आधार पर भी प्रवेश देते हैं। सर्टिफिकेट कोर्स सामान्यत: 6 माह से 1 वर्ष तक के होते हैं। डिप्लोमा पाठ्यक्रम 1 वर्ष के होते हैं, जबकि बीबीए या बीएससी जैसे स्नातक कार्यक्रम 3 वर्ष की अवधि के होते हैं। फीस संस्थान के अनुसार अलग-अलग होती है। सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कोर्स की फीस लगभग 50,000 रुपये से 1.50 लाख रुपये तक हो सकती है। वहीं स्नातक कार्यक्रमों की कुल फीस लगभग 2 लाख से 5 लाख रुपये तक हो सकती है। भारत में अनेक प्रतिष्ठित संस्थान यह प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। इनमें प्रमुख हैं—राजीव गांधी राष्ट्रीय विमानन विश्वविद्यालय, अमेठी, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उड़ान अकादमी (आईजीआरयूए) उत्तर प्रदेश, फ्रैंकफिन इंस्टीट्यूट ऑफ एयर होस्टेस ट्रेनिंग, एयरविंग्स एविएशन अकादमी, एवलॉन एविएशन अकादमी, हिंदुस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस चेन्नई, बॉम्बे फ्लाइंग क्लब, विभिन्न राज्य एवं निजी विश्वविद्यालयों के एयरपोर्ट मैनेजमेंट विभाग। प्रशिक्षण पूरा करने के बाद रोजगार के अनेक अवसर उपलब्ध होते हैं। एयर इंडिया, इंडिगो, एयर इंडिया एक्सप्रेस, स्पाइसजेट, अकासा एयर जैसी एयरलाइंस के अतिरिक्त एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया, निजी एयरपोर्ट, कार्गो कंपनियां, ग्राउंड हैंडलिंग एजेंसियां, वीआईपी लाउंज सेवाएं, लॉजिस्टिक्स कंपनियां तथा विमानन सेवा प्रदाता संस्थानों में नियुक्ति प्राप्त की जा सकती है।

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उस्मान एन्क्लेव, अलीगंज-लखनऊ 226024 से प्रकाशित, सम्पादक रवि कुमार अवस्थी , मो0-9511151254
Mail: news@swatantraprabhat.com, R.NI NO. UPHIN/2012/43078 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायीं। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के बाद अब सुकन्या समृद्धि अभियान पर डीएम का फोकस

ललितपुर के हर बालक-बालिका का सुरक्षित भविष्य है प्राथमिकतासामाजिक और आर्थिक सुरक्षा का मजबूत मॉडल तैयार कर रहे हैं: जिलाधिकारी

मैने अपनी दोनों बेटियों को सुकन्या समृद्धि खाता खुलवाया

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

निराश्रित बच्चों को शासकीय योजनाओं से जोड़कर उनके जीवन में नई उम्मीद जगाने के बाद अब जिलाधिकारी सत्य प्रकाश ने जनपद की बेटियों के आर्थिक भविष्य को सुरक्षित बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण पहल की है, उनका स्पष्ट मानना है कि एक संवेदनशील प्रशासन केवल वर्तमान की समस्याओं का ही समाधान नहीं करता, बल्कि आने वाली पीढ़ियों का भविष्य भी सुरक्षित करता है।

मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के माध्यम से हजारों निराश्रित बच्चों को आर्थिक संबल उपलब्ध कराने के बाद अब जिलाधिकारी का फोकस सुकन्या समृद्धि योजना के माध्यम से प्रत्येक बेटी के भविष्य को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने पर है। यह उनकी दूरदर्शी सोच का परिचायक है कि जनपद का कोई भी बालक अथवा बालिका केवल जानकारी या संसाधनों के अभाव में सरकार की किसी भी जनकल्याणकारी योजना से वंचित न रहे।

गुरुवार को आयोजित राष्ट्रीय बचत योजनाओं की समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी श्री सत्य प्रकाश ने अधिकारियों से कहा कि बेटियों का भविष्य सुरक्षित करना केवल परिवार की जिम्मेदारी ही नहीं, बल्कि समाज और प्रशासन का भी दायित्व है। उन्होंने सभी अभिभावकों से अपील की है कि वे 10 वर्ष से कम आयु की प्रत्येक बेटी का सुकन्या समृद्धि योजना के अंतर्गत निकटतम डाकघर या अधिकृत बैंक में खाता आवश्यक खुलवायें। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने स्वयं का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए कहा है कि उन्होंने अपनी दोनो बेटियों के सुकन्या समृद्धि योजना के खाते खुलवाए हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासन स्वयं योजनाओं पर विश्वास करेगा तभी समाज भी प्रेरित होगा। इसलिए सभी प्रशासनिक अधिकारी व कर्मचारी अपनी बेटियों के सुकन्या समृद्धि योजना के खाते खुलवायें। उन्होंने इसे केवल बचत योजना नहीं, बल्कि बेटियों की शिक्षा, आत्मनिर्भरता और सम्मानजनक भविष्य का सुरक्षा कवच बताया। जिलाधिकारी ने कहा कि मात्र 250 रुपए से प्रारंभ होने वाली यह सरकारी योजना प्रत्येक परिवार की पहुंच में है। इसलिए कोई भी बेटी इस योजना से वंचित नहीं रहने पाये।

उन्होंने डाक विभाग एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों को निर्देश दिये कि वह ग्रामीण क्षेत्रों में संयुक्त रूप से विशेष शिविर आयोजित करायें, इस शिविरों में आधार पंजीकरण के लिए बायोमेट्रिक मशीनों की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए, ताकि जिन बालिकाओं का आधार नहीं बना है, उनका आधार बनाकर उसी स्थान पर सुकन्या समृद्धि योजना का खाता भी तत्काल खोला जा सके। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की योजनाएं तभी सफल मानी जायेंगी जब पात्र व्यक्ति को कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें, बल्कि प्रशासन स्वयं उनके द्वार तक पहुंचे।

ललितपुर में जिलाधिकारी सत्य प्रकाश की कार्यशैली यह संदेश दे रही है कि बच्चों का संरक्षण केवल संकट के समय सहायता देने तक सीमित नहीं है, बल्कि उनके भविष्य को आर्थिक रूप से सुरक्षित बनाना भी उतना ही आवश्यक है। मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना से निराश्रित बच्चों को सहारा देने के बाद अब सुकन्या समृद्धि योजना के माध्यम से बेटियों के उज्जवल भविष्य की मजबूत नींव रखने का यह अभियान जनपद में सामाजिक सुरक्षा और सुशासन का नया अध्याय लिख रहा है।

मुख्यमंत्री योगी से मिले सदर विधायक रामरतन कुशवाहा

जनपद के विकास से जुड़े महत्वपूर्ण प्रस्ताव रखे

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से सदर विधायक रामरतन कुशवाहा ने मुलाक़ात कर सदरविधानसभा के विकास एवं जनहित से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की। इस दौरान विधायक ने क्षेत्र की आधारभूत संरचना, शिक्षा, कानून-व्यवस्था एवं आवागमन को सुदृढ़ करने से संबंधित कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव मुख्यमंत्री के समक्ष रखे। विधायक रामरतन कुशवाहा ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि पंचमुखी हनुमान जी मंदिर के समीप शहजाद नदी पर दीर्घ सेतु का निर्माण क्षेत्र की लंबे समय से चली आ रही आवश्यकता है। इसके निर्माण से क्षेत्रवासियों को बेहतर आवागमन की सुविधा मिलेगी तथा धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों को भी नई गति प्राप्त होगी।

इस दौरान उन्होंने पूराकला राजकीय इंटर कॉलेज के विकास एवं वहां आवश्यक शैक्षणिक सुविधाओं के विस्तार का विषय भी प्रमुखता से रखा, जिससे ग्रामीण अंचल के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के बेहतर अवसर उपलब्ध हो सकें। क्षेत्र में कानून- व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से विधायक ने बांसी एवं बिरधा पुलिस चौकी को पूर्ण थाना बनाए जाने की मांग भी मुख्यमंत्री के समक्ष रखी। उन्होंने कहा कि इससे क्षेत्र में पुलिस व्यवस्था मजबूत होगी तथा आमजन को त्वरित सुरक्षा एवं न्याय मिल सकेगा। इसके अतिरिक्त विधायक ने जखौरा–तालबेहट मार्ग को बेहतर बनाने तथा खेडर नदी पर दीर्घ सेतु के निर्माण का प्रस्ताव भी मुख्यमंत्री के समक्ष रखा। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से क्षेत्र की कनेक्टिविटी मजबूत होगी, आवागमन सुगम होगा तथा विकास को नई गति मिलेगी।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने विधायक द्वारा उठाए गए सभी विषयों को गंभीरतापूर्वक सुना और सकारात्मक आश्वासन देते हुए कहा कि ललितपुर में चहुँमुखी विकास के लिए प्रदेश सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने संबंधित प्रस्तावों पर प्राथमिकता के आधार पर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने का भरोसा दिया। भेंट के उपरांत विधायक रामरतन कुशवाहा ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार के सहयोग से ललितपुर जिला विकास की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा तथा क्षेत्रवासियों की अपेक्षाओं के अनुरूप जनहित के कार्य निरंतर आगे बढ़ते रहेंगे।

संक्षिप्त खबरें

लड़बारी में माँ की डांट के बाद किशोरी ने फांसी लगाकर दी जान

मां-बाप के खेत से लौट के बाद घर के अंदर दुपट्टे के फंदे पर लटकता मिला शव

ललितपुर। थाना गिरार क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम लडारी में माँ की डांट के बाद आदिवासी किशोरी ने उस समय अपने ही घर में फांसी लगाकर जान दे दी। जब उसके मां-बाप बाजार चले गए और भाई मछली पकड़ने के लिए गया था। घर लौटने पर दरवाजे बंद थे, इसके बाद खिड़की से झांक कर देखने पर पुत्री का शव फांसी के फंदे पर लटकता मिला। घटना की सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दरवाजे खुलवाकर शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया।

लड़ारी निवासी 14 वर्षीय नैनसी पुत्र पप्पू सहरिया बुधबार को अपने घर में थी। इसी दौरान किसी बात को लेकर उसकी मां ने उसे जमकर डांट दिया। इसके बाद उसका भाई मोहन मछली पकड़ने चला गया और माता नब्बो -पिता पप्पू सामान लेने बाजार चले गये। बताया गया है कि शाम को जब भाई मोहन घर से लौट कर आया तो दरवाजे अंदर से बंद थे, इसलिए वह दीवार फांदकर घर के अंदर गया और पीछे बने बाडे में मछली बनाने का काम करने लगा, क्योंकि घर अंदर बंद था । ज़ब माँ बाप शाम को लौटकर आये, तो बेटी के बारे में पूंछा, तो पुत्र ने जानकारी नहीं होने का हबाला दिया। ज़ब माँ ने झाँक क़र देखा, तो बेटी घर के भीतर लगी बल्ली पर दुपट्टे के फंदे पर लटक रही थी। इसके बाद उसने आसपास के लोगों को बुलाया और घटना की जानकारी पुलिस को दी। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने कमरे के दरवाजे खुलवाकर मृतिका के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया।

विकास कार्यों में गुणवत्ता से समझौता नहीं होगा : पालिका अध्यक्ष सोनाली जैन

» सुम्मेरा तालाब के सौंदर्यीकरण का किया निरीक्षण, सामुदायिक शौचालय व सड़क का लोकार्पण,
» सीसी सड़क-नाली निर्माण का किया भूमि पूजन

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

नगर के विकास एवं सौंदर्यीकरण को गति देने के उद्देश्य से पालिका अध्यक्ष श्रीमती सोनाली जैन अभिलाषा ने गुरुवार को नगर क्षेत्र के विभिन्न वार्डों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने चल रहे विकास कार्यों की प्रगति एवं गुणवत्ता का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों एवं ठेकेदारों को निर्धारित समय सीमा में कार्य पूर्ण कराने तथा निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण की शुरुआत वार्ड नंबर 20 मोहल्ला तालाबपुरा स्थित सुम्मेरा तालाब से हुई। पालिका अध्यक्ष ने तालाब पर चल रहे सौंदर्यीकरण कार्यों का जायजा लिया। संबंधित अवर अभियंता ने बताया कि यहां पेवर ब्रिक्स, हट निर्माण, घाट निर्माण सहित विभिन्न कार्य कराए जा रहे हैं। पालिका अध्यक्ष ने निर्देश दिए कि सभी कार्य समय से पूर्ण किए जाएं। साथ ही तालाब की स्वच्छता एवं देखरेख में लापरवाही न बरतने के निर्देश चौकीदार एवं सफाई कर्मियों को दिए।

इसके बाद वार्ड नंबर 06 मोहल्ला रामनगर वंशीपुरा में नवनिर्मित सामुदायिक शौचालय का लोकार्पण किया गया। पालिका अध्यक्ष ने शौचालय में नियमित साफ-सफाई एवं उचित रखरखाव के निर्देश दिए। इस दौरान शौचालय के पास बने पुल का निरीक्षण करते हुए उन्होंने मोहल्लेवासियों से समस्याओं की जानकारी ली। नागरिकों ने पुल पर रेलिंग न होने से दुर्घटना की आशंका जताई, जिस पर पालिका अध्यक्ष ने संबंधित अवर अभियंता को स्टीमेट तैयार कर मरम्मतीकरण एवं रेलिंग का कार्य कराने के निर्देश दिए। पुल के पास लगाई जा रही हाईमास्ट लाइट का भी निरीक्षण किया गया। पालिका अध्यक्ष ने जल्द हाईमास्ट लगाने के निर्देश दिए, ताकि क्षेत्र में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था हो सके। साथ ही पुल के समीप बने डंपिंग प्वाइंट को हटाने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए।

इसके पश्चात वार्ड नंबर 06 रामनगर में आरटीओ कार्यालय जाने वाली सड़क का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर स्थानीय नागरिकों ने विकास कार्यों के लिए पालिका अध्यक्ष का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया। वहीं वार्ड नंबर 08 मोहल्ला जुगपुरा में काली माता मंदिर से रामविलास के मकान होते हुए दस्सू कुशवाहा के मकान तक सीसी सड़क एवं नाली निर्माण कार्य का विधि-विधान से भूमि पूजन किया गया। मोहल्लेवासियों ने बताया कि लंबे समय से सड़क एवं नाली निर्माण न होने के कारण उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। निर्माण कार्य शुरू होने पर उन्होंने पालिका अध्यक्ष एवं वार्ड पार्षद का आभार जताया। पालिका अध्यक्ष ने संबंधित ठेकेदार एवं अवर अभियंता को स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण कार्य निर्धारित समय में पूरा किया जाए तथा गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके बाद आदि शक्ति मैरिज गार्डन के बगल वाली गली में चल रहे सीसी सड़क एवं नाली निर्माण कार्य का भी औचक निरीक्षण किया गया। पालिका अध्यक्ष ने निर्माण में प्रयुक्त सामग्री की गुणवत्ता की जानकारी ली और अधिकारियों को लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए। इस दौरान वार्ड पार्षद श्रीमती रजनी रजक, जितेन्द्र राठौर, उदय प्रताप, पार्षद प्रतिनिधि अमरदीप रजक, अवर अभियंता खुशबू खान, निधि पाण्डेय, प्रभारी सफाई निरीक्षक महेन्द्र सिंह यादव, नजूल लिपिक सुधीर रावत, हेड सुपरवाइजर संजय कुमार, गैराज प्रभारी अमित कुमार रिंकू, धीरेन्द्र घावरी सहित नगर पालिका के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

जलभराव और कीचड़ से नागरिकों को मिलेगी राहत :

पालिका अध्यक्ष सोनाली जैन अभिलाषा ने कहा कि वर्तमान में बरसात का मौसम है और बच्चों सहित आम नागरिकों को आवागमन में परेशानी न हो, इसके लिए नगर पालिका द्वारा जलभराव एवं कीचड़ वाली गलियों को चिन्हित कर सड़क, नाली एवं नाला निर्माण के कार्य कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि नगर के विकास, स्वच्छता और सौंदर्यीकरण को प्राथमिकता देते हुए लगातार कार्य किए जा रहे हैं, जिससे नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

मसोरा के पास तेज गति से भागता हुआ ट्रैक्टर अचानक अनियंत्रित होकर ग्रामीण के घर में घुसा

ललितपुर। जनपद के महरौनी रोड पर स्थित सदर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम मसोरा कला के तेज गति से भाग रहा एक ट्रैक्टर अचानक अनियंत्रित होकर पास सड़क किनारे स्थित ग्रामीण के मकान में घुस गया, जिससे उसका घर और घर का सामान क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि इस मामले को लेकर ड्राइवर ने ट्रैक्टर की स्टेरिंग फेल होने का हवाला दिया, तो वहीं ग्रामीण में जानबूझकर ट्रैक्टर को घर में घुसने का आरोप लगाया। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की पड़ताल में जुटी हुई है।

मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार की दोपहर करीब 12:00 बजे मसोरा कला गांव के पास महरौनी की तरफ सामान लेकर जा रहा एक ट्रैक्टर अचानक चालक के नियंत्रण से बाहर हो गया और अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बने शंकर कुशवाहा नामक ग्रामीण के घर में घुस गया। सड़क हादसे में ग्रामीण का घर क्षतिग्रस्त हो गया, तो वहीं घर का सामान भी तहस-नहस हो गया। हालांकि सड़क हादसे में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं मिली। घटना की सूचना पाकर आसपास के लोग एकत्रित हुए, जहां उन्होंने ड्राइवर को पकड़ लिया। इस दौरान ड्राइवर ने बताया कि वह सामान लेकर ग्राम बजर्रा से ग्राम खितवांस जा रहा था, तभी उसकी ट्रैक्टर का स्टेरिंग फेल हो गई और ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर घर में जा घुसा। इस दौरान ग्रामीण शंकर कुशवाहा ने ट्रैक्टर चालक पर जानबूझकर उसके घर में ट्रैक्टर घुसाने का आरोप लगाया। हालांकि घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल में जुटी हुई है। समाचार लिखे जाने तक इस मामले में कोई कार्यवाही सामने नहीं आई थी। इस घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है।

बार में सिक्योरिटी गार्डन की वर्दी में चालक ने आंधी रफ्तार में सड़क पर दौडाई बोलेरो से मची अफरा तफरी

» बोलेरो की चपेट में आने से एक गाय का बछड़ा हुआ जख्मी, तो कई वहाँ हुई क्षतिग्रस्त
» वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल
» ग्रामीण ने पुलिस को शिकायती पत्र देकर मध्य प्रदेश निवासी बोलेरो चालक के खिलाफ कराया मामला दर्ज

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

जनपद के बार कस्बे में बुधवार दोपहर एक तेज रफ्तार बोलेरो सड़क पर मौत बंद कर दौड़ी जिसने एक बछड़े को कुचल दिया और कई वाहनों को टक्कर मार कर क्षतिग्रस्त कर दिया। उक्त बोलेरो ने करीब एक घंटे तक सड़क पर दहशत फैलाई। इस घटना से इलाके में आक्रोश की स्थिति पंक्ति और लोग एकत्रित हुए और जब वह बोलेरो लौट कर आई तो लोगों ने सड़क पर पत्थर रखकर उसे रोक लिया और चालक को पकड़कर उसकी खांसी मरम्मत कर दी बताया गया है कि चालक शराब के नशे में धुत था और सिक्योरिटी गार्ड की वर्दी में था। बताया गया है कि इस बोलेरो में जो सिक्योरिटी गार्ड सवार था वह पास में ही संचालित एक पावर प्लांट कंपनी का था, जिसे पकड़ कर लोगों ने पुलिस के हवाले कर दिया। फिलहाल पुलिस पूरी पड़ताल में जुटी हुई है। इस मामले में घायल हुए बुजुर्ग के भतीजे ने शिकायती पत्र देकर बोलेरो चालक के खिलाफ मामला दर्ज कराया।

मिली जानकारी के अनुसार बुधवार को शाम करीब 3:30 बजे चिगलौआ की ओर से आई बोलेरो ने सबसे पहले 3:38 बजे एक गाय को कुचल दिया। हादसा इतना दर्दनाक था कि गाय वाहन के नीचे फंस गई और घायल हो गयी। इसके बाद 3:39 बजे गैंदौरा तिगैला के पास एक्टिवा स्कूटी पर सवार दशरारा निवासी शिव शंकर रावत को बोलेरो ने टक्कर मार दी, जिससे वह घायल हो गए।

चालक का कहर यहीं नहीं रुका। 3:40 बजे उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक के पास एक डीलक्स बाइक को टक्कर मारते हुए बोलेरो बार बस स्टैंड स्थित देशी कलारी के पास पहुंची, जहां सड़क किनारे खड़े कई वाहनों को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। इसके बाद चालक तेज रफ्तार में बांसी की ओर भाग निकला। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार करीब शाम 4:30 बजे वही बोलेरो दोबारा उसी रास्ते से वापस लौटी। इस बार सतर्क ग्रामीणों ने मेला ग्राउंड के पास सड़क पर पत्थर रखकर उसका रास्ता रोक दिया। बोलेरो रुकते ही आक्रोशित लोगों ने चालक को पकड़ लिया और उसकी धुनाई भी की । घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंचकर चालक को गाढ़ी सहित अपने कब्जे में ले गई। इसके बाद इस मामले को लेकर ग्राम दशहरा निवासी विशाल रावत पुत्र महेंद्र रावत ने थाना बार पुलिस को शिकायती पत्र दिया जिसमें अवगत कराया गया है कि मध्य प्रदेश के जनपद ग्वालियर के थाना कंपू के ग्राम कंपू पदावली निवासी बोलेरो चालक धर्मवीर सिंह भदौरिया पुत्र नत्थी सिंह भदौरिया द्वारा गाड़ी को तेजी तथा लापरवाही से चलते हुए उसके बड़े पापा शिव शंकर रावत की गाड़ी में टक्कर मार कर उन्हें घायल कर दिया जिसके बाद थाना बार पुलिस ने आरोपी के खिलाफ 281, 125 ए 125 बी धाराओं में मामला पंजीकृत कार्यवाही की है।

विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के अंतर्गत 12 अगस्त को होगा साक्षात्कार

ललितपुर। जनपद में 'विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना' के अन्तर्गत ट्रेड दर्जी, वॉसरमैन के साक्षात्कार स्थगित कर दिये गये है पुनः साक्षात्कार के लिए विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के अन्तर्गत ट्रेड लोहार, राजमिस्त्री, नाई, बढ़ाई तथा हलवाई के साक्षात्कार 12 अगस्त 2026 तक लिए जायेगे। सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ट्रेड से सम्बंधित लाभार्थी आवेदन पत्र, आधार कार्ड, बैंक पास बुक, पासपोर्ट साइज फोटो सहित कार्य दिवस में समय दोपहर 02:00 से शाम 04:00 बजे तक जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र, स्टेशन रोड ललितपुर में साक्षातकार हेतु सम्मलित हो सकते है। आवेदन करने के लिए ऑन लाईन पोर्टल की बेबसाईड https://msme.up.gov.in » login » Registration_Login पर लॉगिन कर आप अपना आवेदन कर सकते है। ऑनलाइन आवेदन शुरू है। अधिक जानकारी के लिए कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस में संपर्क कर सकते है।

एक जनपद एक उत्पाद टूल किट योजना के 22 जून को साक्षात्कार और आवेदन शुरू

ललितपुर। जनपद में 'एक जनपद एक उत्पाद टूलकिट योजना' के अन्तर्गत 03 ट्रेड सम्मिलित है 1-रेडीमेड होजरी 2- जरी सिल्क साड़ी 3- खाद्य प्रसंस्करण। सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि एक जनपद एक उत्पाद टूलकिट योजना के अन्तर्गत 22 जून से लगातार साक्षात्कार एवं आवेदन शुरू है तथा साक्षात्कार की अन्तिम तिथि 03 अगस्त 2026 है। जिन लाभार्थियों ने अभी आवेदन नहीं किये है वह अपना आवेदन कर के साक्षात्कार के लिए जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र में निम्नलिखित दस्तावेजों (1. आवेदन फार्म की फोटो कॉपी 2. एक पासपोर्ट साइज फोटो 3. आधार कार्ड की फोटोकॉपी 4. जाति प्रमाण पत्र की फोटो कॉपी) को साथ लेकर अपना साक्षात्कार समय 10:00 बजे से 12:00 बजे तक दे सकते है। आवेदन करने के लिए ऑन लाईन पोर्टल की बेबसाईड https://msme.up.gov.in » login » Registration_Login पर लॉगिन कर आप अपना आवेदन कर सकते है। ऑनलाइन आवेदन शुरू है। अधिक जानकारी के लिए कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस में संपर्क कर सकते है।

रामनगर की काशीराम कॉलोनी में नाना के घर जाकर युवक ने फांसी लगाकर दी जान

मेडिकल कॉलेज में डाक्टरी परीक्षण के दौरान किया मृतक घोषित

ललितपुर। सदर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत शहर की रामनगर के पास स्थित कांशीराम कालोनी में रहने वाले अपने नाना के घर जाकर एक युवक ने फांसी लगाकर जान दे दी। हालांकि युवक द्वारा आत्महत्या करने का कारण अज्ञात बताया गया है। मृतक के परिजनों ने उसे फांसी के फंदे से उतर कर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरी परीक्षण के दौरान उसे मृतक घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया।

मिली जानकारी के अनुसार सदर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत शहर के मोहल्ला रामनगर निवासी 25 वर्षीय विशाल रैकवार पुत्र सुनील रैकवार तालाबपुरा स्थित एक बेकरी में काम करता था और अपना और अपने परिवार का भाषण करता था। बताया गया है कि विशाल गुरुवार की सुबह करीब 10:30 बजे अपने बड़े और छोटे भाई के साथ मजदूरी का काम करने के लिए तालाबपुरा को निकाला था। जब यह रास्ते में लक्ष्मीपुरा मोहल्ले के पास पहुंचा, तब उसके दोनों भाई बेकरी में काम करने के लिए चले गए और यह वहां से अपने नाना के घर सुरई घाट की काशीराम कॉलोनी स्थित ब्लॉक नंबर 9 में दूसरी मंजिल में अपने नाना के घर हरदास के पास चला गया। इसके बाद विशाल ने अपने नाना हरदास को दवाई लेने के लिए भेज दिया। जब उसका नाना दोपहर करीब 1:30 बजे दवाई लेकर घर लौटा, तब कमरे का दरवाजा बंद था। काफी देर बढ़ाने के बाद जब दरवाजा नहीं खुला, तो वह अपने पड़ोसी की दीवार पर चढ़कर अपने घर के अंदर पहुंचा और दरवाजा खोला, तो देखा कि अंदर उसके नाती विशाल का शव रस्सी के फंदे पर लटक रहा है। इसके बाद उन्होंने तत्काल आसपास के लोगों को बुलाया और विशाल को फांसी के फंदे से उतार कर इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरी परीक्षण में उसे मृतक घोषित कर दिया। अब युवक ने आत्महत्या क्यों की इसके कारणों का पता तो नहीं चल सका। बताया गया है कि मृतक अपना मोबाइल घर पर ही छोड़ गया था और विशाल का पिता सुनील नामिल गल्ला मंडी में पल्लेदारी का काम करता है। घटना की सूचना पर पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया।

मुख्यमंत्री के नारी सशक्तिकरण कार्यक्रम पर जखौरा पुलिस लग रही है पलीता..

» घिसोली में पिछले एक सप्ताह में दबँगों ने माँ बेटी पर सरेआम लाठी डंड़ों व धारदार हथियार से हमला क़र किया मरणासन्न
» शिकायत के बाद भी पुलिस ने महज शान्ति भंग में चालान क़र पल्ला झाड़ा, दूसरा मामला भी दर्ज
» माँ बेटी मरणासन्न हालत में मेडिकल कॉलेज में जिंदगी और मौत के बीच लटकी

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

जहां एक ओर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम चला कर महिलाओं को सशक्त बनाने का काम कर रहे हैं, तो वहीं जनपद की थाना जखौरा पुलिस मुख्यमंत्री की इस मंशा पर पलीता लगाने में लगे हुए हैं। बताया गया है कि ग्राम घिसोली में दबँगों के आतंक के आगे पुलिस भी नतमस्तक दिखाई दे रही है। दबंगों ने एक सप्ताह में दो बार बिपक्षी मां बेटी के साथ गांव में सरेआम बेरहमी से मारपीट की और जखौरा पुलिस ने आरोपियों के साथ-साथ पीड़िता का भी शांति भंग की धाराओं में चालान कर उसका उत्पीड़न करने का काम किया। अब मां बेटी मरणासन्न में स्थिति में मेडिकल कॉलेज में पड़ी हुई है और जिंदगी और मौत के बीच झूल रही है। आरोप है कि कई बार प्रार्थना पत्र देने के बाद भी पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज नहीं किया।

मिली जानकारी के अनुसार ग्राम घिसोली निवासी बुजुर्ग महिला कमला पत्नी सुजान सिँह पर गांव में पिछले एक सप्ताह में दबंगों ने दो बार इस कदर कहर ढ़ाया, कि अब वह मरणासन्न स्थिति में पहुंच गई है। बताया गया है कि 5 अगस्त को ग्राम घिसोली निवासी कामिनी पुत्री सुजान सिंह लोधी अपने घर के दरवाजे पर खड़ी हुई थी। इस दौरान पुरानी रंजिश के चलते विपक्षी श्रीमती राजवती पत्नी रमेश जितेंद्र पुत्र रमेश श्रीमती आरती पत्नी जितेंद्र बंटी पत्नी रमेश एवं श्रीमती रचना पत्नी बंटी आदि एक राय होकर आए और उसके साथ गाली गलौज करने लगे इस दौरान जब उसकी मां कमला ने विपक्षियों की इस हरकत पर विरुद्ध जाते तब सभी विपक्षियों ने एक राय होकर मां बेटी को घर से घसीट कर उनके साथ गांव में सरे आम गली-गलज करते हुए लाठी डंडों से जमकर मारपीट की बताया गया है कि इस मारपीट के दौरान जितेंद्र और रमेश उसके घर में घुस गए और उसके बक्से में रखे हुए उसके जेवरात के साथ-साथ नगदी पर भी हाथ साफ कर दिया और घर में तोड़फोड़ की घटना को अंजाम दिया। इसके बाद सभी दबंग जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से रफू चक्कर हो गए तब पश्चात आसपास के लोगों ने मां बेटी को तत्काल गंभीर रूप से घायल हालत में उठाकर इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जखोरा में भर्ती कराया जहां से उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया जहां कैलाश चल रहा है बताया गया है कि दबंग विपक्षियों की लाठी डंडों और धारदार औजारों से की गई मारपीट में गंभीर चोटें आई और वह मरणासन्न स्थिति में बनी हुई है। यह भी जानकारी मिली है कि चार दिन पूर्व वक्त विपक्षियों ने मां बेटी के साथ मारपीट की घटना को अंजाम दिया था इस मामले को लेकर दिए गए शिकायती पत्र के आधार पर पुलिस ने विपक्षियों के साथ मां बेटी का भी शांति भंग की धाराओं में चालान कर दिया था। इसके बाद दबंग की हौसले बुलंद देखें और उन्होंने एक बार फिर गंभीर घटना को अंजाम दिया। हालांकि जखौरा पुलिस में दिए गए शिकायती पत्र के आधार पर आरोपियों के खिलाफ 115(2), 191(2), 351(3), 352 धाराओं में मामला पंजीकृत किया है। आप है कि विपक्षियों पर प्रभावी कार्यवाही न होने से उनके हौसले बुलंद हैं और वह लगातार मां बेटी को मौत की नींद सुलाने की धमकियां दे रहे हैं। फिर परिवार ने अपने साथ किसी अनहोनी की आशंका जताई है और यदि ऐसा होता है तो उन्होंने पुलिस विभाग को इसका जिम्मेदार भी बताया है।

दो माह से स्कूल में नहीं पहुंचा सफाईकर्मी, गंदगी के बीच पढ़ने को मजबूर बच्चे

बदबू और कूड़े के ढेर से बढ़ी बीमारी की आशंका, प्रधानाध्यापक ने की कार्रवाई की मांग

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

विकासखंड महरौनी के ग्राम सौजना स्थित संविलियन उच्च प्राथमिक विद्यालय में पिछले करीब दो माह से सफाई न होने के कारण विद्यालय परिसर गंदगी से पट गया है। चारों ओर कूड़े के ढेर, गंदे शौचालय और दुर्गंध के बीच छात्र-छात्राओं को पढ़ाई करनी पड़ रही है। इससे अभिभावकों में बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर चिंता बढ़ गई है।

विद्यालय के प्रधानाध्यापक प्रमोद कुमार राय ने विकास खंड अधिकारी महरौनी को दिए शिकायती पत्र में बताया कि विद्यालय परिसर में तीन आंगनबाड़ी केंद्र, होम्योपैथिक अस्पताल और एक लाइब्रेरी भी संचालित हैं। इसके बावजूद संबंधित सफाईकर्मी पिछले दो माह से सफाई करने नहीं आया है। परिणामस्वरूप विद्यालय परिसर में जगह-जगह कूड़े के ढेर लग गए हैं और शौचालय भी गंदगी से भरे पड़े हैं।

प्रधानाध्यापक का आरोप है कि कई बार संबंधित सफाईकर्मी से सफाई कराने का अनुरोध किया गया, लेकिन उसने कोई ध्यान नहीं दिया। शिकायत करने पर अभद्र व्यवहार तक किया गया। उन्होंने बताया कि शिकायत किए एक माह से अधिक समय बीत जाने के बावजूद संबंधित अधिकारियों ने भी अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की है।

विद्यालय में फैली गंदगी और दुर्गंध के कारण बच्चों को पढ़ाई में कठिनाई हो रही है। साथ ही संक्रामक बीमारियों के फैलने की आशंका भी बनी हुई है। ग्रामीणों और अभिभावकों ने प्रशासन से विद्यालय की तत्काल सफाई कराने तथा जिम्मेदार कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई करने की मांग की है।

इनका कहना है

'संबंधित विद्यालय में सफाईकर्मी द्वारा नियमित सफाई नहीं की जा रही है। मामले का शीघ्र निरीक्षण कराया जाएगा और आवश्यक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।'
— नीतू वर्मा, खंड शिक्षा अधिकारी, महरौनी

सामाजिक समरसता का संदेश लेकर जाखलौन पहुंचा संत रविदास जयंती कलश, श्रद्धालुओं ने की पूजा-अर्चना

स्वतंत्र प्रभात | जाखलौन

भारतीय जनता पार्टी द्वारा संत रविदास जी की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में निकाली जा रही सामाजिक समरसता यात्रा का कलश गुरवार को जाखलौन मंडल के विभिन्न बूथों पर पहुंचा। श्रद्धालुओं ने कलश का विधिवत पूजन-अर्चना कर आरती उतारी तथा संत रविदास के संदेश 'मन चंगा तो कठौती में गंगा' को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

कलश यात्रा के तहत ककरूआ, जीरोन, आलापुर और ऐरा स्थित मंदिरों में महिलाओं ने मंगल कलश के साथ कलश का स्वागत किया। जाखलौन के इंद्र अखाड़ा मंदिर में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने सिर पर मंगल कलश रखकर यात्रा की अगवानी की। मंदिर के पुजारी पंडित मनोज चौबे ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ कलश का पूजन एवं आरती संपन्न कराई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलश यात्रा के जिला संयोजक बंशीधर श्रीवास 'बंशी बाबू' ने कहा कि संत रविदास ने सामाजिक समरसता, समानता और मानवता का संदेश दिया, जिसकी आज भी प्रासंगिकता बनी हुई है। उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति में महर्षि बाल्मीकि, संत रविदास, भक्त शबरी और मीराबाई जैसे महान संतों एवं भक्तों के माध्यम से सामाजिक समरसता की परंपरा सदैव मजबूत रही है। उन्होंने समाज में एकता और सद्भाव बनाए रखने का आह्वान करते हुए कहा कि संत रविदास के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से देशभर में सामाजिक समरसता कलश यात्राएं आयोजित की जा रही हैं।

इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष अनुसूचित जनजाति मोर्चा घासीराम सहरिया, पूर्व जिला उपाध्यक्ष एवं मंडल पालक सुरेश कौंते, मंडल अध्यक्ष देशपत कुशवाहा, अरस्तू उपाध्याय, हरिराम राजपूत, श्याम बिहारी कौशिक, जितेंद्र रिछारिया, मनोहर अहिरवार, अजय पाल, अजय कुशवाहा, विजय राजपूत, पंकज पुरोहित, माधव राजपूत, गंधर्व सिंह लोधी, हाकिम सिंह लोधी, कुंवर महेंद्र प्रताप सिंह बुंदेला, पूर्व प्रधान उमाशंकर चौबे, कुंवर शैलेंद्र सिंह बुंदेला, ग्राम प्रधान सुदर्शन अहिरवार, अवधेश बबेले, अनुरागेंद्र सिंह बुंदेला, प्रवेंद्र सिंह बुंदेला, कैलाश नारायण नागल, कृष्णा प्रजापति, धनराज यादव, रवि पाठक, पवन राजा, विपिन निरंजन, विपिंद्र कौंते, धर्मदास पटेल, राजीव पटेल, रामचरण सहरिया, अरविंद रजक, राकेश रजक, तेज सिंह अहिरवार, लक्ष्मी नारायण अहिरवार सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

जनपद के ग्राम चौकीदारों ने चार सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदर्शन कर की नारेबाजी

वॉइस ऑफ चौकीदार सेवा समिति राष्ट्रीय चौकीदार सेवा समिति के बैनर तले डीएम को ज्ञापन देकर मांगों को पूरा करने की उठाई मांग

मांग पूरी न होने पर चुनाव में दरकिनार होने का दिया हवाला

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

अंग्रेजी शासन काल से अब तक जनपद में तैनात चौकीदारों की विभिन्न समस्याओं का अब तक समाधान नहीं हो पाया है जबकि यह चौकीदार कानून व्यवस्था को बनाने में रीड की हड्डी का काम करते हैं और गांव की सूचनाओं एकत्रित कर पुलिस अधिकारी कर्मचारी तक भी पहुंचते हैं। इसके बावजूद शासन प्रशासन द्वारा उनकी अनदेखी की जा रही है। इस मामले को लेकर जनपद के आधा सैकड़ा से अधिक चौकीदार वॉइस ऑफ चौकीदार सेवा समिति व राष्ट्रीय चौकीदार सेवा समिति के बैनर पैलेस धरना प्रदर्शन करते हुए कलेक्ट परिसर पहुंचे जहां उन्होंने शासन प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और अपनी चार सूत्रीय मांगों को लेकर जिला अधिकारी को ज्ञापन देकर जल्द से जल्द सभी मानव पूरा करने की मांग उठाई। ग्राम चौकीदारों की प्रमुख समस्याओं में थाना स्तर पर हो रहे शोषण को बंद करने, पुलिस जैसी सम्मानित वर्दी मिलने, डिजिटल सशक्त बनाए जाने, महंगाई के मुद्दे पर नजर रखते हुए मानदेय बढ़ाए जाने और समय सीमा को खत्म करने जैसी समयाएँ शामिल है। बताते चलें कि इसके पहले भी चौकीदार और उनके परिजन कलेक्ट्रेट परिसर में धरना प्रदर्शन कर इस संबंध में ज्ञापन दे चुके हैं, लेकिन अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। इसके साथ ही उन्होंने मांगे माने ना जाने पर आगामी चुनाव में सरकार का साथ न देने का वादा किया है।

अंग्रेजी शासन काल से लेकर अब तक शासन की मंशा की अनुरूप गांव में चौकीदारों की नियुक्ति इसलिए की गई थी कि वह गांव की छोटी से छोटी और बड़ी से बड़ी गतिविधियों को अधिकारियों तक पहुंच सके। जिससे मामला अधिकारियों की संज्ञान में आ सके और उससे निपटने के लिए वह अपनी रणनीति भी लागू कर सकें। यही चौकीदार शासन प्रशासन के मुखबिर तंत्र की रीड की हड्डी है, जो लगातार उन्हें कर गतिविधियों से अवगत कराते रहते हैं। लेकिन वर्तमान समय में यह चौकीदार अब अपेक्षित श्रेणी में आने लगे हैं। जिनकी सुख सुविधाओं और जीवन यापन पर ना तो शासन प्रशासन ध्यान दे रहा है और ना ही चुने गए राजनेता उनके लिए कोई काम कर रहे हैं। यही कारण है कि ग्राम प्रहरी चौकीदारों में खासा आक्रोश पनप रहा है, जिसका जीता जागता नमूना उस समय देखने को मिला, जब गुरुवार को जनपद की पुलिस विभाग में तैनात करीब आधा सैकड़ा चौकीदार वॉइस ऑफ चौकीदार सेवा समिति व राष्ट्रीय चौकीदार सेवा समिति के बैनर तले अपनी समस्याओं को लेकर एक बार फिर प्रशासन तक पहुंचे। इस दौरान सभी चौकीदारों ने शहर की सड़कों पर प्रदर्शन कर शासन प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और कलेक्ट्रेट परिसर पहुंचकर वहां भी नारेबाजी की। इसके साथी समस्त चौकीदारों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन देकर लंबित पड़ी मांगों को जल्द से जल्द पूरा करने की मांग उठाई। चौकीदारों की प्रमुख मांगों में बताया गया है कि प्रत्येक थाने पर ग्राम चौकीदार का हो रहा शोषण बंद किया जाए। ग्राम चौकीदारों में आज युवा देखें जा रहे है, इसलिए इन्हें सम्मानित वर्दी मिले और डिजिटल सशक्त बनाया जाए। इसके साथ ही उनका मानदेय बढ़ाकर महंगाई के मुद्दे पर नजर रखते हुए उन्हें सम्मानित मानदेय दिया, जाए ताकि वह अपना और अपने परिवार का भरण पोषण कर सकें। ग्राम चौकीदार का ड्यूटी का कोई समय नहीं है, जब चाहे इन्हें अधिकारी बुला लेते हैं, जिससे यह कहीं और अन्य जगह नौकरी नहीं कर पाते। इसलिए इन्हें 30 ड्यूटी का मानदेय दिया जाना चाहिए, ताकि इनका भरण पोषण हो सके। बताया गया है कि अभी चौकीदारों को सिर्फ 2500 रूपये के आसपास का मानदेय दिया जाता है, जिनमें उनके परिवार का भरण पोषण संभव नहीं है। इसलिए यह सम्मानजनक मानदेय के उत्तराधिकारी भी है, क्योंकि यह कानून व्यवस्था की रीड की हड्डी भी होते हैं। इस दौरान चौकीदार संगठन ने कहा कि यदि उनकी मांगों पर विचार नहीं किया गया, तब आगामी चुनाव में वह सरकार का साथ नहीं देंगे।

वारंटी गिरफ्तार, आबकारी अधिनियम के मामले में था वांछित

स्वतंत्र प्रभात | तालबेहट

पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में चलाए जा रहे वांछित एवं वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी अभियान के तहत तालबेहट पुलिस ने गुरुवार को एक वारंटी को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया।

पुलिस के अनुसार अपर पुलिस अधीक्षक और क्षेत्राधिकारी तालबेहट के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक अशोक कुमार वर्मा के नेतृत्व में उपनिरीक्षक विकास कुमार व पुलिस टीम ने कस्बा तालबेहट के वार्ड नंबर-7, चौबयाना निवासी प्रकाश रैकवार (47) पुत्र सट्टू रैकवार को गिरफ्तार किया। आरोपी के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 60 से संबंधित मामले में माननीय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) न्यायालय, ललितपुर द्वारा गैर-जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) जारी किया गया था। पुलिस ने वारंटी को गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करने के बाद माननीय न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया। गिरफ्तारी टीम में प्रभारी निरीक्षक अशोक कुमार वर्मा, उपनिरीक्षक विकास कुमार तथा आरक्षी शिवेन्द्र प्रताप सिंह सेंगर शामिल रहे।

संक्षिप्त खबरें

अमरपुर मंडी में शुरू हुआ फल-फ्रूट व सब्जी कारोबार

पहले दिन कम रही ग्राहकों की आवाजाही

व्यापारियों ने मूलभूत सुविधाएं बढ़ाने और बेहतर आवागमन व्यवस्था की उठाई मांग

ललितपुर। जिलाधिकारी सत्य प्रकाश की पहल पर नगर के नझाई बाजार में संचालित फल-फ्रूट एवं सब्जी की दुकानें अब अमरपुर मंडी में स्थानांतरित हो गई हैं। गुरुवार को कई सब्जी एवं फल व्यापारियों ने नई मंडी में अपनी दुकानें सजाकर कारोबार की शुरुआत की। हालांकि पहले दिन ग्राहकों की संख्या अपेक्षाकृत कम रही, जिससे व्यापारियों को बेहतर व्यवस्थाओं और प्रचार-प्रसार की आवश्यकता महसूस हुई। फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया व्यापार मंडल से संबद्ध सब्जी, फल-फ्रूट व्यापार प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष मु.करीम पप्पू राईन ने बताया कि शहर से लगभग पांच किलोमीटर दूर स्थित अमरपुर मंडी में कारोबार शुरू होने के बावजूद पहले दिन ग्राहकों की आवाजाही कम रही। उन्होंने कहा कि नई मंडी में व्यापार को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए अभी कई मूलभूत सुविधाओं की आवश्यकता है। व्यापारियों का कहना है कि मंडी परिसर में पेयजल, शौचालय, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, साफ-सफाई, पार्किंग और सुरक्षा जैसी सुविधाओं को और बेहतर बनाया जाना चाहिए, ताकि व्यापारियों और ग्राहकों दोनों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। व्यापारियों ने जिला प्रशासन से मांग की कि अमरपुर मंडी तक आने-जाने के लिए बेहतर परिवहन एवं आवागमन की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही मंडी को व्यवस्थित रूप से विकसित कर आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाए, जिससे अधिक से अधिक ग्राहक यहां पहुंच सकें और व्यापारियों को भी राहत मिल सके। व्यापारियों ने उम्मीद जताई कि जिला प्रशासन उनकी मांगों पर सकारात्मक कदम उठाएगा और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध होने के बाद अमरपुर मंडी शहर की प्रमुख फल एवं सब्जी मंडी के रूप में विकसित होगी।

बाल विवाह कराने पर अभिभावकों व रिश्तेदारों पर दर्ज होगी एफआईआरः डीएम

» बाल कल्याण समिति व संरक्षण समिति की बैठक में डीएम के सख्त निर्देश-महिलाओं और बच्चों से सम्बंधित योजनाओं के आवेदन किसी भी स्तर पर न रहे लंबित

» प्रत्येक स्कूली वाहन की फिटनेस सहित वाहन चालक का नाम, नम्बर व चालक का पुलिस वेरिफिकेशन हो अनिवार्य

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

जिलाधिकारी सत्य प्रकाश की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति मिशन वात्सल्य की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि महिला कल्याण विभाग की सभी योजनाएं महिलाओं और बच्चों से सम्बंधित हैं, इसलिए इनके आवेदन किसी भी स्तर पर लंबित न रहें, यदि कोई भी अधिकारी इन्हें अपने स्तर पर लंबित रखता है तो मेरे संज्ञान में लाया जाए, सम्बंधित के विरुद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने जनपद में बाल विवाह और घरेलू हिंसा जैसे मुद्दों पर गंभीरता से वार्ता करते हुए गांव-गांव में इनके दुष्परिणामों के बारे में लोगों को जागरुक करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि लोगों को बतायें कि बाल विवाह एक कानूनी व सामाजिक अपराध है, इसमें शामिल अभिभावकों व अन्य रिश्तेदारों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराकर कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने बालश्रम व बाल भिक्षावृत्ति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिये कि श्रम विभाग द्वारा जनपद में होटलों, दुकानों, ट्रेनों व अन्य स्थानों पर छापामार कार्यवाही की जाए, इसके साथ ही परिवहन विभाग द्वारा बच्चों की सुरक्षा की दृष्टि से सभी स्कूली वाहनों की फिटनेश चेक की जाए और यह भी सुनिश्चित किया जाए कि प्रत्येक स्कूली बस, टैक्सी, टेम्पो आदि पर वाहन चालक का नाम, नम्बर सहित जरूरी सूचनाएं अंकित हों और वाहन चालक का पुलिस वैरिफिकेशन कराया गया हो। बैठक में जिला प्रोबेशन अधिकारी नन्दलाल सिंह ने विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, पीएम केयर्स फॉर चिन्ड्रन स्कीम, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, पति की मृत्यु उपरान्त निराश्रित महिलाओं की पुत्री विवाह हेतु अनुदान, 0 से 18 वर्ष के बच्चों के संरक्षण, शिक्षा, स्वास्थ्य, बालश्रम, यौन शोषण, पलायन, मानव तस्करी, भिक्षावृत्ति, कार्य स्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न, दहेज प्रतिशेध अधिनियम, बाल विवाह, पुनर्विवाह दम्पत्ति पुरस्कार, दहेज से पीड़ित महिला को आर्थिक सहायता, उ0प्र0 रानी लक्ष्मीबाई महिला एवं बाल सम्मान कोष, घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम 2005 आन्तरिक परिवाद समिति/स्थानीय परिवाद समिति, बाल विवाह रोकथाम, सखी वन स्टॉप सेन्टर, डिस्ट्रिक हब इम्पावरमेंट ऑफ वूमेन, एक युद्ध नशे के विरुद्ध, चाइल्ड हेल्पलाइन यूनिट, राजकीय विशेष दत्तक ग्रहण इकाई, मिशन शक्ति फेज-5, बाल कल्याण समिति, किशोर न्याय बोर्ड, मानव तस्करी आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।बैठक में मुख्य विकास अधिकारी शेषनाथ चौहान, अपर जिलाधिकारी वि/रा दिनेश कुमार, अपर जिलाधिकारी न्यायिक, क्षेत्राधिकारी सदर, जिला सूचना अधिकारी डीएस दयाल, जिला कार्यक्रम अधिकारी नीरज सिंह सहित बाल संरक्षण समिति, किशोर न्याय बोर्ड आदि के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

2.080 किलो अवैध गांजे के साथ तस्कर गिरफ्तार

एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

कोतवाली पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए 2 किलो 80 ग्राम अवैध गांजे के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अभियुक्त के कब्जे से 2.080 किलोग्राम गांजा तथा 790 रुपये नकद बरामद किए हैं। मामले में स्वापक औषधि एवं मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम की सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर अभियुक्त को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार 6 अगस्त 2026 की देर रात लगभग 12.40 बजे चौकी प्रभारी सदर उपनिरीक्षक प्रशांत राणा अपनी टीम में आरक्षी अमित कुमार, राहुल कुमार एवं सूरज सिंह के साथ गोविंद नगर तिराहे पर गश्त एवं संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति पनारी रोड की ओर से नहर की पटरी के रास्ते हाथ में पन्नी लेकर अवैध गांजा बेचने के उद्देश्य से ललितपुर शहर की ओर आ रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी सदर अजय कुमार के निर्देशन में चौकी प्रभारी नेहरू नगर उपनिरीक्षक अंकित कौशिक तथा चौकी प्रभारी नई बस्ती उपनिरीक्षक आलोक कुमार सिंह सहित संयुक्त पुलिस टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने यमुना पुरम कॉलोनी पुलिया के पास घेराबंदी कर संदिग्ध युवक को पकड़ लिया। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट की धारा 50 के प्रावधानों का पालन करते हुए क्षेत्राधिकारी सदर अजय कुमार की उपस्थिति में अभियुक्त की तलाशी ली। तलाशी के दौरान उसके पास मौजूद दो पैकेटों से कुल 2.080 किलोग्राम अवैध गांजा (1.040 किलोग्राम + 1.040 किलोग्राम) तथा 790 रुपये नकद बरामद हुए। बरामद गांजे का वजन डिजिटल तराजू से कराया गया तथा बरामदगी एवं कार्रवाई की वीडियोग्राफी ई-साक्ष्य ऐप के माध्यम से कराई गई। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान मोहल्ला भदौरियापुरा निवासी सुनील कुशवाहा पुत्र स्व. भद्दूसिंह कुशवाहा के रूप में हुई है। पुलिस ने अभियुक्त के विरुद्ध स्वापक औषधि एवं मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985 की धारा 8/20 के तहत मुकदमा दर्ज किया है। साथ ही विवेचना एवं साक्ष्य संकलन की कार्रवाई बीएनएसएस की धारा 105 एवं धारा 173 के प्रावधानों के अनुसार की गई है।

मुन्ना भाई बनकर होमगार्ड परीक्षा पास करने वाला कानपुर का अभ्यार्थी बृजेश कुमार दस्तावेज वेरिफिकेशन में पकड़ा

» वेरीफिकेशन अधिकारी की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज

» लगाये गये आधार कार्ड के दस्तावेजों में दर्ज जन्मतिथि में किया गया था हेर फेर

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

कुछ समय पूर्व आयोजित की गई उत्तर प्रदेश होमगार्ड प्रवेश परीक्षा में मुन्ना भाई बनकर दस्तावेजों में हेरफेर कर होमगार्ड की परीक्षा देने वाला कानपुर का परीक्षार्थी जनपद में हुए दस्तावेज वेरिफिकेशन के दौरान दबोचा गया। जांच के दौरान अभ्यर्थी के आधार कार्ड व अंक पत्र में हेरा फेरी की जानकारी हुई। जिसके बाद जांच अधिकारी ने शिकायती पत्र देकर आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी की धाराओं में मामला दर्ज कराया। बताते चलें कि जनपद के स्थानीय पुलिस लाइन में अभिलेख की समीक्षा एवं शारीरिक मानक परीक्षण की परीक्षा आयोजित की गई थी जहां वह प्रतिभाग करने आया था।

मिली जानकारी के अनुसार कुछ समय पूर्व शासन के निर्देश पर उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती बोर्ड लखनऊ द्वारा उत्तर प्रदेश होमगार्ड के पदों पर भर्ती परीक्षा पूरे यूपी में संपन्न कराई गई थी। इस परीक्षा को सकुशल संपन्न करने के लिए सभी पुलिस और प्रशासनिक व्यवस्थाओं के साथ-साथ सीसीटीवी कैमरा की व्यवस्था की निगरानी में परीक्षा संपन्न कराई गई थी। लेकिन कानपुर निवासी बृजेश कुमार पुत्र मदनलाल ने मुन्ना भाई बनकर इस प्रवेश परीक्षा में प्रतिभा किया। हालांकि प्रवेश परीक्षा में वह सफल रहा लेकिन डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के दौरान वह दबोच लिया गया। बताया गया है कि दिनांक 4 अगस्त 2026 को जनपद के स्थानीय पुलिस लाइन में होमगार्ड भर्ती हेतु अभिलेख की सभी इच्छा एवं शारीरिक मानक परीक्षण (डीवी/पीएसटी) का आयोजन किया गया, जहां उक्त मुन्ना भाई भी आया था। इस दौरान ज़ब बृजेश कुमार उर्फ़ मुन्ना भाई के बायोमेट्रिक के दौरान आधार कार्ड की जांच की गई, तो जानकारी हुई की पहली जन्मतिथि 13 जनवरी 1986 और दूसरी जन्मतिथि 13 अगस्त 1990 मौजूद थी। इसके साथ ही हाई स्कूल की अंक पत्र में भी अनुक्रमांक और वर्ष अलग-अलग दर्ज किए गए थे। जब दोनों ही दस्तावेज संदिग्ध पाई गई तब उनकी जांच कराई गई, जिसमें जानकारी हुई, कि हाई स्कूल के प्रमाण पत्र में इसलिए जन्मतिथि दर्ज कराई गई थी कि अभ्यर्थी ओवरहेड हो रहा था इसलिए डुप्लीकेट मार्कशीट बनवाकर और आधार कार्ड बनवा कर रस परीक्षा में प्रतिभा किया गया। इसके बाद जांच अधिकारी फारूक अहमद ने कोतवाली पुलिस को उक्त मामले को लेकर शिकायती पत्र दिया मामला सामने आने पर आरोपी के खिलाफ 318(4), 338, 336(3), 340(2) धाराओं में मामला पंजीकृत कर विवेचना प्रारंभ कर दी है।

पीडीए में हर वर्ग का हित सुरक्षित - महेश कश्यप

महरौनी विधानसभा में सपा ने किया पीडीए जन पंचायत एवं जन संवाद

स्वतंत्र प्रभात | महरौनी

समाजवादी पार्टी के तत्वावधान में पीडीए जन पंचायत एवं जन संवाद कार्यक्रम महरौनी विधानसभा अंतर्गत ब्लाक मड़ावरा के ग्राम धौरीसागर में विधिवत सम्पन्न हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव महेश कश्यप, तो सपा जिलाध्यक्ष नेपाल सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता पीडीए जन मंच के संस्थापक सदस्य मास्टर ए. के. सिंह द्वारा की गई। जबकि संचालन डा रामपाल निरंजन ने किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश सचिव महेश कश्यप ने कहा कि पीडीए में हर वर्ग का हित सुरक्षित है। राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की नीतियों से प्रभावित होकर आज समाज का हर वर्ग समाजवादी पार्टी का दामन थाम रहा है। इसी कारण भाजपा घबराई हुई है और गलत बयानबाजी कर जनता को भ्रमित करने का काम कर रही है। अब जनता जान चुकी है। अब भाजपा के बहकावे में नहीं आने वाली है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पीडीए जन मंच के संस्थापक सदस्य मास्टर ए. के. सिंह ने कहा कि पीडीए ही भारतीय जनता पार्टी को 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव में हराएगा और अखिलेश यादव पुनः मुख्यमंत्री बनेंगे। इसके उपरांत सपा जिलाध्यक्ष नेपाल सिंह ने कहा कि पीडीए जन पंचायत एवं जन संवाद से ललितपुर जनपद में अधिक से अधिक लोग समाजवादी विचारधारा से प्रभावित होकर पार्टी में शामिल हो रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि सभी कार्यकर्ता आपसी मतभेद भुलाकर एकजुट होकर विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटे। इस दौरान अनूसूचित प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष मोहन घायल, पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव महेंद्र झा, महरौनी विधानसभा अध्यक्ष निर्भान सिंह यादव, जिला उपाध्यक्ष करन सिंह पटेल, सुखदयाल अहिरवार, जिलाध्यक्ष अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ जावेद खान मंसूरी, जिला उपाध्यक्ष प्रकाश नारायण पाल, हिमांशु राजा, रामसिंह लोधी, खूबचंद सेन, राजेंद्र सिंह यादव, संतोष यादव, द्वारिका पटेल, राजेंद्र सिंह यादव, पुष्पेंद्र सिंह लोधी, कल्याण सिंह लोधी, हरचरण रैकवार, रामानंद साहू, मोतीलाल यादव आदि मौजूद रहे।

समाजवादी पार्टी की ली सदस्यता

पीडीए जन पंचायत एवं जन संवाद कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की विचारधारा से प्रभावित होकर अरविंद कुमार निषाद, जीवन लाल चंदेल, रामराजा यादव, जयराम रैकवार, आशाराम रैकवार, सुदामा रैकवार, उम्मेद रैकवार, बबलू रैकवार, शंकर लाल सहरिया ने समाजवादी पार्टी की सदस्यता लेते हुए पार्टी को मजबूत करने का संकल्प लिया।

साले को मौत की नींद सुलाने वाले जीजा के खिलाफ मामला दर्ज

मृतक की मां ने पुलिस को दिया था शिकायती पत्र

ललितपुर। सदर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत शहर के स्थानीय बस स्टैंड पर जीजा और साले के बीच बहन को लेकर हुए विवाद में शराबी जीजा ने मारपीट कर अपने साले को मौत की नींद सुला दिया था और इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराकर वहां से रफू-चक्कर हो गया। इस मामले को लेकर मृतक की मां ने कोतवाली पुलिस को शिकायती पत्र देकर आरोपी अपने ही दामाद के खिलाफ अपने पुत्र की मौत का मामला दर्ज कराया।

थाना नाराहट क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम नयागांव निवासी 40 वर्षीय देवेंद्र सिंह पुत्र हरदेव सिंह शनिवार को मध्य प्रदेश के विदिशा स्थित न्यायालय में अपने नाना के घर की जमीन के विवाद की तारीख करके रविवार को रात्रि करीब 8:00 बजे ट्रेन से विदिशा से लौटा, जो स्थानीय बस स्टैंड अपने गांव जाने के लिए पहुंचा। बताया गया है कि बस स्टैंड पर ही उसका जीजा ग्राम महरौनी क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पड़वा निवासी महाराज सिंह उसे मिल गया। क्योंकि महाराज सिंह ग्वालियर में अपनी बुआ सुनीता उर्फ़ कनका के घर रह रही अपनी पत्नी को लेने गया हुआ था, लेकिन पति-पत्नी के विवाद में पत्नी ने आने से इनकार कर दिया और जीजा महाराज सिंह अपने 7 वर्षीय पुत्र जय सिँह को लेकर चलाया आया। इसी दौरान दोनों ने एक साथ बैठकर शराब पी और इसी शराब के नशे में तब बहन को परेशान करने को लेकर साले देवेंद्र ने अपने जीजा को उलाहना दिया। तब शराब के नशे में जीजा महाराज सिंह ने अपने साले देवेंद्र की पिटाई कर दी। इसी मारपीट के दौरान साल देवेंद्र बस स्टैंड पर ही अचेत होकर गिर पड़ा, जिसके शरीर पर चोट के निशान भी पाए गए। साले के बेहोश होने के बाद जीजा उसे टैक्सी में रखकर इलाज के लिए शहर के मेडिकल कॉलेज लेकर आया, जहां उसने अपने साले को भर्ती कर दिया। जब इमरजेंसी वार्ड में तैनात डॉक्टर ने साले को मृतक घोषित कर दिया जिसके बाद जीजा साले के शव को अस्पताल में ही छोड़कर वहां से रफू चक्कर हो गया। इसके बाद मृतक की मां राधा रानी पत्नी स्वर्गीय हरदीप सिंह निवासी ग्राम नयागांव ने कोतवाली पुलिस को शिकायती पत्र देकर अपने ही दामाद महाराज सिंह पर अपने पुत्र की मारपीट कर हत्या करने का आरोप लगाया सदर कोतवाली पुलिस ने मामले को संज्ञान में लेकर शिकायती पत्र के आधार पर आरोपी दामाद के खिलाफ धारा 105 में मामला पंजीकृत कार्यवाही की है।

खेत से लौट रहे दंपती पर लाठी-डंडों से हमला, चार पर मारपीट का आरोप

तालबेहट । थाना क्षेत्र के ग्राम ककडारी मजरा नौर में खेत से घर लौट रहे दंपती के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़िता ने थाना तालबेहट में तहरीर देकर चार लोगों पर लाठी-डंडों से हमला करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। शिकायत के अनुसार ग्राम ककडारी मजरा नौर निवासी शारदा पत्नी गणेश काछी ने बताया कि 3 अगस्त की शाम करीब 7 बजे वह अपने पति गणेश के साथ खेत से घर लौट रही थीं। आरोप है कि रास्ते में बृजलाल पुत्र जम्मा, राजू पुत्र बाबूलाल, कल्लू पुत्र छक्कीलाल तथा अर्जुन पुत्र अशोक काछी, निवासी ग्राम विजरौठा मजरा नौर, लाठी-डंडे लेकर पहुंचे और गाली-गलौज करते हुए उनके पति के साथ मारपीट कर दी। घटना में गणेश को चोटें आई हैं। पीड़िता का आरोप है कि जाते समय आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। उन्होंने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। कोतवाली पुलिस ने चारों नामजद आरोपितों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया।

ई-ट्राई साइकिल पाने के लिए 10 अगस्त तक करें आवेदन

ललितपुर । वित्तीय वर्ष 2026-27 में ऐसी स्कूल जाने वाली / शिक्षण प्रशिक्षण प्राप्त कर रही दिव्यांग छात्राये जो दैनिक कक्षाओं लाइब्रेरी, लैब, हॉस्टल अदि में सुगम आवागमन की सुविधा प्राप्त नहीं कर पाती हैं। उनको ई-ट्राइसाइकिल प्रदान कर शैक्षिक पुनर्वासन किये जाने हेतु प्रावधान किया गया है। ई-ट्राई साइकिल पाने के लिए दिव्यांगजन मस्कुलर डिस्ट्रोफी, स्ट्रोक, सेरेब्रल पैलसी, आदि से ग्रसित न हो, उसकी दृष्टि अच्छी हो, मानसिक स्थिति अच्छी हो, कमर के उपर का हिस्सा (भाग) स्वस्थ हो संबंधित दिव्यांग छात्रा ई-ट्राइसाइकिल पर बैठकर हाथों से उपकरण का संचालन करने में सक्षम हो। आयु 16 वर्ष या 16 वर्ष से अधिक के दिव्यांगजन, जो उत्तर प्रदेश के निवासी हों उक्त योजनान्तर्गत पात्र होंगे। ई-ट्राइसाइकिल हेतु जनपद स्तर की तकनीकी समिति द्वारा शारीरिक स्थिति की सक्षमता का भौतिक परीक्षण किया जायेगा और भौतिक परीक्षण में छात्रा को ई-ट्राइसाइकिल हेतु उपयुक्त पाये जाने पर प्रथम आवक प्रथम पावक के आधार पर प्रदान की जायेगी। जनपद स्तर पर उक्त योजनान्तर्गत स्कूल जाने वाली एवं शिक्षण-प्रशिक्षण प्राप्त कर रही दिव्यांग छात्राओं के संस्थान द्वारा अध्ययनरत होने का प्रमाण-पत्र संबंधित संस्थाध्यक्ष द्वारा प्रदान किया जायेगा।

बरोदा डांग की कुशवाहा क्षत्रिय लिखी एक गाड़ी को पारोन में रोककर कुछ कुंठित मानसिकता वाले असामाजिक तत्वों ने किया हंगामा

» गुंडागर्दी और तानाशाही दिखाते हुए क्षत्रिय शब्द हटवाने का दबाब बनाने का आरोप

» हंगामे का वीडियो सोशल मीडिया पर हुआ वायरल, कुशवाहा समाज में पनपा आक्रोश

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

जनपद में आज भी कुंठित मानसिकता के उच्च नीच का व्यवहार करते हैं जिससे आम जनमानस में आक्रोश भड़कता हुआ दिखाई देता है। ऐसे ही एक मामले में जब एक ग्रामीण की दो पहिया वाहन पर कुशवाहा क्षत्रिय समाज की पट्टी लगाकर उसे अपने गांव से दूसरे के गांव तक दौड़ी गया तो विपक्षी के ग्रामीणों ने वाहन चालक को रोक लिया और अपनी कुंठित मानसिकता का परिचय देते हुए उसकी गाड़ी पर लिखे हुए क्षत्रिय समाज को हटाने का दबाव बनाया। बताया गया है कि इस दौरान गांव की दबंगों ने कुशवाहा समाज के ग्रामीण की गाड़ी को रोककर उसकी गाड़ी पर लिखा क्षत्रिय शब्द को हटाने का दावा बनाया जिसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है और कुशवाहा समाज में क्षत्रिय समाज के खिलाफ आक्रोश देखा जा रहा है।

गुरुवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ, जहां एक गांव में एक दोपहिया वाहन चालक खड़ा हुआ है और कुछ कुंठित मानसिकता के लोग उस वाहन पर लिखे हुए कुशवाहा समाज के साथ क्षत्रिय समाज के शब्द को हटाने का दबाव बनाते हुए दिखाई दे रहे हैं। जानकारी करने पर पता चला कि यह थाना बार क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पारोन का है, जहां कुशवाहा और क्षत्रिय शब्द एक साथ लिखने पर दबंगों ने कड़ी आपत्ति जताई। बताया गया है कि ग्राम बरौदा डांग निवासी एक ग्रामीण अपनी दो पहिया वाहन पर कुशवाहा क्षत्रिय समाज लिखकर गाड़ी चला रहा था। बताया गया है कि गुरुवार को यह अपने निजी काम से पास के ही गांव पारोन गाड़ी लेकर पहुंचा तो वहां पर मौजूद क्षत्रिय समाज के लोगों ने उसे गांव में सरेआम रोक लिया और उसके साथ आपदाता करते हुए उसकी गाड़ी पर एक साथ लिखे हुए कुशवाहा और क्षत्रिय शब्द पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कुशवाहा समाज से क्षत्रिय शब्द को हटाने का दबाव बनाने लगे। जब कुशवाहा समाज के युवक और गांव के क्षत्रिय समाज की युवकों के बीच नोक झोक हो रही थी तभी किसी ग्रामीण ने उसका वीडियो बनाया और सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया जो लगातार वायरल हो रहा है जिस पर लोग तरह-तरह से अपनी अपनी प्रतिक्रियाएं व्यक्त कर रहे हैं और यह जनपद में चर्चा का विषय बना हुआ है। हालांकि इस मामले को लेकर पुलिस प्रशासन अपनी चौकस निगाहें बनाए हुए हैं पर पल-पल की निगरानी कर रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षत्रिय समाज के दबंग लोगों की कुंठित मानसिकता का नतीजा है कि आज दो समाजें आपस में बटने की कगार पर ख़डी हो गई है।

जेई की लापरवाही से रुका सड़क निर्माण

» पाइपलाइन न बिछने से जुगपुरा के लोग परेशान

» एडीएम नमामि गंगे के निर्देश के बाद भी नहीं हुआ मौका मुआयना

» अमृत योजना का कार्य अधर में, मोहल्लेवासियों ने की सख्त कार्रवाई की मांग

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

नगर के वार्ड संख्या 8 स्थित जुगपुरा मोहल्ले में विकास कार्य एक जूनियर इंजीनियर (जेई) की कथित लापरवाही की भेंट चढ़ गया है। मां अहिल्याबाई बालिका इंटर कॉलेज के पीछे प्रस्तावित सड़क निर्माण कार्य पाइपलाइन न डाले जाने के कारण रुका हुआ है, जिससे स्थानीय लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस क्षेत्र में सड़क निर्माण से पहले योजना के तहत पेयजल पाइपलाइन बिछाई जानी है, ताकि सड़क बनने के बाद उसे दोबारा खोदने की आवश्यकता न पड़े और क्षेत्रवासियों को बेहतर पेयजल सुविधा उपलब्ध हो सके। लेकिन संबंधित जूनियर इंजीनियर की उदासीनता के कारण अब तक पाइप लाइन बिछाने का कार्य शुरू नहीं हो सका है, जिसके चलते सड़क निर्माण भी ठप पड़ा हुआ है। मामले को गंभीरता से लेते हुए विगत दिनों अपर जिलाधिकारी (नमामि गंगे) संजय मिश्रा ने संबंधित जेई वेदप्रकाश को तत्काल मौके का निरीक्षण कर पाइपलाइन बिछाने की कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, लेकिन आरोप है कि निर्देशों के बावजूद जेई ने न तो मौके का निरीक्षण किया और न ही कार्य शुरू कराने में कोई रुचि दिखाई। स्थानीय लोगों का कहना है कि लंबे समय से सड़क निर्माण कार्य रुका होने के कारण आवागमन में दिक्कतें हो रही हैं। बरसात के मौसम में रास्ता कीचड़युक्त हो जाता है, जिससे बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ रही है। लोगों का यह भी कहना है कि यदि समय रहते पाइपलाइन डाल दी जाती तो अब तक सड़क का निर्माण पूरा हो चुका होता। मोहल्लेवासियों ने जिलाधिकारी से पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने, संबंधित जूनियर इंजीनियर की कार्यशैली की समीक्षा करने तथा पाइपलाइन बिछाने का कार्य तत्काल शुरू कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो विकास कार्य अनावश्यक रूप से और अधिक प्रभावित होगा तथा आम जनता को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा।

संक्षिप्त खबरें

सर्पदंश से किशोर की हुई मौत

कोंच(जालौन)- सींगपुरा गांव में सोते समय सर्प के काटने से 16 वर्षीय किशोर की मौत हो जाने की घटना सामने आयी है। जानकारी के अनुसार, सींगपुरा गांव निवासी सुभाष जाटव (16) पुत्र चंदन सिंह घर में बने अपने कमरे में सो रहा था। गुरुवार की सुबह करीब 7 बजे वहां मौजूद सर्प ने सुभाष को काट लिया जिससे सुभाष अचेत हो गया। कुछ समय बाद परिजनों को जब मालूम चला तो सुभाष को गंभीर हालत में यहां-वहां दिखाने के लिए ले गए। जब कहीं से कोई आराम नहीं मिला तो फिर उसे लेकर सीएचसी पहुंचे जहां चिकित्सकों ने देखते ही मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि सर्प काटने के तुरंत बाद बगैर समय गंवाए यदि चिकित्सकीय उपचार मिलता तो शायद उसकी जान बचाई जा सकती थी। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। मृतक दो भाइयों में छोटा था और यहां गांव में रहकर अपनी मां के काम में हाथ बंटाता था जबकि पिता और बड़ा भाई बाहर शहर में काम धंधा करते हैं।

हाईटेंशन बिजली लाइन से टकराकर राष्ट्रीय पक्षी मोर की मौत

कोंच(जालौन)- बुधवार की रात मथुरा प्रसाद महाविद्यालय के समीप राष्ट्रीय पक्षी मोर की हाईटेंशन विद्युत लाइन की चपेट में आने से मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मोर महाविद्यालय की दीवार पर बैठा हुआ था। कुछ देर बाद वह उड़ान भरकर दूसरे स्थान पर जाने लगा, लेकिन इसी दौरान वह विद्युत हाईटेंशन लाइन से टकरा गया। लाइन से टकराते ही उसे जोरदार करंट लगा जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। आसपास के लोगों ने इसकी सूचना वन विभाग को दी। वन रक्षक शिवम शर्मा मौके पर पहुंचे और मृत मोर को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई के लिए साथ ले गए। आसपास के लोगों का कहना है कि खुले और नीचे झूलती हाईटेंशन लाइन वन्यजीवों और पक्षियों के साथ ही इंसान के लिए लगातार खतरा बनी हुई है। उन्होंने विद्युत विभाग से ऐसे सभी स्थानों पर सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके।

नेशनल हाईवे पर भीषण हादसा: इन्वर्टिस के पास दो ट्रकों की टक्कर में 2 की मौत

टक्कर में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और दो गंभीर रूप से घायल हो गए

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली। नेशनल हाईवे पर बुधवार दोपहर भीषण हादसा हो गया। टायर फटने की वजह से आमने सामने आए दो ट्रकों की भिड़त हो गई जिसमें दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हैं। देर शाम एक मृतक की पहचान लखीमपुर खीरी के पसगवां थाना के सिमरा घाट गांव निवासी दिलवाग सिंह के रूप में हुई। जबकि दूसरे मृतक की पहचान नहीं हो सकी। घायल भी कुछ बताने की स्थिति में हैं। एक घायल व्यक्ति का पैर भी कट गया है। पुलिस का कहना हैं कि दूसरे मृतक की शिनाख्त का प्रयास जारी है। ट्रक मालिकों से संपर्क किया गया है। पुलिस के मुताबिक, हरियाणा का एक ट्रक दिल्ली से सेब लेकर बिहार की ओर जा रहा था। इन्वर्टिस विश्वविद्यालय के सामने जीरो प्वाइंट पर अचानक से उस ट्रक का टायर फट गया। जिसकी वजह से वह अनियंत्रित हुआ और रांग साइड (शाहजहांपुर से दिल्ली की ओर) आ गया। उधर, मध्य प्रदेश का एक ट्रक जो बहरानपुर से केले लेकर पीलीभीत जा रहा था। टायर फटने वाले ट्रक से भिड़ गया। मध्य प्रदेश के ट्रक की गति इतनी तेज थी कि टक्कर लगने के बाद दोनों ट्रकों के परखच्चे उड़ गए। केबिन में ही दोनों ट्रकों के चालक और हेल्पर फंसे रहे गए। दोनों ट्रकों के फल हाईवे पर फैल गए। लंबा जाम लग गया। सूचना पर पहुंची बिथरी पुलिस ने क्रेन की मदद से किसी तरह से ट्रकों के अंदर फंसे हुए लोगों को निकाला और अस्पताल भिजवाया। जहां डाक्टरों ने उसमें से दो लोगों को मृत घोषित कर दिया। जबकि, दो लोगों की हालत गंभीर बताई है। घायलों में से एक व्यक्ति के दोनों पैर भी कटना बताए जा रहे हैं। पुलिस का कहना हैं कि सेव का ट्रक लेकर जा रहे चालक दिलवाग सिंह की मौत हो गई मगर दूसरे की शिनाख्त नहीं हो सकी। पुलिस ने ट्रक नंबरों के आधार पर उनके मालिकों से संपर्क किया तो उन्होंने यह तो बता दिया कि उनके ट्रक कहां से कहां जा रहे थे, लेकिन वह यह नहीं बता सके कि ट्रक में ड्राइवर और हेल्पर कौन थे।

मालिकों का कहना था कि उनके पास कई ट्रक हैं और अलग-अलग चालक हेल्पर उन्हें लेकर जाते हैं। उन्होंने अपने कर्मचारियों से उनकी जानकारी मांगी है। शिनाख्त के बाद दूसरे मृतक और घायलों के स्वजन को सूचित किया जाएगा।

जाम खुलवाने में छूटे पसीने

घटना के बाद हाईवे पर लंबा जाम लग गया। पुलिस ने क्रेन की मदद से किसी तरह से दोनों ट्रकों को हटाकर सड़क के एक ओर किया। फिर जाम खुलवाना शुरू कर दिया। इतनी देर में करीब दो से ढाई किलोमीटर लंबा जाम लग चुका था। करीब दो से ढाई घंटे की मशक्कत के बाद पुलिस हाईवे को फिर से सुचारू कर पाई।

रोजाना ठिकाना बदलकर तेंदुआ वन विभाग के लिए बना चुनौती

वन विभाग की तमाम कोशिशें और दावे अब तक पूरी तरह नाकाम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

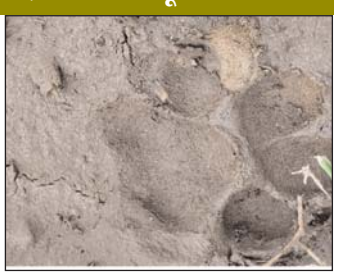

बरेली/ क्योलड़िया क्षेत्र में पिछले 12 दिनों से तेंदुए की डर दहशत बनी हुई है। रोजाना तेंदुआ लगातार अपने ठिकाने बदलकर अलग-अलग गांवों में दस्तक दे रहा है। इससे ग्रामीणों में भारी दहशत का माहौल है। वन विभाग की तमाम कोशिशें और दावे अब तक पूरी तरह नाकाम साबित हुए हैं, जिससे ग्रामीणों में रोष बढ़ता जा रहा है। हाल ही में भऊआ बाजार गांव में तेंदुए ने एक बाड़े में घुसकर एक साथ 7 बकरों को बेरहमी से मौत के घाट उतार दिया था। इस बड़ी घटना के बाद हरकत में आए वन विभाग ने गांव में एक पिंजड़ा लगाया और लोगों से सतर्क रहने की अपील की। इसके बावजूद तेंदुए की मूवमेंट पर कोई लगाम नहीं लग सकी है। बुधवार को तेंदुए को प्रह्लादपुर के जंगलों में देखा गया, जिससे वहां हड़कंप मच गया। इसके अलावा, जवेदा ईट भट्टे के चौकीदार नरेश और ग्रामीण विद्याराम ने भी तेंदुए को बेहद करीब से देखने का दावा किया है। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीमें तुरंत दोनों घटनास्थलों पर पहुंचीं। टीम ने वहां से तेंदुए के पदचिह्नों (पगमार्क) के सैंपल कब्जे में लिए हैं। फिलहाल क्षेत्र में वन दरोगा और बीट प्रभारियों के नेतृत्व में चार टीमें दिन-रात तेंदुए को पकड़ने के लिए कॉम्बिंग कर रही हैं। वन विभाग की टीम में राजू मौर्य, लवकुश गुप्ता, बीट प्रभारी अकबर अली, संजीव यादव और कड़ेराम आदि शामिल हैं। हालांकि, चालाक तेंदुआ लगातार अपनी लोकेशन बदलकर वन विभाग के पिंजड़ों और टीमों को चकमा दे रहा है।

तेंदुए के डर से किसानों ने खेतों पर जाना बंद कर दिया है, जिससे खेती का काम ठप होने की कगार पर है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि तेंदुए को जल्द से जल्द पकड़ने की मांग की है।

भदपुरा विकास क्षेत्र में कहने को नहरे का जाल बिछा है सिंचाई के लिए पानी नहीं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/ भदपुरा क्षेत्र की नवदियां, कुंवरपुर तुलसीपट्टी और नकटी नारायणपुर डडिया गांवों से गुजरने वाली सफदर अली रजबहा से जुड़ी छोटी सिंचाई नहर प्रशासन की लापरवाही के कारण बदहाल स्थिति में है। इस नहर में पानी का प्रवाह पूरी तरह ठप होने से किसान अपनी धान की फसलों की सिंचाई के लिए परेशान हैं। यह महत्वपूर्ण नहर वर्तमान में झाड़ियों और अत्यधिक गंदगी से पूरी तरह पट चुकी है। स्थिति इतनी गंभीर है कि नहर में पानी का बहाव लगभग पूरी तरह रुक गया है। जलभराव और गंदगी के कारण इसमें उतरना भी संभव नहीं है। शासन ने इस नहर का निर्माण किसानों के खेतों तक सिंचाई का पानी पहुंचाने के उद्देश्य से कराया था। हालांकि, विभागीय अनदेखी के चलते किसानों को अपनी फसलों को सींचने के लिए पानी की कमी का सामना करना पड़ रहा है। पानी के अभाव में फसलें सूखने की कगार पर हैं, जिससे क्षेत्र के किसानों में भारी आक्रोश है। इस गंभीर समस्या के संबंध में जब संबंधित जूनियर इंजीनियर (जेई) अनूप सागर से संपर्क किया गया, तो उन्होंने बताया कि उनका वहां से स्थानांतरण हो चुका है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें वर्तमान में अपनी जगह तैनात अधिकारी के बारे में कोई जानकारी नहीं है। अधिकारियों की यह लापरवाही सिंचाई व्यवस्था को बाधित कर रही है। डोरी लाल, कृष्णपाल, भुवनेश कुमार, मंगली प्रसाद, हरेंद्र वर्मा, सुरेंद्र कुमार, हेम प्रकाश और चंद्रपाल सहित कई ग्रामीणों ने शासन से जल्द नहर की सफाई कराकर पानी का प्रवाह सुचारू करने की मांग की है ताकि किसानों को राहत मिल सके।

फिलिंग स्टेशन के सेल्समैन को पीटने पर एफआईआर दर्ज

कोंच(जालौन)- कस्बे में सागर चौकी स्थित ठाकुर प्रसाद नारायण फिलिंग स्टेशन पर एक सेल्समैन के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। घटना का सीसीटीवी वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, फिलिंग स्टेशन पर सेल्समैन के रूप में कार्यरत प्रदीप कुमार ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में आरोप लगाया है कि गुरुवार सुबह भूरे कुशवाहा उर्फ अखिलेश निवासी निकट काली मंदिर के पीछे, पेट्रोल पंप पर पहुंचे। आरोप है कि उधारी का भुगतान मांगने पर आरोपी गाली-गलौज करने लगा और उसके साथ हाथापाई की। इतना ही नहीं, जाते समय जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़ित ने अपनी शिकायत में बताया है कि पूरी घटना पंप पर लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हुई है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है। पुलिस का कहना है कि शिकायत प्राप्त हुई है। वायरल वीडियो और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद तथ्यों के आधार पर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी।

दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट का आरोपी गिरफ्तार, भेजा गया जेल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- नाबालिग किशोरी को बहला फुसलाकर उसके साथ लगातार दुष्कर्म कर उसे गर्भवती करने के आरोपी युवक रोहित (19) निवासी ग्राम गैंदोली को कोतवाली के उप निरीक्षक नितिश कुमार और भीष्मपाल सिंह ने गुरुवार को मुखबिर की सूचना पर पंचानन चौराहे के समीप से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस द्वारा उसे न्यायालय में पेश किया गया जहां से उसे जेल भेज दिया गया। गौरतलब हो कि कोंच नगर के एक मोहल्ले की रहने बाली एक महिला ने अपनी 16 वर्षीय नाबालिक पुत्री के गर्भवती होने का आरोप लगाते हुए रोहित के खिलाफ तहरीर देकर दुष्कर्म की एफआईआर दर्ज कराई थी। महिला ने बताया था कि जून 2025 में युवक शादी करने के बहाने बहला फुसलाकर उसकी पुत्री को अपने साथ ले गया था, जिसको लेकर उसने तब उक्त युवक के खिलाफ पॉक्सो एक्ट में एफआईआर दर्ज कराई थी और आरोपी युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भी भेज दिया था। उक्त मामला न्यायालय पॉस्को एक्ट उरई में विचाराधीन है।

उक्त घटना के बाद उसकी पुत्री शिक्षण कार्य के लिए अपने स्कूल भी जाने लगी थी और आरोपी युवक जमानत पर जेल से छूट कर आ गया था। कुछ दिनों पूर्व पुत्री को जब उल्टी (बोमेटिंग) हुई तो उन्होंने इस बाबत उससे पूछताछ की। पुत्री ने बताया कि बीते तीन-चार माह पहले कैलिया थाना क्षेत्र के ग्राम गेंदौली निवासी रोहित कुमार उसे कोंच नगर के एक रेस्टोरेंट में खाना खिलाने के बहाने ले गया था जहां उसने उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद रोहित ने कई बार डरा-धमका कर उसके साथ दुष्कर्म किया, इस दौरान वह गर्भवती हो गई। पुलिस ने शिकायतकर्ता महिला की तहरीर पर रोहित के खिलाफ संबंधित धाराओं में एफआईआर दर्ज कर ली थी और किशोरी को प्रेग्नेंसी टेस्ट के लिए मेडिकल परीक्षण हेतु भेजा था।

लाठियों से पीटकर बुजुर्ग को किया घायल, रिपोर्ट दर्ज

कोंच(जालौन)- खेतों से चारा काट रहे एक बुजुर्ग को पड़ोस के गांव के रहने वाले एक व्यक्ति ने लाठियों से बुरी तरह पीट दिया जिससे बुजुर्ग जख्मी हो गया। पुलिस ने बुजुर्ग की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। ग्राम सुनाया थाना कैलिया निवासी बुजुर्ग अशोक कुमार पुत्र हरदास ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि गुरुवार की दोपहर वह गांव से लगते मौजा बसोव के हार में चारा काटने के लिए गया था। वहां सुनाया के रहने वाले पप्पू कुशवाहा के खेत से उसने चारा काटना अभी शुरू ही किया था कि इसी बीच मैथलीशरण पुत्र बाबूराम राजपूत निवासी ग्राम बसोव अपने हाथ में लाठी लेकर आया और बुरी तरह से उसके दोनों पैरों पर लाठी से प्रहार कर दिए जिससे उसके दोनों पैर जख्मी हो गए। जब वह मदद के लिए चिल्लाया तो मैथलीशरण वहां से भाग गया। वह बमुश्किल घर पहुंचा और किसी तरह थाने तक आया है। पुलिस ने अशोक का चिकित्सीय परीक्षण कराकर आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

फैक्ट्री से घर लौटते समय डंपर ने होमगार्ड के बेटे को रौंदा, मौत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

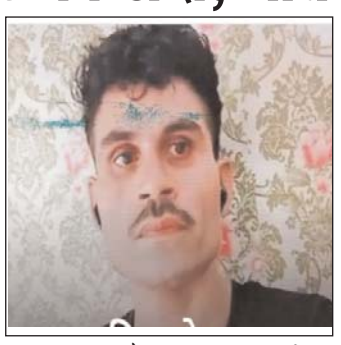

कानपुर ग्रामीण। बुधवार देर रात फैक्ट्री से बाइक से घर लौट रहे 25 वर्षीय युवक की सड़क हादसे में मौत हो गई,, आरोप है कि रान्ग साइड से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने पहले बाइक में टक्कर मारी, फिर युवक को कुचलते हुए फरार हो गया, हादसे में युवक की मौके पर मौत हो गई,, घटना महाराज पुर थाना क्षेत्र की हैं,, मृतक की पहचान शिवभोला तिवारी के रूप में हुई है,,वह उन्नाव की एक फैक्ट्री में काम करता था, सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया, घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा है,, महाराज पुर के भदासा गांव निवासी वीरेंद्र तिवारी होमगार्ड में तैनात हैं वर्तमान में उनकी डियूटी चकेरी थाने में हैं, परिवार में पत्नी सीता और पांच बेटे हैं, उन्नाव की फैक्ट्री में मृतक जूते का अपर बनानें का काम करता था, बुधवार रात करीब 10,30 वह बाइक से घर लौट रहा था,, बताया गया कि सरसौल स्थिति एक कोल्ड स्टोरेज के पास पहुंचते ही,रान्ग साइड से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी, इसके बाद डंपर चालक शिवभोला को कुचलते हुए मौके से फरार हो गया,, हादसे में डंपर का पहिया युवक के सिर पर चढ़ गया , जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई,, महाराज पुर थाना प्रभारी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएंगी, फरार डंपर चालक की तलाश की जा रही है।

विकासखंड के दर्जनों ग्रामों मे तेंदुए का खौप व्याप्त है वन विभाग की पकड़ से दूर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/ क्षेत्र में पिछले कई दिनों से तेंदुए की लगातार मौजूदगी के कारण ग्रामीण इलाकों में भारी दहशत का माहौल बना हुआ है। कुंवरपुर तुलसीपट्टी, सिलरा, मर्गापुर और सतवन पट्टी सहित कई गांवों में तेंदुए को देखे जाने और भऊआ बाजार में उसके द्वारा सात बकरियों को मार डालने की घटना के बाद वन विभाग पूरी तरह अलर्ट मोड पर आ गया है। तेंदुए को पकड़ने के लिए वन विभाग की टीम ने भऊआ बाजार में एक विशेष पिंजड़ा स्थापित किया है। इसके बावजूद, मंगलवार रात को तेंदुए ने इलाके में एक और शिकार करते हुए एक सियार को मार डाला, जिससे ग्रामीणों का डर और अधिक बढ़ गया है।तेंदुए की सटीक लोकेशन का पता लगाने के लिए बुधवार को वन विभाग की टीम ने ग्राम प्रधान लल्ला खां और स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से भऊआ बाजार और उसके आसपास के जंगलों में ड्रोन कैमरे उड़ाकर हवाई निगरानी की। ड्रोन की मदद से घने जंगलों और संभावित ठिकानों को खंगाला जा रहा है। इसके साथ ही, वनकर्मियों की कई टीमें धरातल पर भी लगातार सघन कांबिंग ऑपरेशन चला रही हैं।वन विभाग ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए क्योलड़िया क्षेत्र के विभिन्न गांवों में लाउडस्पीकर से मुनादी (अनाउंसमेंट) करवाई है। विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे पूरी तरह सतर्क रहें और अकेले खेतों की ओर बिल्कुल न जाएं। देर रात घरों से बाहर निकलने से पूरी तरह परहेज करें।तेंदुए की कोई भी गतिविधि या पदचिह्न दिखने पर तुरंत वन विभाग को सूचित करें। ग्रामीणों का कहना है कि तेंदुए के डर से उनका खेती का काम प्रभावित हो रहा है और वे खेतों की तरफ जाने से कतरा रहे हैं। स्थानीय निवासियों ने वन विभाग के अधिकारियों से तेंदुए को जल्द से जल्द सुरक्षित पकड़कर पिंजड़े में कैद करने की पुरजोर मांग की है ताकि क्षेत्र में शांति बहाल हो सके। वन विभाग लगातार वन्यजीव की गतिविधियों पर नजर बनाए हुए है।

हनुमंत बिहार में रेस्टोरेंट में जमकर चली कुर्सियां

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। हनुमंत बिहार स्थित रेस्टोरेंट में दोस्त से मिलने गए युवक का दबंगों ने मोबाइल फोन छीन लिया, वापस मांगने पर दर्जन भर युवकों ने गाली गलौज शुरू कर दी विरोध किया तों आरोपियों ने कुर्सी व लोहे की राड से युवक की जम कर पिटाई की,,बीच बचाव करने आए दोस्त को भी नहीं बख्शा, मारपीट के दौरान युवक के सिर पर गंभीर रूप से चोटे आई, पूरी घटना रेस्टोरेंट में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई,, आपको बताते चलें कि दीनदयाल पुरम तौधकपुर निवासी रोशन खरे ने बताया कि बुधवार देर रात 10,35 बजे हनुमंत बिहार स्थित रेस्टोरेंट में काम करने वाले दोस्त से मिलने गया था, रेस्टोरेंट में बैठ कर सीरियल देख रहा था,पास की टेबल पर 10से 11 लोग बैठे थे,,जो आपस में गाली गलौज कर रहे थे उसी बीच एक युवक आया और मेरे हाथ से मोबाइल फोन खींच लिया,, शोरगुल सुनकर मौके पर पहुंचे लोगों ने बीच-बचाव कर उसे छुड़ाया ,, जिसके बाद आरोपी पुलिस से शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी देते भाग गए, पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, पीड़ित ने फ़ुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान सिद्धार्थ दुबे,सिम्पीपाडे, आदित्य,छोटू, प्रांशु,के रूप में हुई है, मामले में हनुमंत बिहार थाना प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार ने बताया कि घटना संज्ञान में हैं, सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान की जा रही है।

जेल में साजिश रच कानपुर में शिक्षक के घर साले ने ही कराई थी लूट, तीन साथियों समेत गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। बेरोजगार साले ने अपने शिक्षक जीजा के घर में लाखों रुपए की लूट करवा दी लेकिन इसके पहले कि वह फरार हो पाता। पुलिस ने मुठभेड़ में साले समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। अब अन्य आरोपियों की भी तलाश की जा रही है। श्यामनगर में लूट थी यह घटना शिक्षक शरद चंद्र के घर हुई थी। जिस पर पुलिस ने मुख्य साजिशकर्ता और रिश्ते के साले प्रशांत उर्फ मोनू समेत पांच शातिर बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस से मिली जानकारीके मुताबिक जेल में रची गई इस साजिश में बदमाशों ने लूट के बाद बाइक छोड़कर लोडर और ऑटो का इस्तेमाल किया था, जिससे पुलिस गच्चा खाती रही। फिलहाल पुलिस की मेहनत रंग लाई और दो आरोपी पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार हो गए। दोनों के पैर में गोली लगी है। पुलिस ने उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया। मुठभेड़ से पूर्व पुलिस ने मास्टर माइंड शरद के साले प्रशांत उर्फ मोनू को गिरफ्तार किया था। मोनू की रेकी पर ही उसके साथ चार और बदमाशों ने मिलकर वारदात को अंजाम दिया था। कानपुर मे शिक्षक के घर हुई लूट के बाद पुलिस बाइक सवार बदमाशों की तलाश में फुटेज खंगाल रही थी। इसी बीच एक फुटेज में रिश्ते का साला मोनू अपने साथियों के साथ लोडर में नजर आया। पुलिस की शक की सुई उस पर घूम गई। वह वारदात वाले दिन शिक्षक के घर पर था। उन्होंने सबसे पहले प्रशांत उर्फ मोनू को पकड़ा। इसके बाद बाकी के बदमाशों के नाम सामने आते चले गए। मोनू ने पुलिस ने बताया कि वारदात को कमल, रफीक और शफीक ने अंजाम दिया था, जबकि विजय और वह खुद शिक्षक के मकान से कुछ दूरी पर ऑटो में बैठकर साथियों का इंतजार कर रहे थे। अपर पुलिस आयुक्त डॉ. विपिन ताडा के मुताबिक पांचों पर पूर्व में गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। प्रशांत की मुलाकात दो वर्ष पूर्व रफीक से जेल में हुई थी। उसके ऊपर कई आपराधिक मामले हैं। कुछ दिन पहले जेल से छूटे रफीक ने प्रशांत से कोई टारगेट पूछा, तो उसने अपने ही जीजा शरद का घर दिखा दिया। आरोपी प्रशांत उर्फ मोनू पर कुल 14 मामले दर्ज हैं। उसकी हिस्ट्रीशीट भी खुल चुकी है। उसके पास से मोबाइल और दो हजार रुपये मिले हैं। रफीक जूही थाने का हिस्ट्रीशीटर है। शफीक, कमल और विजय के खिलाफ भी कानपुर और उन्नाव के थानों में कई मामले दर्ज हैं। पुलिस अब लुटेरों के अन्य साथियों की भी तलाश कर रही है।

महिला ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, नशा मुक्ति केंद्र में रह रहे पति का था जन्मदिन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- नगर के प्रताप नगर मोहल्ले में बुधवार की शाम 24 वर्षीय विवाहिता ने अपने घर की दूसरी मंजिल पर फंदे से लटक कर जान दे दी। घटना की सूचना पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। मुख्य गेट बंद होने के कारण पुलिस को गेट कटवाकर घर के अंदर प्रवेश करना पड़ा जिसके बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। कस्बे के प्रताप नगर निवासी वर्षा बुधौलिया (24) पत्नी अंतरिक्ष बुधौलिया की की शादी 7 मई 2021 को हुई थी और उसकी डेढ़ वर्ष की एक पुत्री शिया है। परिजनों के अनुसार, वर्षा का पति पिछले करीब एक माह से शराब की लत के उपचार के लिए नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती है। बताया गया कि वर्षा लगातार अपने पति से बात कराने की जिद कर रही थी। मंगलवार को वह अपनी मां और छोटी बहन के साथ दूसरे मकान पर चली गई थी। बुधवार को मां और बहन वहां से लौट आई, जबकि वर्षा ने घर की साफ-सफाई कर बाद में आने की बात कही थी। शाम तक वर्षा के वापस न आने पर उसकी छोटी बहन गौरी उसे देखने पहुंची। काफी देर तक दरवाजा खटखटाने के बाद भी जब कोई जवाब नहीं मिला तो वह पड़ोसी की छत पर पहुंची, जहां से दूसरी मंजिल पर वर्षा फंदे से लटकी हुई उसे दिखाई दी। घबराई बहिन ने तत्काल ही परिजनों और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही सीओ परमेश्वर प्रसाद, नायब तहसीलदार जितेंद्र सिंह और कोतवाल निगवेन्द्र प्रताप सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने मुख्य गेट कटवाकर घर में प्रवेश किया और शव को नीचे उतरवाया। फील्ड यूनिट ने भी मौके से आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए। परिजनों का कहना है कि बुधवार को वर्षा के पति का जन्मदिन था और वह उससे बात करना चाहती थी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, बात न हो पाने से वह मानसिक रूप से व्यथित थी। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। सीओ परमेश्वर प्रसाद ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

महुली हादसे के बाद एडीजी और आईजी ने किया घटनास्थल का निरीक्षण

प्रतापगढ़। थाना कोतवाली नगर क्षेत्र के ग्राम महुली में जर्जर मकान गिरने से हुई हृदयविदारक दुर्घटना के बाद अपर पुलिस महानिदेशक (प्रयागराज जोन) ज्योति नारायण एवं पुलिस महानिरीक्षक (प्रयागराज परिक्षेत्र) अजय कुमार मिश्र ने संयुक्त रूप से घटनास्थल का निरीक्षण किया। वरिष्ठ अधिकारियों ने राहत एवं बचाव कार्यों का जायजा लेते हुए मौके पर मौजूद प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों से घटना की विस्तृत जानकारी प्राप्त की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एडीजी एवं आईजी ने दुर्घटना में दिवंगत हुए सभी लोगों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। इस दौरान जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर, भाजपा जिलाध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव सहित प्रशासन एवं पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

जेम पोर्टल कार्यशाला का आज होगा आयोजन

प्रतापगढ़। उपायुक्त उद्योग एस0एस0 रावत ने बताया है कि जिला उद्योग बन्धु की बैठक में मुख्य विकास अधिकारी द्वारा दिये गये निर्देशों के क्रम में उद्यमियों एवं व्यापारियों के जेम पोर्टल पर अधिकाधिक संख्या में पंजीकरण कराने के उद्देश्य से आज शुक्रवार को पूर्वान्ह 11 बजे विकास भवन सभागार कक्ष में 'जेम पोर्टल का कार्यशाला' आयोजित किया गया है जिसमें जेम पोर्टल से सम्बन्धित विषय पर प्रस्तुतीकरण किया जाना है।

एनसीसी में भर्ती के लिए कैडेट्स का चयन

सिद्धार्थनगर। माता प्रसाद जायसवाल इंटर कॉलेज इटवा में संपन्न हुई एनसीसी भर्ती, 46 यूपी बटालियन गोरखपुर के तत्वाधान में माता प्रसाद जायसवाल इंटर कॉलेज इटवा के परिसर में एनसीसी कैडेटों के भर्ती का आयोजन किया गया। भर्ती प्रकिया में जूनियर डिवीजन में 25 कैडेट्स का चयन किया गया ।चयन प्रक्रिया निर्धारित मानकों के अनुरूप शारीरिक दक्षता लिखित परीक्षा एवं आवश्यक परीक्षणों के आधार पर संपन्न हुई। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य अशोक तिवारी एवं एनसीसी प्रभारी मोहम्मद वसी अहमद ने चयनित कैडेट्स को बधाई देते हुए अनुशासन नेतृत्व क्षमता राष्ट्र सेवा तथा व्यक्तित्व विकास के लिए एनसीसी के महत्व पर प्रकाश डाला। भर्ती प्रक्रिया संपन्न करने के लिए 46 बटालियन गोरखपुर से सूबेदार भूपेंद्र सिंह और हवलदार धनराज तमांग आए थे। इस दौरान विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक धर्मेंद्र कुमार, दिनेश दुबे, श्याम नंदन शुक्ला, रियाजुद्दीन खान आदि उपस्थित रहे।

जर्जर मकान की छत गिरने से एक परिवार के छः लोगों की हुई दर्दनाक मौत

पीड़ित परिवार को 26.20 लाख रुपए की राहत सहायता दी गई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

फोटो घटनास्थल पर डीएम एसपी मौजूद

प्रतापगढ़। थाना कोतवाली नगर क्षेत्र के ग्राम महुली में जर्जर मकान गिरने से हुई दर्दनाक दुर्घटना के बाद जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय एवं पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर ने संयुक्त रूप से घटनास्थल का निरीक्षण कर राहत एवं बचाव कार्यों का जायजा लिया। अधिकारियों ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया तथा प्रशासन की ओर से हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार रात्रि लगभग दो बजे प्रमोद श्रीवास्तव पुत्र कामता प्रसाद का जर्जर मकान अचानक भरभराकर गिर गया, जिससे परिवार के छः सदस्य मलबे में दब गए। इस भीषण हादसे में प्रमोद श्रीवास्तव (60 वर्ष), रीता (55 वर्ष), नितिन (25 वर्ष), माधुरी (23 वर्ष), माधव (01 वर्ष) तथा अद्रिक उर्फ बाबू (10 माह) की दुःखद मृत्यु हो गई। वहीं अमन पुत्र प्रमोद (28 वर्ष) सुरक्षित है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस एवं प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने संयुक्त रूप से घटनास्थल का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा राहत कार्यों की जानकारी प्राप्त की। जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय ने बताया कि पीड़ित परिवार को अनुमन्य राहत सहायता तत्काल उपलब्ध करा दी गई है। उन्होंने बताया कि दुर्घटना में मृत छः व्यक्तियों के लिए दैवीय आपदा राहत मद के अंतर्गत प्रति मृतक 4 लाख रुपए की दर से कुल 24 लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। इसके अतिरिक्त पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त पक्के मकान के लिए 1.20 लाख रुपए तथा मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना सहायता योजना के अंतर्गत 01 लाख रुपए की सहायता भी स्वीकृत कर प्रदान की गई है। इस प्रकार पीड़ित परिवार को कुल 26.20 लाख रुपए की राहत सहायता उपलब्ध कराई गई है। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रशासन पीड़ित परिवार के साथ खड़ा है और उन्हें आवश्यकतानुसार हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर ने कहा कि घटना से संबंधित सभी आवश्यक विधिक कार्रवाई कराई जा रही है। सभी मृतकों के शवों का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया गया। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने हादसे में दिवंगत हुए सभी लोगों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए शोक संतप्त परिवार को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की। मुख्यमंत्री ने इस हादसे का संज्ञान लिया है और अधिकारियों को मौके पर जाने और हर संभव सहायता का निर्देश दिया है।

दिव्यांगजन रोजगार मेले में 21 दिव्यांगजनों का हुआ चयन

प्रतापगढ़। व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता विभाग द्वारा राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान परिसर टाटा टेक्नॉलाजी वर्कशाप प्रतापगढ में दिव्यांगजन रोजगार मेला आयोजित किया गया है। कार्यक्रम का शुभारम्भ राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के नोडल प्रधानाचार्य/जिला समन्वयक आलोक कुमार द्वारा किया गया। दिव्यांगजन रोजगार मेले में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, उ0प्र0 कौशल विकास मिशन एवं जनपद के लगभग 58 दिव्यांगजनों प्रतिभाग किया जिसमें से लगभग 21 दिव्यांगजनों का प्रथम चरण के लिए केयर हेल्थ नर्सिंग सर्विसेज, एल0एन0टी0 एवं स्किल्स टू इनकम इण्डिया इत्यादि कम्पनियों में चयन किया गया। कार्यक्रम में सोमनाथ वर्मा एवं भूपेन्द्र सिंह एम0आई0एस0 प्रबन्धक उ0प्र0 कौशल विकास मिशन, रवीन्द्र पाण्डेय जिला कार्यक्रम प्रबन्धक व ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर डी0डी0यू0-जी0के0वाई व उ0प्र0 कौशल विकास मिशन के समस्त प्रशिक्षण प्रदाता व स्टाफ उपस्थित थे।

चाय- संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह के रूप में मनाया गया नियाज़ हसन का जन्म दिवस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। शहर के बाबागंज में स्थित होटल सिद्धार्थ में मशहूर शायर नियाज़ हसन का जन्म दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया गया ।इस मौके पर नगर पंचायत प्रतापगढ़ सिटी के सभासदों एवं कई अतिथियों को जन सेवा गौरव सम्मान से अंगवस्त्र एवं प्रशस्ति पत्र देखर सम्मानित किया गया।जिसमें मुख्य अतिथि सभासद प्रतिनिधि अमीरुल हक़, विशिष्ट अतिथि सभासद इं. अनुज यादव , सभासद जफरुल हक़, सभासद साजिद अली खान, सभासद मो. इमरान खान, सभासद प्रतिनिधि मो. आज़ाद, सभासद आशीष पाल, समाज सेवी डॉ मो. शाहिद, समाज सेवी संदीप यादव, शामिल रहे। इस अवसर पर ई.चंद्रकांत त्रिपाठी 'शाश्वत' ने अपनी पसंदीदा गज़ल पढ़ी।

इसी कड़ी में कार्यक्रम की अगुवाई कर रहे समाज सेवी एवं कई कालेज के प्रबंधक अनिल प्रताप त्रिपाठी 'प्रवात' ने भी युवा शायर नियाज़ हसन को अपना आशीर्वाद और जन्म दिवस की शुभकामनाएं दी और कहा कि कवि और शायर समाज के आईना होते हैं और समाज को सही रास्ता दिखाते हैं। इसी क्रम में कार्यक्रम के आयोजक एवं संयोजक रहे प्रकाशक एवं संपादक अखिल नारायण सिंह 'अकेला 'ने भी जन्म दिवस की ढेरों शुभकामनाएं एवं बधाई देते हुए कहा कि हम लोग नियाज़ हसन के साथ तन मन धन के साथ जुड़े हैं और अखिल नारायण सिंह ने नियाज़ हसन के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।कार्यक्रम की अध्यक्षता आज़ाद समाज पार्टी (कांशीराम) के जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार सरोज और संचालन अधिवक्ता एवं कवि प्रेम कुमार त्रिपाठी 'प्रेम 'ने किया।इस अवसर पर मुन्ना सिंह, रामकेवल पुष्पाकर, रिज़वान चाँदनी दुबे, रितनेश दुबे, होटल सिद्धार्थ मैनेजर संतोष सिंह आदि मौजूद रहे। नियाज़ हसन प्रतापगढ़ी ने आये हुये सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

न्यू एंजिल्स स्कूल के विवेक कुमार ओझा सीबीएसई स्पोर्ट्स पर्यवेक्षक नियुक्त

प्रतापगढ़। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित होने वाले सीबीएसई गेम्स 2026-27 के लिए न्यू एंजिल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल प्रतापगढ़ के शारीरिक शिक्षक विवेक कुमार ओझा को पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्त किया गया है। सीबीएसई के अतिरिक्त निदेशक (खेल) डॉ. मंजीत सिंह द्वारा को जारी पत्र के अनुसार ओझा को कानपुर नगर स्थित सर पदमपत सिंघानिया एजुकेशन स्कूल में 07 अगस्त से 09 अगस्त तक होने वाले क्लस्टर -4 टेबल टेनिस प्रतियोगिता के लिए पर्यवेक्षक की जिम्मेदारी सौंपी गई है।विद्यालय की चेयरपर्सन डॉ शाहिदा ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह पूरे विद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय है। ओझा की नियुक्ति से क्षेत्र के अन्य शिक्षकों को भी प्रेरणा मिलेगी।

दिव्यांग छात्राओं को सशक्त बनाएगी ई-ट्राईसाइकिल योजना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी कमलेश कुमार वर्मा ने बताया कि दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 के अंतर्गत जनपद की अध्ययनरत दिव्यांग छात्राओं के लिए ई-ट्राईसाइकिल योजना संचालित की गई है। योजना के तहत पात्र छात्राओं को अधिकतम 65 हजार रुपये की लागत तक ई-ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराई जाएगी। योजना का लाभ जनपद प्रतापगढ़ की 16 वर्ष या उससे अधिक आयु की उन दिव्यांग छात्राओं को मिलेगा, जो किसी भी स्कूल, कॉलेज अथवा प्रशिक्षण संस्थान में अध्ययनरत हैं और दैनिक कक्षाओं, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, छात्रावास आदि तक आने-जाने में कठिनाई का सामना करती हैं। उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत मस्क्यूलर डिस्ट्रॉफी, स्ट्रोक, सेरेब्रल पाल्सी, हीमोफिलिया सहित अन्य गंभीर शारीरिक दिव्यांगता से ग्रसित छात्राएं पात्र होंगी। इसके लिए आवश्यक है कि उनकी दृष्टि एवं मानसिक स्थिति सामान्य हो, कमर का ऊपरी भाग स्वस्थ हो तथा वे ई-ट्राईसाइकिल चलाने में सक्षम हों। साथ ही मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा प्रमाणित यूडीआईडी दिव्यांग प्रमाण-पत्र होना अनिवार्य है। योजना में ऐसे परिवारों को प्राथमिकता दी जाएगी जो आयकरदाता नहीं हैं तथा गरीबी रेखा के नीचे जीवनयापन करते हैं। इसके अतिरिक्त, केवल उन्हीं छात्राओं को लाभ मिलेगा जिन्हें पिछले पांच वर्षों में किसी भी सरकारी अथवा अन्य स्रोत से ई-ट्राईसाइकिल प्राप्त नहीं हुई है। अधिक जानकारी के लिए मोबाइल नंबर 8189038779 पर संपर्क किया जा सकता है।

सिद्धार्थनगर में दो घरों से लाखों की चोरी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। बांसी तहसील के मिश्रौलिया थाना अंतर्गत चेतिया पुलिस चौकी क्षेत्र के तीवर गांव में बुधवार की रात चोरों ने दो घरों को निशाना बनाया। चोर लाखों रुपये के जेवरात और नकदी लेकर फरार हो गए। इस घटना से पूरे गांव में सनसनी फैल गई है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

चोरों ने गांव निवासी मकसूदन शुक्ला और मानिकचंद साहनी के घरों को अपना निशाना बनाया। मकसूदन शुक्ला के घर में चोर पीछे की खिड़की का ताला तोड़कर अंदर घुसे। उन्होंने अलमारी का लॉकर तोड़कर उसमें रखे जेवर और नकदी चुरा ली और उसी रास्ते से फरार हो गए। इसके बाद चोर मानिकचंद साहनी के घर के पीछे छत पर चढ़कर अंदर दाखिल हुए। चोर एक बक्सा लेकर बाहर आए, जिसमें जेवर रखे थे। चोरों ने बक्से को घर के पीछे खेत में खोला, गहने और पैसे निकाले, और बाकी सामान वहीं छोड़कर चले गए।

सुबह घटना का पता चलने पर ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। थाना प्रभारी और चेतिया चौकी प्रभारी मौके पर पहुंचे और पूरे घटनाक्रम का जायजा लिया। उन्होंने जल्द से जल्द घटना का खुलासा करने का आश्वासन दिया है। हालांकि, पिछले दस दिनों के भीतर चौकी क्षेत्र में चोरी की यह दूसरी घटना है, लगातार हो रही घटनाएं ग्रामीणों में चिंता का विषय बना हुआ हैं।

गड्ढा मुक्त सड़क की मांग को लेकर व्यापारियों ने उठाई आवाज एसडीएम को ज्ञापन सौंपा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। नगर और आसपास की जर्जर सड़कों को लेकर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल ने बुधवार को उप जिलाधिकारी राजेश कुमार श्रीवास्तव को ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने नगर की प्रमुख सड़कों और नगर से बाहर जाने वाले मार्गों की तत्काल मरम्मत कराने की मांग की। व्यापारियों ने कहा कि बरसात के कारण सड़कें जगह जगह गड्ढों में तब्दील हो गई हैं। इससे आए दिन हादसे हो रहे हैं और लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। नगर अध्यक्ष विवेक शर्मा के नेतृत्व में पहुंचे व्यापारियों ने बताया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अस्पताल रोड, आचार्य नगर रोड, सब्जी मंडी मार्ग, गल्ला मंडी मार्ग और अंबेडकर मार्ग की स्थिति बेहद खराब है। इसके अलावा तहसील रोड और रायबरेली रोड रेलवे क्रॉसिंग से ब्लॉक तक का मार्ग भी जर्जर हो चुका है। सड़क पर बने गहरे गड्ढों के कारण वाहन चालकों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। स्कूली बच्चे और राहगीर भी दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं। व्यापारियों ने कहा कि बरसात के मौसम में यदि नई सड़क बनाना संभव नहीं है तो कम से कम गड्ढों को भरकर मार्गों को गड्ढा मुक्त कराया जाए। इससे व्यापारियों, मरीजों, छात्रों और आम लोगों को राहत मिलेगी। उन्होंने प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की मांग की। जिला अध्यक्ष उद्योग मंच हंसराज विश्वकर्मा ने कहा कि खराब सड़कों से व्यापार भी प्रभावित हो रहा है। प्रशासन सुरक्षित और सुगम यातायात के लिए प्रभावी कदम उठाए। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष सानू बाजपेई, जिला महामंत्री अप्पू शर्मा, नगर उपाध्यक्ष शीलू त्रिवेदी और नगर युवा प्रचार मंत्री आशुतोष गुप्ता सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

एसडीएम ने की टीडी टीकाकरण अभियान की समीक्षा

लालगंज (रायबरेली)। तहसील सभागार में बुधवार को एसडीएम की अध्यक्षता में समन्वय बैठक हुई। बैठक में स्वास्थ्य विभाग के टिटनेस डिप्थीरिया (टीडी) टीकाकरण अभियान की समीक्षा की गई। एसडीएम ने सभी विभागों के अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ अभियान को सफल बनाने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी अभिमन्यु सिंह ने बताया कि क्षेत्र में एक अगस्त से 28 अगस्त तक टीडी टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत पांच, 10 वर्ष के बालक और 16 वर्ष आयु वर्ग बच्चियों को टिटनेस डिप्थीरिया का टीका लगाया जा रहा है। अभियान को सफल बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, विकास विभाग और अन्य संबंधित विभाग मिलकर कार्य कर रहे हैं। बैठक में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस की भी जानकारी दी गई। बताया गया कि 10 अगस्त को दो से 19 वर्ष तक के बच्चों को एल्बेंडाजोल की गोली खिलाई जाएगी। यह अभियान स्कूलों के माध्यम से संचालित होगा। जो बच्चे 10 अगस्त को अनुपस्थित रहेंगे उन्हें 14 अगस्त को मॉप अप दिवस पर एल्बेंडाजोल की गोली दी जाएगी।

डीएम ने धनपालपुर पेयजल योजना का किया स्थलीय निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रायबरेली, जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने आज विकास खण्ड सरेनी में जल जीवन मिशन के अंतर्गत धनपालपुर पेयजल योजना का स्थलीय निरीक्षण कर योजना के संचालन, पेयजल गुणवत्ता एवं जलापूर्ति व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि उपभोक्ताओं को नियमित, निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराया जाना हर स्थिति में सुनिश्चित किया जाए। धनपालपुर पेयजल योजना वर्ष 2021-22 में ?232.66 लाख की लागत से स्वीकृत की गई है, जिसके माध्यम से ग्राम पंचायत धनपालपुर की लगभग 2,725 आबादी को पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। योजना के अंतर्गत एक नलकूप, 175 केएल क्षमता का 16 मीटर ऊंचा ओवरहेड टैंक, 12,080 मीटर वितरण पाइपलाइन, 513 गृह नल संयोजन, एक पम्प हाउस, 25 किलोवाट सोलर प्लांट, 17.5 एचपी पम्पिंग प्लांट तथा बाउंड्रीवाल का निर्माण पूर्ण किया जा चुका है।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने पम्प हाउस, ऑटोमेशन सिस्टम, ओवरहेड टैंक (ओएचटी) एवं क्लोरीनेशन सिस्टम का विस्तृत निरीक्षण किया। उन्होंने जल निगम के अधिशासी अभियन्ता के साथ ऑटोमेशन प्रणाली, पेयजल आपूर्ति व्यवस्था तथा जल गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए स्थापित क्लोरीनेशन सिस्टम की कार्यप्रणाली की समीक्षा की। साथ ही सोलर प्रणाली एवं डीजी (जनरेटर) व्यवस्था का भी निरीक्षण कर उनके सुचारु संचालन की जानकारी प्राप्त की। जिलाधिकारी ने योजना पर कार्यरत ऑपरेटर से जलापूर्ति के समय एवं मानदेय के संबंध में जानकारी ली। ऑपरेटर ने बताया कि योजना से नियमित जलापूर्ति की जा रही है तथा मानदेय का भुगतान समय से प्राप्त हो रहा है। ग्राम प्रधान नीतू सिंह ने अवगत कराया कि कार्यदायी संस्था एनसीसी (NCC) द्वारा योजना के सभी निर्माण कार्य पूर्ण कर लिए गए हैं तथा ग्राम के प्रत्येक मजरे एवं घर तक सफलतापूर्वक पेयजल पहुंचाया जा रहा है।

हिम्मतपुर मजरा में लाभार्थी शिव चरण पुत्र गंगाधर एवं माया देवी पत्नी शिवमोहन के घरों का निरीक्षण कर नल कनेक्शनों की जांच की।

दोनों स्थानों पर पर्याप्त दबाव के साथ जलापूर्ति होती पाई गई। ग्रामीणों एवं उपभोक्ताओं से बातचीत में बताया गया कि प्रतिदिन दो समय–प्रातः 9:00 बजे से 11:00 बजे तक तथा अपराह्न 3:30 बजे से सायं 5:30 बजे तक नियमित जलापूर्ति की जा रही है। ग्रामीणों ने उपलब्ध कराए जा रहे जल को पेय योग्य बताते हुए जल की गुणवत्ता एवं नियमित आपूर्ति पर संतोष व्यक्त किया। जिलाधिकारी ने योजना के संचालन एवं अनुरक्षण की सराहना करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि पेयजल आपूर्ति की गुणवत्ता एवं नियमितता निरंतर बनाए रखी जाए तथा सभी उपभोक्ताओं को निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराया जाए। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी लालगंज राजेश श्रीवास्तव, जल निगम के अधिशासी अभियन्ता रणविजय सिंह सहित संबंधित अधिकारी एवं ग्राम प्रधान उपस्थित रहे।

गंगा एक्सप्रेसवे पर फॉर्च्यूनर पलटी, चालक समेत चार घायल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। गंगा एक्सप्रेसवे पर बुधवार को तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में चालक समेत चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा एक्सप्रेसवे के किलोमीटर संख्या 447 पर हुआ। दुर्घटना के बाद कुछ समय तक मौके पर अफरा तफरी का माहौल बना रहा।मुजफ्फरनगर के द्वारकापुरी निवासी अलक्षेन्द्र प्रताप सिंह अपने साथियों के साथ एक न्यायालय संबंधी मामले में प्रयागराज जा रहे थे। इसी दौरान उनकी फॉर्च्यूनर अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। दुर्घटना में अलक्षेन्द्र प्रताप सिंह और चालक रंजीत वर्मा निवासी बचनजी कॉलोनी, नई मंडी, मुजफ्फरनगर सहित चार लोग घायल हुए। सूचना मिलते ही यूपीडा की एंबुलेंस मौके पर पहुंची। घायल चालक रंजीत वर्मा को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लालगंज लाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। बताया जा रहा है कि हादसे में घायल अन्य लोगों को उपचार के लिए उन्नाव ले जाया गया है।

करेंट लगने से भैंस की मौत

सिद्धार्थनगर। गड्ढे के किनारे लगे विद्युत पोल में करंट उतरने से उसकी चपेट में आने पर एक भैंस की मौत हो गई। भैंस को बचाने के प्रयास में पशुपालक को भी करंट का झटका लगा, हालांकि वह बाल-बाल बच गया। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। मोहाना थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत मधुबनी के टोला जीतपुर निवासी मजहर अली बृहस्पतिवार की दोपहर अपने मवेशियों को सिवान में चराने लिये ले जा रहे थेकि इसी दौरान उनकी एक भैंस गड्ढे के किनारे लगे विद्युत पोल के संपर्क में आ गई, जिसमें करंट प्रवाहित हो रहा था। करंट लगते ही एक भैंस छटपटाने लगीं। उन्हें बचाने के लिए आगे बढ़े मजहर अली को भी करंट का झटका लगा, लेकिन वह किसी तरह सुरक्षित बच निकले। वहीं एक भैंस की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर पशु चिकित्सक अशोक कुमार टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि करंट लगने से एक भैंस की मौत की सूचना मिली है। मामले की जांच कराई जा रही है तथा पशुओं के पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

सिद्धार्थनगर में नकली अंग्रेजी शराब बनाने का भंडाफोड़, दो आरोपी गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले में अंग्रेजी शराब के नाम पर चल रहे एक बड़े संगठित फर्जीवाड़े का पर्दाफाश हुआ है। बांसी पुलिस, एसओजी, सर्विलांस सेल और आबकारी विभाग की संयुक्त कार्रवाई में इस गिरोह का खुलासा हुआ। यह गिरोह पिछले चार से पांच वर्षों से असली अंग्रेजी शराब की बोतलों में मिलावट कर उन्हें बाजार में बेच रहा था। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है और पूरे नेटवर्क की जांच जारी है। पुलिस का मानना है कि आने वाले दिनों में इस गिरोह से जुड़े कई और लोगों के नाम सामने आ सकते हैं।

एसएसपी डॉ. अभिषेक महाजन ने बताया- मुख्य आरोपी बलराम जायसवाल कोतवाली बांसी क्षेत्र के सुभाष नगर, कोइलहवा स्थित एक किराये के मकान में रहता था। उसने इसी मकान को नकली शराब बनाने और बेचने के पूरे नेटवर्क का अड्डा बना रखा था। छापेमारी के दौरान पुलिस के अनुसार दुकान के पीछे बने कमरे में हरदोई निवासी प्रदीप कुमार पुरानी शराब की बोतलों को दोबारा पैक कर नए ब्रांड के रूप में तैयार करता मिला। पुलिस ने 32,472 नकली ढक्कन, 12,740 नकली बारकोड (सील रैपर), विभिन्न ब्रांडों की 16 बोतल मिश्रित अंग्रेजी शराब, एक इलेक्ट्रॉनिक वेट मशीन, ढक्कन खोलने के उपकरण और एक मोटरसाइकिल बरामद की।

राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण की टीम ने किया बाढ़ शरणालय का निरीक्षण

सिद्धार्थनगर। राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण तथा संयुक्त राष्ट्र विकास प्राधिकरण की प्रतिनिधि टीम के प्रशांत कुमार, आशीष ,शबाना हेगड़े ने उसका बाजार के किसान इंटर कालेज के परिसर में अस्थाई रूप से स्थापित बाढ़ शरणालय का स्थलीय निरीक्षण किया और समन्वय बैठक किया है। इस अवसर पर टीम ने बाढ शरणालय में पेयजल, प्रकाश, शौचालय, सोने की व्यवस्था आदि का स्थलीय निरीक्षण किया है। इसके बाद बैठक करके बाढ़ क्षेत्र के गावों के बारे में राजस्व कर्मियो से विस्तार से जानकारी ली। टीम ने बाढ चौकी, गोताखोर , नाव और नाविकों के बारे में जानकारी प्राप्त की और हर वक्त आपदा की स्थिति में सतर्क रहने का निर्देश दिया । इस अवसर पर एडीएम गौरव श्रीवास्तव, एसडीएम रेनू मिश्रा, तहसीलदार निखिल, नायब तहसीलदार अमित सिंह, लेखपाल संजय पांडे, महेंद्र सहनी, धनंजय पाण्डेय, अभिषेक त्रिपाठी, ग्राम प्रधान मनोज सहानी आदि रहे।

जन चौपाल कार्यक्रम आयोजित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिस्कोहर (सिद्धार्थनगर)। नगर पंचायत बिस्कोहर के वार्ड नं0 09 श्यामा प्रसाद मुखर्जी नगर हरिवंधनपुर कोहड़ौरा स्थित काली माता स्थान के सामने पोखरे का सुन्दरीकरण का उद्घाटन पूर्व मंत्री डॉ सतीश चंद्र द्विवेदी के द्वारा किया किया गया। इसके बाद जन चौपाल कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पोखरे का सुन्दरीकरण हो जाने से यहां का वातावरण बेहतर होगा। उन्होंने कहा कि सरकार द्धारा चलाई जा रही जनकल्याण योजनाओं को आम जनता तक पहुंच रहा है इसमें किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जा रहा है। इस दौरान चेयरमैन अजय गुप्ता, मंडल अध्यक्ष कुंवर मिश्रा,अमित पांडे, सूर्यमणि चौधरी , नृपेंद्र प्रताप सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष शिवजी तिवारी, रामनरेश पासवान, दीप नारायण तिवारी, गौकर्ण पाठक, खेमराज यादव, गुड्डू यादव, दुर्गेश शुक्ला,सदानंद शुक्ला, रोहित कुमार गौतम, कन्हैया वरुण, लालू नाईक, शिवपति उपाध्याय, जितेंद्र मौर्य, विमल सिंह अनुप पांडे, मनीराम प्रजापति, श्याम पांडे, लड्डूपाल सोनी, अखलेश अवस्थी, सत्यनारायण दुबे आदि उपस्थित रहे।

आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरण के प्रकरण में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

प्रतापगढ़। वादी निवासी मुबारकपुर पाटीहार थाना मानिकपुर प्रतापगढ़ द्वारा थाना मानिकपुर पर 04 अगस्त को तहरीर दिया गया कि उसकी बहन का अमित कुमार सोनकर से प्रेम-प्रसंग था तथा वह उससे विवाह करना चाहती थी। आरोप है कि अभियुक्त द्वारा शादी से इनकार करने एवं कथित रूप से अपमानजनक बाते कहने से आहत होकर 03 अगस्त को मृतका घर से निकल गई और करेंटी गंगा पुल से कूदकर आत्महत्या कर ली। वादी से प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना मानिकपुर पर अमित कुमार सोनकर के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत किया गया था। थाना मानिकपुर जनपद प्रतापगढ़ में दर्ज मुकदमा से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त अमित सोनकर पुत्र संतोष सोनकर निवासी ऐमाअस्भौ थाना मानिकपुर जनपद प्रतापगढ़ को ग्राम पाटीहार से गिरफ्तार किया गया।